दिनमान | तापमान

सूर्योदय 5.16 | सूर्यास्त 5.56 | अधिकतम 37° | न्यूनतम 27°

वर्ष 18, अंक 298 पृष्ठ 8
कोलकाता, बुधवार, 15 अप्रैल , 2026
वैशाख, कृष्ण पक्ष, त्रयोदशी, वि.सं. 2083

मूल्य: ₹3

निष्पक्ष, निडर एवं सशक्त राष्ट्रीय दैनिक

युवा शक्ति

कोलकाता संस्करण

www.yuvashaktinews.com

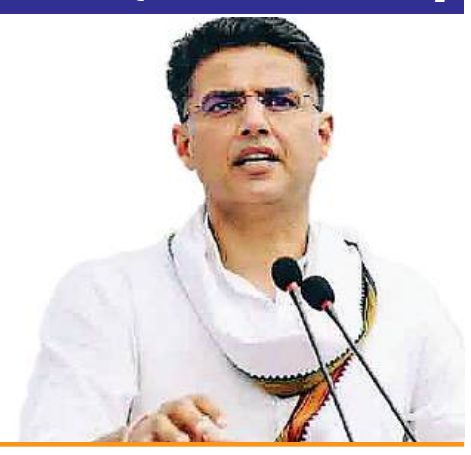

बंगाल के लिए दीदी का उपहार

लक्ष्मी की जय, स्वनिर्भरता अक्षय

लक्ष्मी भंडार में ₹५०० की मासिक बढ़ोतरी,
सामान्य महिलाओं के लिए ₹१,५०० प्रति माह (₹१८,००० सालाना)
SC/ST महिलाओं के लिए ₹१,७०० प्रति माह (₹२०,४०० सालाना)

युवाओं के साथ, रोजगार का भरोसा

बेरोज़गार युवाओं को 'बांग्लार युवा-साथी' योजना के तहत ₹१,५०० प्रति माह (₹१८,००० सालाना) आर्थिक सहायता

बजट में कृषि, खुशहाल किसान

किसान परिवारों को लगातार सहायता, भूमिहीन किसानों को आर्थिक मदद और कृषि क्षेत्र के समग्र विकास के लिए ₹३०,००० करोड़ का कृषि बजट

सुनिश्चित आवास, चिंता का अंत

बंगाल के हर परिवार के लिए पक्का घर सुनिश्चित

बुज़ुर्गों के साथ, देखभाल का भरोसा

सभी मौजूदा लाभार्थियों के लिए नियमित वृद्धावस्था पेंशन जारी रहेगी और धीरे-धीरे सभी पात्र बुज़ुर्गों को इसमें शामिल किया जाएगा

फिर जीतेगा बांग्ला

जो लड़ रही सबकी पुकार पर, वही जिताएगी बांग्ला माँ को

जोड़ा फूल चिह्न पर वोट दें

मां की डांट के बाद युवक ने की आत्महत्या, इलाके में सनसनी

नदिया : जिले के कल्याणी स्थित मदनपुर तेघड़ी इलाके में एक युवक के आत्महत्या किए जाने की घटना से इलाके में हड़कंप मच गया. मृतक की पहचान सुदीप विश्वास (19) के रूप में हुई है. मामूली कहासुनी के बाद युवक का शव घर के अंदर फंदे से लटका हुआ बरामद किया गया. घटना के बाद परिवार में मातम पसरा हुआ है.बताया गया है कि वह लकड़ी का काम करता था और पिछले कुछ दिनों से बीमार भी चल रहा था. परिवार के अनुसार, सोमवार रात वह घर से बाहर जाना चाहता था, लेकिन उसकी मां ने उसे रोक दिया. इसी बात को लेकर दोनों के बीच हल्की कहासुनी हुई. मां के मना करने के बावजूद युवक बाहर जाने की जिद कर रहा था, जिसके बाद मां ने उसे डांट दिया. इसके बाद वह अपने कमरे में चला गया.मंगलवार सुबह जब मां रोज की तरह उसे जगाने गईं तो अंदर से कोई प्रतिक्रिया नहीं मिली. संदेह होने पर घर के पीछे जाकर खिड़की से झांककर देखा, तो सुदीप गले में फंदा लगाकर लटका हुआ था. यह दृश्य देखकर मां जोर-जोर से रोने लगीं. उनकी चीख सुनकर पड़ोसी और अन्य परिजन मौके पर पहुंचे. घटना की सूचना चाकदह थाना को दी गई. पुलिस मौके पर पहुंची और शव को बरामद कर पोस्टमॉर्टम के लिए कल्याणी कॉलेज ऑफ मेडिसिन एवं जवाहरलाल नेहरू मेमोरियल अस्पताल भेज दिया.परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है. मृतक की मां का कहना है कि उन्हें यकीन नहीं हो रहा कि मामूली डांट-फटकार का अंजाम इतना भयानक हो सकता है. पुलिस पूरे मामले की जांच में जुटी है.

चोपड़ा में कांग्रेस उम्मीदवार की रैली पर हमला, इलाके में तनाव

उत्तर दिनाजपुर : जिले के चोपड़ा थाना क्षेत्र में कांग्रेस उम्मीदवार जाकिर अबेदिन की चुनावी रैली पर हमले के बाद इलाके में भारी तनाव फैल गया. घटना मंगलवार को मझियाली ग्राम पंचायत क्षेत्र में हुई है.बताया जा रहा है कि जब विश्वासटोली गांव से गुजरते समय उम्मीदवार के काफिले और बाइक रैली पर अचानक ईंट-पत्थर फेंके गए. इस हमले में कई कार्यकर्ता घायल हो गए. घटना की सूचना पाकर आईसी केशव बड़ाल भारी पुलिस बल और केंद्रीय बल के साथ मौके पर पहुंचे और स्थिति को नियंत्रित करने की कोशिश की.इधर, आरोपित तृणमूल कार्यकर्ताओं की गिरफ्तारी की मांग को लेकर उम्मीदवार जाकिर अबेदिन और ब्लॉक अध्यक्ष मोहम्मद नसीर उद्दीन गांव में ही धरने पर बैठ गए.कांग्रेस उम्मीदवार जाकिर अबेदिन का आरोप है कि अनुमति लेकर शांतिपूर्ण रैली निकाली जा रही थी, तभी तृणमूल समर्थित असामाजिक तत्वों ने अचानक हमला कर दिया.उन्होंने कहा कि जब तक दोषियों की गिरफ्तारी नहीं होती, तब तक आंदोलन जारी रहेगा.फिलहाल इलाके में तनावपूर्ण स्थिति बनी हुई है और सुरक्षा के लिए भारी पुलिस बल तैनात किया गया है.

न्यूज़ कॉर्नर

पोस्टर फाड़ने का आरोप, तृणमूल कार्यकर्ताओं का सड़क जाम

जलपाईगुड़ी : तृणमूल कांग्रेस के चुनावी पोस्टर फाड़े जाने की घटना सामने आने से इलाके में तनाव फैल गया. तृणमूल का आरोप है कि अन्य पार्टियों के पोस्टर सुरक्षित रहे, जबकि उनके उम्मीदवार के पोस्टर को ही निशाना बनाया गया. इससे इलाके में राजनीतिक माहौल गरमा गया.मिली जानकारी के मुताबिक, जलपाईगुड़ी विधानसभा सीट से तृणमूल उम्मीदवार कृष्ण दास के समर्थन में सोमवार को सिपाईपाड़ा बाजार से बोधनिमोड़ तक करीब पांच किलोमीटर इलाके में पोस्टर लगाए गए थे. लेकिन मंगलवार सुबह सभी पोस्टर फटे हुए सड़क पर पड़े मिले. इस घटना के विरोध में मंगलवार को तृणमूल कार्यकर्ताओं और समर्थकों ने जलपाईगुड़ी-हल्दीबाड़ी राज्य सड़क को जाम कर प्रदर्शन किया.करीब डेढ़ घंटे तक चले इस पथावरोध के कारण यातायात पूरी तरह बाधित रहा. बाद में पुलिस द्वारा उचित कार्रवाई का आश्वासन मिलने पर प्रदर्शनकारियों ने जाम हटा लिया.घटना की सूचना पाकर मानिकगंज आउटपोस्ट की पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू कर दी. इलाके के सीसीटीवी फुटेज भी खंगाले जा रहे हैं.खारिजा बेरुबाड़ी-1 अंचल कमेटी के अध्यक्ष धनंजय राय ने आरोप लगाया कि भाजपा क्षेत्र में अशांति फैलाने की कोशिश कर रही ह. इस संबंध में पुलिस व चुनाव आयोग से शिकायत की गई है.वहीं, भाजपा नेता सौमेन राय ने इन आरोपों को खारिज करते हुए कहा कि पार्टी इस तरह के कार्यों में शामिल नहीं है. यह तृणमूल के आंतरिक विवाद का नतीजा हो सकता है.

वाम उम्मीदवार झरेन राय ने चाय बागान इलाके में किया प्रचार

सिलीगुड़ी : चाय बागान मजदूरों का समर्थन हासिल करने के लिए वाम मोर्चा उम्मीदवार झरेन राय मंगलवार सुबह-सुबह वोट की अपील करते नजर आए . माटीगाड़ा-नक्सलबाड़ी विधानसभा क्षेत्र के नक्सलबाड़ी चाय बागान में उन्होंने प्रचार किया.इस दौरान उन्होंने चाय श्रमिकों से मुलाकात कर उनकी समस्याएं सुनीं और वोट देने की अपील की. अपने भाषण में झरेन राय ने तृणमूल कांग्रेस और बीजेपी सरकार पर विकास की कमी का आरोप लगाया और मजदूरों की हालत पर नाराजगी जताई.उन्होंने चाय बागान मजदूरों की मजदूरी, जमीन के अधिकार, भोजन, कपड़ा और आवास जैसी बुनियादी जरूरतों को प्रमुख मुद्दा बताते हुए कहा कि इन समस्याओं का समाधान जरूरी है.उम्मीदवार ने कहा कि चाय मजदूरों का वोट इस चुनाव में बेहद महत्वपूर्ण है. अब तक 24 चाय बागानों के साथ-साथ गांव-गांव में प्रचार किया जा चुका है.झरेन राय ने दावा किया कि चाय मजदूर बदलाव चाहते है. उन्होंने विश्वासजताया कि इस बार माटीगाड़ा-नक्सलबाड़ी सीट पर वामपंथी पार्टी जीत हासिल करेगी.

तृणमूल की रैली में भाजपा का झंडा, बच्चों की मौजूदगी पर विवाद तेज

सिलीगुड़ी : चुनावी माहौल के बीच सिलीगुड़ी महकमा के खोरीबाड़ी में एक अजीब मामला सामने आया है. तृणमूल कांग्रेस की चुनावी रैली में भाजपा का झंडा दिखाई देने से इलाके में सियासी हलचल तेज हो गई है.मिली जानकारी के मुताबिक, फांसीदेवा विधानसभा क्षेत्र से तृणमूल उम्मीदवार रीना टोप्पो एक्का के समर्थन में मंगलवार को खोरीबाड़ी ब्लॉक के प्रेताजोत गांव में एक रैली निकाली गई थी. इस रैली का नेतृत्व स्थानीय नेता परिमल सिंह कर रहे थे.रैली के दौरान एक तरफ जहां बच्चों की मौजूदगी ने सवाल खड़े किए, वहीं अचानक भाजपा का झंडा दिखाई देने से माहौल और भी गर्म हो गया. तृणमूल नेताओं ने इसे विपक्ष की साजिश बताया.परिमल सिंह ने कहा कि गांव में प्रचार के दौरान बच्चे अपने अभिभावकों के साथ शामिल हुए थे,

पश्चिम बंगाल के कालियागंज में अमित शाह ने रोड शो किया

कालियागंज : केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने मंगलवार को पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव चुनाव के लिए उत्तर दिनाजपुर जिले के कालियागंज में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के उम्मीदवारों के समर्थन में रोड शो किया. कालियागंज से भाजपा उम्मीदवार उत्पल महाराज और राज्य के अन्य नेताओं के साथ शाह ने फूलों से सजे ट्रक के ऊपर से लोगों का हाथ हिलाकर अभिवादन किया और सड़क

पर खड़े हजारों पार्टी समर्थक 'ढाक' (पारंपरिक ढोल) की थाप के बीच नारे लगा रहे थे.

चिलचिलाती धूप के बीच रोड शो भाजपा के गढ़ शहर के पार्वती सुंदरी हाई स्कूल मैदान से शुरू हुआ और एक किमी से अधिक की दूरी तय की. रोड शो के मद्देनजर सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम थे. लोग शाह की एक झलक पाने के लिए संकरी सड़कों के दोनों ओर और आसपास की इमारतों के ऊपर मौजूद थे और ट्रक पर पंखुड़ियों की वर्षा की.

न मोदी, न ममता हमें डरा पाएंगे', कालियाचक में ओवैसी का बड़ा हमला

मालदा : मालदा जिले के कालियाचक स्थित करबला मैदान में आयोजित जनसभा में एआईएमआईएम प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी ने केंद्र और राज्य सरकार पर तीखा हमला बोला. यह सभा सुजापुर विधानसभा क्षेत्र से पार्टी उम्मीदवार मनीरुल इस्लाम के समर्थन में आयोजित की गई थीओवैसी ने अपने भाषण में कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी लोगों को डराते हैं कि अगर वे उनके साथ नहीं आएंगे तो उन्हें घुसपैठिया करार दिया जाएगा. वहीं, मुख्यमंत्री ममता बनर्जी पर भी निशाना साधते हुए उन्होंने कहा कि ममता कहती हैं कि उनके पक्ष में वोट नहीं देने पर नुकसान होगा.ओवैसी ने इन दोनों पर तंज कसते हुए कहा कि यह भाई-बहन की जोड़ी हमें इस देश से नहीं निकाल

सकती, क्योंकि संविधान हमें यहां रहने का अधिकार देता है.

उन्होंने आरोप लगाया कि पश्चिम बंगाल में एआईएमआईएम कार्यकर्ताओं को झूठे मामलों में फंसाया जा रहा है. ओवैसी ने चुनाव आयोग से मांग की कि इस मामले में निष्पक्ष जांच कर दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाए.टीएमसी पर हमला जारी रखते हुए उन्होंने कहा कि पार्टी एआईएमआईएम पर वोट काटने का आरोप लगाती है, जबकि एआईएमआईएम अपने अधिकारों की लड़ाई लड़ रही है.

उन्होंने स्पष्ट किया कि उनकी पार्टी किसी के इशारे पर नहीं, बल्कि अपने हक और सम्मान के लिए मैदान में उतरी है.

भाजपा कार्यकर्ता चंचल विश्वास ने वापस लिया निर्दलीय नामांकन

नदिया : आखिरकार कृष्णानगर उत्तर के बागी प्रत्याशी चंचल विश्वास ने अपना नामांकन वापस लेकर घोषित उम्मीदवार के साथ हाथ मिला लिया. भाजपा द्वारा घोषित उम्मीदवार को पसंद न किए जाने के कारण भाजपा कार्यकर्ता चंचल विश्वास ने निर्दलीय उम्मीदवार के रूप में नामांकन दाखिल किया था. सोमवार को उन्होंने अपना नामांकन वापस ले लिया. चंचल विश्वास ने बताया कि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के कई कार्यकर्ताओं के अनुरोध पर उन्होंने यह निर्णय लिया है.भाजपा उम्मीदवार तारकनाथ चटर्जी के नाम की घोषणा होने के बाद से ही पार्टी के भीतर असंतोष पैदा हो गया था.

गृह मंत्री अमित शाह के जनसभा को लेकर जोरदार तैयारी

जलपाईगुड़ी : पश्चिम बंगाल में चुनावी सरगर्मी के बीच 15 अप्रैल यानी पॉयला बैसाख के दिन देश के गृह मंत्री अमित शाह राजगंज विधानसभा क्षेत्र में एक चुनावी जनसभा को संबोधित करने पहुंचेंगे. यह सभा भाजपा उम्मीदवार दिनेश सरकार के समर्थन में आयोजित की जा रही है.यह जनसभा राजगंज के फाटापुकुर के पास बुरीमोड़ इलाके के मैदान में होगी. कार्यक्रम को लेकर तैयारियां जोरों पर है. मंच निर्माण, मैदान की सजावट और लोगों के बैठने की व्यवस्था तेजी से की जा रही है.

आसनसोल उत्तर विधानसभा में भाजपा उम्मीदवार कृष्णेंदु मुखर्जी ने जारी किया घोषणापत्र

आसनसोल : आसनसोल उत्तर विधानसभा क्षेत्र में चुनावी माहौल के बीच भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के उम्मीदवार कृष्णेंदु मुखर्जी ने मंगलवार को अपना चुनावी घोषणापत्र जारी किया. इस दौरान जिलाध्यक्ष देबतनु भट्टाचार्य, प्रदेश कमेटी सदस्य दिलीप दे, मीडिया प्रभारी मदन मोहन चौबे, दुर्गेश नागी समेत पार्टी के कई नेता और कार्यकर्ता मौजूद रहे.घोषणापत्र जारी करते हुए कृष्णेंदु मुखर्जी ने कहा कि उत्तर विधानसभा क्षेत्र कई बुनियादी समस्याओं से जूझ रहा है. उन्होंने जल निकासी की समस्या, पेयजल संकट, शहर में जाम की स्थिति, जर्जर सड़कों, स्वास्थ्य सुविधाओं की कमी, शिक्षा व्यवस्था की चुनौतियों और बढ़ती बेरोजगारी को प्रमुख मुद्दों के रूप में उठाया. उन्होंने कहा कि उनका उद्देश्य सिर्फ वादे करना नहीं, बल्कि जमीनी स्तर पर काम करके समस्याओं का समाधान करना है.उन्होंने घोषणा किया कि भाजपा की सरकार बनने पर महिलाओं और बेरोजगार युवाओं को नौकरी मिलने तक प्रति माह तीन हजार रुपये की आर्थिक सहायता दी जाएगी ताकि वे आत्मनिर्भर बन सकें. बुजुर्ग महिलाओं को दो हजार रुपये मासिक सहायता देने की भी बात कही गई.कृष्णेंदु मुखर्जी ने किसानों के लिए वार्षिक आर्थिक सहायता और आसान ऋण सुविधा उपलब्ध कराने का आश्वासन दिया. इस मौके पर उन्होंने एक हेल्पलाइन नंबर 9195932222555 भी जारी किया और कहा कि यह नंबर चुनाव के बाद भी आम लोगों की समस्याओं के समाधान के लिए सक्रिय रहेगा.उन्होंने आरोप लगाया कि तृणमूल कांग्रेस के कथित अत्याचारों से परेशान लोगों की मदद के लिए भाजपा हमेशा तैयार रहेगी. अंत में कृष्णेंदु मुखर्जी ने भरोसा जताया कि इस बार राज्य में भाजपा की सरकार बनेगी और जनता बदलाव के लिए तैयार है. उन्होंने कहा कि जनता का समर्थन ही उनकी सबसे बड़ी ताकत है और इसी के दम पर उत्तर विधानसभा को एक विकसित क्षेत्र बनाया जाएगा.

प्रचार, विवाद और रूट मार्च से गरमाया पश्चिम मेदिनीपुर का चुनावी माहौल

पश्चिम मेदिनीपुर : पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव के मद्देनज़र पश्चिम मेदिनीपुर जिले में सोमवार देर रात तक राजनीतिक गहमा गहमी और गतिविधियां तेज रहीं. कहीं चुनाव प्रचार और रोड शो हुए तो कहीं राजनीतिक आरोप-प्रत्यारोप और प्रशासनिक सतर्कता भी देखने को मिली.सोमवार सुबह जिले के केशपुर इलाके में निष्पक्ष और शांतिपूर्ण मतदान का भरोसा दिलाने के लिए प्रशासन सक्रिय नजर आया. जिलाधिकारी बिजिन कृष्णा और पुलिस अधीक्षक पापिया सुल्ताना ने केंद्रीय बलों के जवानों के साथ बाजार इलाके और आसपास के क्षेत्रों में रूट मार्च किया. अधिकारियों ने स्थानीय लोगों से बातचीत कर उन्हें निर्भय होकर मतदान करने का संदेश दिया.दिन में जिले के पिंगला क्षेत्र में राजनीतिक विवाद ने माहौल को गर्म कर दिया. पिंगला ब्लॉक के गोवर्धनपुर ग्राम पंचायत के स्मृतिबिंदा गांव में तृणमूल कांग्रेस के झंडे और बैनर जलाने की घटना सामने आई. तृणमूल उम्मीदवार अजीत मायती ने आरोप लगाया कि रात के अंधेरे में भाजपा समर्थित असामाजिक तत्वों ने यह काम किया है और कड़ी निंदा की. वहीं, भाजपा उम्मीदवार स्वागत माननना ने आरोपों को खारिज करते हुए कहा कि तृणमूल खुद ही इस तरह की घटनाएं कर भाजपा को बदनाम करने

की कोशिश कर रही है. घटना को लेकर इलाके में तनावपूर्ण माहौल बना हुआ है.दूसरी ओर चुनाव प्रचार भी लगातार जारी रहा. कड़ी धूप में झाड़ग्राम और जंगलमहल क्षेत्र में अभिनेत्री और राज्यसभा सांसद कोयल मलिक ने तृणमूल उम्मीदवारों के समर्थन में रोड शो कर माहौल को और गर्म कर दिया. उन्होंने बिनपुर विधानसभा क्षेत्र में बीरबाहा हंसदा तथा गोपीबल्लभपुर क्षेत्र में अजीत महतो के समर्थन में लोगों से मतदान की अपील की.दिनभर की गतिविधियों के बाद सोमवार देर शाम खड़गपुर शहर में राजनीतिक माहौल और गरम हो गया, जब कोलकाता के मेयर और राज्य के मंत्री फिरहाद हकीम तृणमूल उम्मीदवार प्रदीप सरकार के समर्थन में प्रचार करने पहुंचे. खड़गपुर के ईदगाह मैदान में आयोजित सभा में उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर तीखा हमला बोलते हुए उन्हें 'गब्बर सिंह' से तुलना की.वहीं, सोमवार देर शाम करीब साढ़े नौ बजे भाजपा नेता दिलीप घोष खड़गपुर के प्रमुख मंदिरों में से एक श्याम बाबा मंदिर पहुंचे. यहां उन्होंने पूजा-अर्चना कर दर्शन किए और उपस्थित लोगों से भाजपा के पक्ष में मतदान करने की अपील की. इस दौरान तृणमूल नेता फिरहाद हकीम के बयानों पर पलटवार करते हुए उन्होंने कहा कि ऐसे बयानों से भाजपा को कोई फर्क नहीं पड़ने वाला है.इन सबके बीच मंगलवार को भी जिले में चुनावी गतिविधियां जारी रहने वाली हैं. तृणमूल कांग्रेस के प्रचार को और तेज करने के लिए अभिनेता-सांसद देव मंगलवार को खड़गपुर पहुंचेंगे. वे खड़गपुर सदर विधानसभा क्षेत्र के उम्मीदवार प्रदीप सरकार के समर्थन में तालबागीचा मुक्ति संघ क्लब प्रांगण में शाम चार बजे एक जनसभा को संबोधित करेंगे.

दिलीप घोष पर फिरहाद का तंज, 'तृणमूल में आने की बात कही थी'

खड़गपुर : फिरहाद हाकिम सोमवार के शाम खड़गपुर के इंदा ईदगाह मैदान में तृणमूल कांग्रेस उम्मीदवार प्रदीप सरकार के समर्थन में जनसभा को संबोधित किया. सभा में उन्होंने भाजपा नेता दिलीप घोष पर खड़ा निशाना साधते हुए दावा किया कि दिलीप घोष एक समय तृणमूल कांग्रेस में शामिल होना चाहते थे.फिरहाद हाकिम ने कहा कि जो व्यक्ति आज यहां उम्मीदवार बने हैं, वे पहले इसी क्षेत्र के सांसद थे, लेकिन अचानक उन्हें यहां से हटाकर दुर्गापुर भेज दिया गया, जहां उन्हें हार का सामना करना पड़ा. उन्होंने आरोप लगाया कि इसके बाद निराश होकर दिलीप घोष ने कहा था कि अब भाजपा में रहना संभव नहीं है और यदि तृणमूल जगह दे तो वे उसमें शामिल होंगे. उन्होंने व्यंग्य करते हुए कहा कि बाद में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात और हाथ मिलाने के बाद उनका रुख बदल गया और उन्हें फिर से टिकट मिल गया.फिरहाद हाकिम ने मतदाता सूची से नाम हटाए जाने के मुद्दे पर भी भाजपा को घेरा. उन्होंने कहा कि जिन लोगों के नाम सूची से हटे हैं, उन्हें देशद्रोही बताना गलत है. उनके अनुसार देशद्रोही वे लोग हैं जो संविधान का सम्मान नहीं करते और 18 वर्ष से अधिक आयु के नागरिकों के मतदान के अधिकार को छीनने का प्रयास करते हैं. उन्होंने कहा कि यदि इसी मतदाता सूची के आधार पर 2024 का चुनाव हुआ था तो अब उस पर सवाल क्यों उठाए जा रहे

हैं.प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की आलोचना करते हुए उन्होंने कहा कि पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी को सभी लोग सम्मान देते थे, लेकिन मोदी की भाषा फिल्म शोले के खलनायक गब्बर सिंह जैसी है. उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा तृणमूल को चार्जशीट दे रही है, जबकि चार्जशीट देने का अधिकार पुलिस और जांच एजेंसियों का होता है.केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह का नाम लेते हुए उन्होंने कहा कि कभी सीबीआई ने उन्हें गिरफ्तार किया था, लेकिन बाद में उन्हें क्लीन चिट मिल गई. उन्होंने सवाल उठाया कि भाजपा दूसरों को चार्जशीट देने की बात करती है, लेकिन अपने नेताओं के मामलों का क्या हुआ.फिरहाद हाकिम ने यह भी आरोप लगाया कि अन्य राज्यों में बांग्ला भाषा बोलने वाले प्रवासी श्रमिकों पर हमले हो रहे हैं. उन्होंने कहा कि बंगाल के लोग भारतीय बंगाली हैं, न कि बांग्लादेशी.राज्य सरकार के कामकाज का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि जंगमहल क्षेत्र में कभी आदिवासी लोगों को पेट भरने के लिए चींटियों के अंडे और जंगल की लतापत्तियां खानी पड़ती थीं, लेकिन मुख्यमंत्री ममता बनर्जी की विकास योजनाओं के कारण आज उनकी स्थिति में सुधार हुआ है और वे सम्मानजनक जीवन जी रहे हैं. उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री केवल किसी एक समुदाय के लिए नहीं, बल्कि जाति-धर्म से ऊपर उठकर सभी के विकास के लिए काम कर रही हैं.वहीं इस बयान पर पलटवार करते हुए दिलीप घोष ने कहा कि तृणमूल की स्थिति आज एक बेकार पड़े सिक्के जैसी हो गई है. उन्होंने तृणमूल को डस्टबिन बताते हुए कहा कि पार्टी इतनी गंदी हो चुकी है कि उससे मछली बाजार जैसी बदबू आती है. उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि राज्य में शिक्षा, स्वास्थ्य और रोजगार के लिए लोगों को दूसरे राज्यों में जाना पड़ रहा है.

पूर्व रेलवे की पहल : 1853 की स्मृति

भारत की पहली ट्रेन यात्रा के सम्मान में स्वच्छता अभियान

कोलकाता : 16 अप्रैल, 1853 को इतिहास रचा गया था, जब भारत की पहली यात्री ट्रेन बोरी बंदर(मुंबई)से ठाणे के लिए रवाना हुई थी. भारतीय रेल के इस 173वें जन्मदिन के उपलक्ष्य में, पूर्व रेलवे इस उपलब्धि को एक स्वच्छ भविष्य के मिशन में बदल रहा है. इसके तहत 15 अप्रैल से 14 मई तक एक महीने तक व्यापक स्वच्छता जागरूकता अभियान आयोजित किया जा रहा है, जिसमें 16 अप्रैल को विशेष रूप से कोच और ट्रैक की स्वच्छता पर ध्यान केंद्रित किया जाएगा. पूर्व रेलवे के महाप्रबंधक मिलिंद देऊस्कर ने कहा कि जिस दिन भारतीय रेल के पहिए पहली बार भारत की धरती पर घूमे थे, उस दिन का जश्न मनाते हुए वे अपनी विरासत का सम्मान एक स्वच्छ और बेहतर यात्रा अनुभव के संकल्प के साथ कर रहे हैं. उन्होंने कहा कि यह केवल अतीत का उत्सव नहीं, बल्कि यात्रियों के लिए स्वच्छ और सतत भविष्य का वादा भी है.महाप्रबंधक के नेतृत्व में, यह अभियान पूर्व रेलवे नेटवर्क के हर कोने तक पहुंचेगा, जिसमें सभी प्रधान विभागाध्यक्ष, विभागाध्यक्ष, मंडल अधिकारी और प्रत्येक कर्मचारी की पूर्ण भागीदारी होगी. भारत स्काउट्स एंड गाइड्स भी पूरी तरह से इसमें शामिल होंगे और रेलवे कॉलोनियों, रेलवे स्कूलों, रेलवे कार्यालयों, रेलवे अस्पतालों, स्वास्थ्य इकाइयों और स्काउट्स एंड गाइड्स इकाइयों के निकट स्थित महत्वपूर्ण रेलवे स्टेशनों पर अभियान को ऊर्जा प्रदान करेंगे.जनसंपर्क को मजबूत करने के लिए 16 अप्रैल को एक विशेष पहल के तहत महाप्रबंधक यात्रियों से सीधे संवाद करेंगे.

इन संवादों के दौरान वे यात्रियों को स्वच्छता के प्रति जागरूक करेंगे और उनसे व्यक्तिगत रूप से फीडबैक भी प्राप्त करेंगे. मंडल रेल प्रबंधक अपने-अपने मंडलों में यात्रियों से बातचीत करेंगे. कुछ प्रधानाविभागाध्यक्ष भी यात्रा करेंगे और यात्रियों से स्वच्छता अभियान और रेलवे को स्वच्छ और सुरक्षित बनाने में इसकी आवश्यकता के बारे में बातचीत करेंगे .

सामुदायिक भागीदारी को और बढ़ावा देने के लिए स्वच्छता अभियान के अंतर्गत एक स्लोगन लेखन प्रतियोगिता का भी आयोजन किया जाएगा. इस प्रतियोगिता के विषयों में स्वच्छता, स्वास्थ्य, अपशिष्ट प्रबंधन और रेलवे परिसरों को साफ-सुथरा रखने जैसे मुद्दे शामिल होंगे. यह अभियान भारतीय रेल की विरासत को उच्चतम नागरिक जिम्मेदारी के मानकों के साथ जोड़ने का एक सामूहिक प्रयास है. पूर्व रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी एवं पूर्व रेलवे भारत स्काउट्स एवं गाइड्स के राज्य सचिव शिबराम माझी ने कहा कि उनका उद्देश्य स्वच्छता को एक आदत बनाना है, न कि केवल एक दिन का आयोजन.

आईपैक सह-संस्थापक की गिरफ्तारी पर भाजपा प्रदेश अध्यक्ष ने कसा तंज

सिलीगुड़ी : आईपैक के सह-संस्थापक की गिरफ्तारी को लेकर भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष शमिक भट्टाचार्य ने सत्तारूढ़ तृणमूल पर निशाना साधा है. सिलीगुड़ी के बागडोगरा एयरपोर्ट पर पत्रकारों से बातचीत में उन्होंने कहा कि चोर-पुलिस का खेल काफी समय से चल रहा है, लेकिन अब जनता ने तय कर लिया है कि वही चोरों को बाहर करेगी.आगे उन्होंने कहा कि कौन गिरफ्तार हो रहा है, इसे देखने का हमारे पास समय नहीं है और न ही इस पर सोचने की जरूरत है. इन घटनाओं का पश्चिम बंगाल की जनता पर कोई असर नहीं पड़ रहा है. प्रदेश अध्यक्ष ने आगे कहा कि इस बार का चुनाव जनता बनाम ममता बनर्जी बन चुका है.

तेजस्वी सूर्या ने तृणमूल सरकार पर बोला हमला

सिलीगुड़ी : पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव 2026 के लिए मतदान से पहले भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने चुनाव प्रचार तेज कर दिया है. भाजपा युवा मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष तेजस्वी सूर्या ने उत्तर बंगाल दौरे के दौरान तृणमूल सरकार पर हमला बोला.बागडोगरा एयरपोर्ट पर मंगलवार को पत्रकारों से बातचीत में तेजस्वी सूर्या ने कहा कि तृणमूल कांग्रेस सरकार ये यहां के युवाओं के लिए कुछ नहीं किया. राज्य के युवा रोजगार के लिए बाहर जाने को मजबूर हैं. लंबे समय से उद्योगों का विकास नहीं हो पा रहा है. उन्होंने कहा कि प्रदेश की जनता अब बदलाव चाहती है. उन्होंने दावा किया कि प्रदेश की जनता आगामी चुनाव में तृणमूल कांग्रेस को सत्ता से बाहर कर देगी. साथ ही उन्होंने ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहाद-उल मुस्लिमीन और तृणमूल कांग्रेस पर एक जैसी राजनीति करने का आरोप लगाया और कहा कि दोनों पार्टियां घुसपैठ के मुद्दे पर नरम रुख अपनाती हैं. भाजपा नेता ने कहा कि उनकी पार्टी ही इस मुद्दे पर खुलकर आवाज उठा रही है.इसके अलावा तेजस्वी सूर्या ने महिला आरक्षण को ऐतिहासिक बताते हुए कहा कि यह देश की करोड़ों महिलाओं के सशक्तिकरण की दिशा में बड़ा कदम है और विकसित भारत के लक्ष्य को मजबूती देगा.

WEDNESDAY ▶ तृणमूल कांग्रेस ने चुनाव आयोग पर लगाए गंभीर आरोप 5 ▶ आरसीबी के बल्लेबाजों से शानदार प्रदर्शन की उम्मीद 6 ▶ पंचायत चुनावों में देरी कर रही सरकार : पायलट 7

दिनमान | तापमान
सूर्योदय 5.16 | सूर्यास्त 5.56 | अधिकतम 37° | न्यूनतम 27°

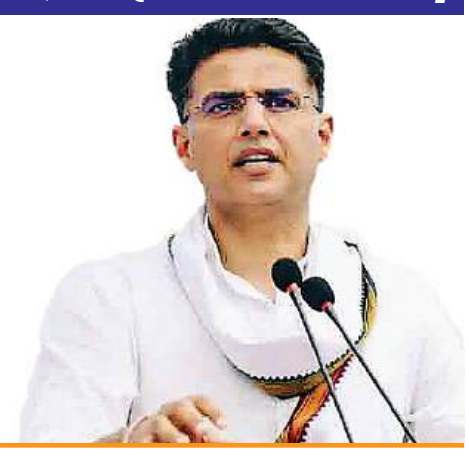

वर्ष 18, अंक 298 पृष्ठ 8
कोलकाता, बुधवार, 15 अप्रैल , 2026
वैशाख, कृष्ण पक्ष, त्रयोदशी, वि.सं. 2083
मूल्य: ₹ 3

निष्पक्ष, निडर एवं सशक्त राष्ट्रीय दैनिक
युवा शक्ति
कोलकाता संस्करण
www.yuvashaktinews.com

चुनावी जनसभाओं में सीएम ममता ने भाजपा से कहा

आसान नहीं है बंगाल पर कब्ज़ा करना

- तार्किक विसंगति का केवल बंगाल में इस्तेमाल हुआ है
- मोटा भाई के साथ मीडिया व सीबीआई भी आई है राज्य में
- बंगाल महान लोगों की कर्मभूमि, गंदी राजनीति नहीं चलेगी

कोलकाता: पश्चिम मेदिनीपुर जिले के पिंगला में मंगलवार को राज्य की मुख्यमंत्री एवं तृणमूल कांग्रेस सुप्रीमो ममता बनर्जी ने चुनावी जनसभा को संबोधित किया. पिंगला के कांचडिहा स्टैक यार्ड मैदान में आयोजित इस जनसभा में उन्होंने तृणमूल कांग्रेस के उम्मीदवार मानस रंजन भैया और अजीत मायती के समर्थन में लोगों से मतदान की अपील की.
सभा को संबोधित करते हुए ममता बनर्जी ने भाजपा और केंद्र सरकार पर तीखा हमला बोलते हुए कहा कि दिल्ली से मोटा भाई आए हैं, साथ में मीडिया और सीबीआई भी आई है. जितना नाम काटना है काटो और जितना तनाव फैलाओ करना है करो, लेकिन बंगाल पर कब्ज़ा करना इतना आसान नहीं है.
उन्होंने कहा कि अविभाजित मेदिनीपुर की धरती ईश्वर चंद्र विद्यासागर, खुदीराम बोस और मातंगिनी हाजरा जैसे महान लोगों की कर्मभूमि रही है, इसलिए यहां गंदी राजनीति और गंदी सोच नहीं चलेगी.
ममता बनर्जी ने कहा कि यहां ऐसा खेला होगा कि बंगाल से आपको उखाड़ फेंका जाएगा. केंद्रीय बलों की तैनाती को लेकर उन्होंने कहा कि केंद्रीय पुलिस शांति बहाल करने के लिए आए, इसमें कोई आपत्ति

नहीं है. उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि दो लाख नहीं, आप चाहें तो दस लाख केंद्रीय पुलिस भेज दीजिए, हमें कोई आपत्ति नहीं. लेकिन अगर गांव-गांव जाकर मतदाताओं को डराने या वोट देने से रोकने की कोशिश की गई तो लोग चुप नहीं बैठेंगे.
मुख्यमंत्री ने आगे कहा कि मेदिनीपुर में उन्होंने जगन्नाथ धाम का निर्माण कराया है और रथ यात्रा के समय परंपरा के अनुसार सोने के झाड़ से सफाई की जाती है. उन्होंने लोगों से अपील करते हुए कहा कि हर घर में झाड़ होता है, अपने अधिकार और आत्मसम्मान की रक्षा के लिए उसे संभालकर रखिए. मैं किसी को हिंसा करने के लिए नहीं कह रही हूं, लेकिन अपने सम्मान की रक्षा करना हर व्यक्ति का अधिकार है.
सभा को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने राज्य सरकार की विभिन्न विकास योजनाओं और सामाजिक परियोजनाओं का उल्लेख किया. उन्होंने कहा कि राज्य में विकास की गति बनाए रखने के लिए तृणमूल कांग्रेस के उम्मीदवारों को विजयी बनाना आवश्यक है. इस दौरान उन्होंने विपक्षी दलों की भी आलोचना की और लोगों से तृणमूल के पक्ष में मतदान करने का आह्वान किया. मुख्यमंत्री ने कहा कि भाजपा जब लोगों को पैसे देकर सभाओं में लाती है, तो यह लोकतांत्रिक राजनीति के चरित्र का हनन करता है. हमलोग जब भी बैठक करते हैं, तो स्थानीय लोगों के साथ करते हैं, लेकिन भाजपा की सभाओं में अधिकतर बाहर से लोगों को लाया जाता है. इसी कारण उनकी सभाएं अक्सर स्टेशन के पास रखी जाती हैं, ताकि लोगों को आने-जाने में सुविधा हो. घाटाल मास्टर प्लान के लिए भी एक पैसा नहीं दिया गया. जब पश्चिम बंगाल में बाहर के डेढ़ करोड़ लोग कार्य करते हैं उनको हम परेशान नहीं करते हैं तो जब बंगाल के लोग रोज़गार के लिए दूसरे राज्यों में जाते हैं, तो उनके साथ प्रताड़ना क्यों की जाती है?
ममता बनर्जी ने मंगलवार को आरोप लगाया कि मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के तहत प्रयुक्त तार्किक विसंगति (लॉजिकल डिस्क्रेपेंसी) वाक्यांश निर्वाचन आयोग के प्रारूप के तहत आधिकारिक रूप से मान्य नहीं है और इसका इस्तेमाल बिहार के विपरीत पश्चिम बंगाल में चुनिंदा ढंग से भाजपा को लाभ पहुंचाने के लिए किया गया है. पिंगला की जनसभा सीएम बनर्जी ने कहा कि उन्होंने भाजपा जैसी ओछी राजनीति करने वाली पार्टी नहीं देखी है. उन्होंने लोगों से भाजपा के खिलाफ मतदान करने की अपील करते हुए कहा, भाजपा ने आपसे सब कुछ छीन लिया हैइसके खिलाफ वोट देना ही आपका एकमात्र जवाब होगा.

ट्रम्प ने पीएम मोदी को फोन किया, 40 मिनट बातचीत,दोनों ने कहा- होर्मुज स्ट्रेट का खुला रहना बहुत जरूरी

नई दिल्ली: पीएम मोदी और अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रम्प के बीच करीब 40 मिनट तक फोन पर बातचीत हुई. इस दौरान दोनों नेताओं ने ईरान जंग पर चर्चा की और इस बात पर जोर दिया कि होर्मुज खुला रहना चाहिए. पीएम मोदी ने सोशल मीडिया पर लिखा- मुझे मेरे दोस्त राष्ट्रपति ट्रम्प का फोन आया. हमने दोनों देशों के बीच अलग-अलग क्षेत्रों में हुए काम और प्रगति पर बात की. हमने यह भी कहा कि आगे चलकर भारत और अमेरिका के रिश्ते को और मजबूत करेंगे.अमेरिका-ईरान सीजफायर के बाद दोनों नेताओं के बीच पहली बातचीत थी. अमेरिकी राजदूत सर्जियो गोर ने बताया कि फोन कॉल के दौरान पीएम मोदी ने ट्रम्प से कहा, भारत के लोग आपको पसंद करते हैं. इस पर ट्रम्प ने कहा कि हम सभी आपसे प्यार करते हैं. सर्जियो गोर ने कहा है कि प्रधानमंत्री मोदी और अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रम्प के बीच होर्मुज की घेराबंदी के मुद्दे पर चर्चा हुई. उन्होंने यह भी बताया कि आने वाले कुछ दिनों और हफ्तों में भारत और अमेरिका के बीच ऊर्जा से जुड़े बड़े समझौते होने की उम्मीद है.

पश्चिम बंगाल में भय का माहौल; हत्याएं, बलात्कार, दंगे व राजनीतिक हिंसा चरम पर : प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी

नई दिल्ली: प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मंगलवार को दावा किया कि पश्चिम बंगाल में भय का माहौल है, जहां हत्या, बलात्कार, दंगे और राजनीतिक हिंसा की घटनाएं चरम पर पहुंच गई हैं. मोदी ने कहा कि पश्चिम बंगाल में लोगों के बीच भाजपा को लेकर ऊर्जा और उत्साह वास्तव में उल्लेखनीय है. मोदी ने 'मेरा बूथ, सबसे मजबूत' कार्यक्रम के तहत भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के पश्चिम बंगाल के कार्यकर्ताओं से डिजिटल माध्यम से संवाद करते हुए कहा कि राज्य के लोग वाम मोर्चा के शासन में हुए अत्याचारों से मुक्ति पाने के लिए तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) को सत्ता में लाए थे, लेकिन ममता बनर्जी के नेतृत्व वाली सरकार अपनी पूर्ववर्ती सरकारों से भी आगे निकल गई है. मोदी ने कहा कि उन्हें पूरे पश्चिम बंगाल में भय का माहौल दिखाई दे रहा है, जहां युवा नौकरी को लेकर चिंतित हैं, आलू किसान टीएमसी के सिंडिकेट से डरते हैं और सरकारी कर्मचारियों को अपने अधिकार पाने के लिए अदालत का सहारा लेना पड़ता है. उन्होंने कहा, बंगाल में भय का वातावरण है. हत्याएं, बलात्कार, दंगे और राजनीतिक हिंसा अपने चरम पर हैं. हर कोई बहुत परेशान है.

प्रधानमंत्री ने टीएमसी शासन को कट-मनी सरकार करार देते हुए कहा कि यह आम लोगों के लिए परेशानी का कारण बन रही है. उन्होंने आरोप लगाया कि टीएमसी सरकार ने भ्रष्टाचार को संस्थागत रूप दे दिया है. मोदी ने यह दावा भी किया कि घुसपैठियों के कारण पश्चिम बंगाल के लोगों में बड़ी चिंता है. उन्होंने कहा, कई क्षेत्रों में वे जनसांख्यिकी के लिए खतरा बन गए हैं.
मोदी ने कहा कि पिछले कुछ दिन में उन्हें पश्चिम बंगाल के हर हिस्से में जाने और लोगों से मिलने का अवसर मिला, और उनके बीच भाजपा के प्रति जो ऊर्जा, उत्साह व जोश उन्होंने देखा, वह वास्तव में उल्लेखनीय है. मोदी ने कहा, यह आप सभी बूथ स्तर के कार्यकर्ताओं की कड़ी मेहनत का परिणाम है. हर कार्यक्रम में मैं आपकी मेहनत देखता हूं और समाज के सभी वर्ग सक्रिय रूप से भाग ले रहे हैं. यह अपने आप में बहुत उत्साहजनक अनुभव है. प्रधानमंत्री ने कहा कि भाजपा कार्यकर्ताओं की अटूट प्रतिबद्धता पार्टी की जड़ों को और मजबूत कर रही है.
उन्होंने कहा, 'मेरा बूथ सबसे मजबूत' के मंत्र के साथ आप अपने-अपने बूथ पर लोगों तक प्रभावी ढंग से पहुंच रहे हैं और टीएमसी की निर्दयी सरकार के भय के बारे में अच्छी तरह लोगों को बता रहे हैं. मोदी ने कहा कि आगामी पश्चिम बंगाल चुनावों के लिए भाजपा के घोषणापत्र को भी लोग काफी सराह रहे हैं.
उन्होंने कहा, महिलाओं तक व्यापक रूप से पहुंचें और उनकी छोटी लेकिन महत्वपूर्ण समस्याओं का समाधान करें. आर.जी. कर (बलात्कार) और संदेशखलि जैसे प्रमुख मुद्दों पर स्पष्ट रूप से बात करें, ताकि लोगों को याद रहे कि टीएमसी नेता वोट मांगते समय विनम्रता से बात करते हैं, लेकिन सत्ता में आने के बाद दमन का सहारा लेते हैं. चाय बागान के मजदूरों का जिक्र करते हुए मोदी ने कहा कि पड़ोसी राज्य असम में चाय बागान श्रमिकों को काफी मदद मिल रही है, उन्हें जमीन के अधिकार मिले हैं और उनके लिए घर भी बनाए जा रहे हैं.

आई-पैक के निदेशक चंदेल को 10 दिन की ईडी हिरासत में

नई दिल्ली: राउज एवेन्यू स्थित विशेष सीबीआई अदालत ने बंगाल विधानसभा चुनाव से ठीक पहले एक बड़ा फैसला सुनाया है. आई-पैक के सह-संस्थापक और निदेशक विनेश चंदेल को मनी लांड्रिंग मामले में कोर्ट ने 10 दिन की ईडी हिरासत में भेज दिया है. ईडी ने चंदेल को सोमवार देर शाम पूछताछ के बाद गिरफ्तार किया और रात में ही पीएमएलए कोर्ट में पेश किया, जहां से उन्हें 10 दिन की रिमांड पर भेज दिया गया.बता दें कि, यह कार्रवाई कोयला घोटाले से जुड़े मनी लांड्रिंग मामले में की गई है. जांच एजेंसी के अनुसार, यह मामला सीबीआई की नवंबर 2020 की प्राथमिकी से जुड़ा है, जिसमें बंगाल के आसनसोल क्षेत्र में ईस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड की खदानों से जुड़े करोड़ों रुपये के कोयला चोरी और तस्करी के नेटवर्क का पर्दाफाश हुआ था. ईडी का दावा है कि इस नेटवर्क से जुड़े एक हवाला आपरेटर ने आई-पैक की कंपनी इंडियन पीएसी कंसल्टिंग प्राइवेट लिमिटेड को करोड़ों रुपये स्थानांतरित किए थे.

बंगाल को विभाजित किये बिना गोरखा समस्या का संवैधानिक रूप से समाधान करेंगे : अमित शाह

गंगारामपुर/मानिकचक : केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने मंगलवार को कहा कि अगर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पश्चिम बंगाल की सत्ता में आती है तो दार्जिलिंग पहाड़ियों में निवास करने वाले गोरखा समुदाय के मुद्दे का वह राज्य का विभाजन किए बिना संवैधानिक तरीके से समाधान करेगी.
दक्षिण दिनाजपुर जिले के गंगारामपुर में एक चुनावी जनसभा को संबोधित करते हुए शाह ने भाजपा के चुनाव घोषणापत्र में उत्तर बंगाल के लिए घोषित विकास परियोजनाओं का उल्लेख किया. केंद्रीय गृहमंत्री ने कहा, ''मैं दार्जिलिंग के अपने गोरखा भाइयों से कहना चाहता हूं कि सत्ता में आने पर भाजपा न केवल पहाड़ियों में एक पर्यावरण-अनुकूल रोमांचक खेल केंद्र विकसित करेगी, बल्कि राज्य को विभाजित किए बिना संवैधानिक तरीके से गोरखा मुद्दे का समाधान भी करेगी.'' दार्जिलिंग की पहाड़ियों में रहने वाले नेपाली भाषी लोग करीब एक सदी से गोरखालैंड नाम से अलग प्रदेश की मांग की रहे हैं और कई बार

उनका आंदोलन हिंसक रूप ले चुका है. दार्जिलिंग के ऊपरी इलाकों और तराई के कुछ हिस्सों के प्रशासन के लिए 2011 में अर्ध-स्वायत्त गोरखालैंड क्षेत्रीय प्रशासन (जीटीए) के गठन के बावजूद, 2017 तक हिंसक आंदोलन होते रहे. इस क्षेत्र में गोरखा जनमुक्ति मोर्चा (जीजेएम) और गोरखा राष्ट्रीय मुक्ति मोर्चा (जीएनएलएफ) जैसी स्थानीय गोरखा पार्टियों और भाजपा तथा तृणमूल कांग्रेस जैसे बड़े दलों के बीच राजनीतिक साझेदारी को लेकर कई उतार-चढ़ाव देखने को मिले हैं. इस इलाके में अलग गोरखालैंड की मांग हमेशा से राजनीति के केंद्र में रहा है.इस महीने होने वाले विधानसभा चुनाप में तृणमूल कांग्रेस ने बिमल गुरुंग नीत जीजेएम से अलग हुए गुट, अनित थापा के नेतृत्व वाले भारतीय गोरखा प्रजातांत्रिक मोर्चा (बीजेएम) के साथ गठबंधन किया है और दार्जिलिंग, कालिम्पोंग और कुर्सियोंग की सीटें अपने सहयोगी दल के लिए छोड़ दी हैं. दूसरी ओर, भाजपा एक बार फिर अपने पूर्व सहयोगी गुरुंग के साथ है. हालांकि इस बार वह इस क्षेत्र से सीधे चुनाव लड़ रही है. पश्चिम बंगाल में घुसपैठियों के मुद्दे को रेखांकित करते हुए केंद्रीय गृह मंत्री ने कहा कि भाजपा राज्य में राजनीतिक हिंसा, 'सिंडिकेट' और रिश्वतखोरी के राज को समाप्त करेगी और घुसपैठियों को प्राथमिकता के आधार पर निष्कासित करेगी.

भाजपा-आरएसएस की नफरत भरी सोच संविधान को नष्ट कर रही है: राहुल गांधी

रायगंज/मालदा: कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने मंगलवार को आरोप लगाया कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) की नफरत भरी सोच संविधान को नष्ट कर रही है. राहुल गांधी ने साथ ही भाजपा पर वोट चोरी का आरोप भी लगाया. पश्चिम बंगाल के उत्तर दिनाजपुर जिले में एक चुनावी रैली को संबोधित

करते हुए कांग्रेस नेता गांधी ने कहा, भाजपा और आरएसएस की नफरत भरी सोच संविधान को नष्ट कर रही है. उन्होंने आरएसएस और भाजपा पर वोट चोरी में शामिल होने और लोकतंत्र को नष्ट करने का भी आरोप लगाया. उन्होंने दावा किया कि पश्चिम बंगाल में सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस ने राज्य के लोगों से किए गए वादे के अनुसार नौकरियां नहीं दी हैं.

पोइला बैसाख की शुभकामनाएं

मेरे प्यारे पश्चिम बंगाल वासियों,
जय माँ काली!

आप सभी को नववर्ष और पोइला बैसाख की असीम शुभकामनाएं। आज इस शुभ दिन पर मैं हृदय से माँ काली से प्रार्थना करता हूँ कि पश्चिम बंगाल की मेरी प्यारी जनता एक नई उमंग और उत्साह के साथ अपने सुखद भविष्य की ओर आगे बढ़े।

पिछले 15 वर्षों में पश्चिम बंगाल जिस अव्यवस्था, कुशासन और भ्रष्टाचार की राजनीति का शिकार बना हुआ है, उसमें समस्त जन-मानस के मौलिक अधिकार, उनका सम्मान और पश्चिम बंगाल की संस्कृति कुचल दी गई हैं। आज जब मैं पश्चिम बंगाल के लोगों के दुःख और पीड़ा को देखता हूँ, तो मन व्यथित हो उठता है। राज्य की सरकार ने जो भय का वातावरण बनाया है, उसमें माताओं बहनों की सुरक्षा, युवाओं का रोजगार और गरीब का अधिकार सब छिन चुका है।

पश्चिम बंगाल ने सदैव हमारे देश और समाज को नई राह दिखाई है।आज शुभ नववर्ष के दिन, आइए हम सब मिलकर एक नवजागरण का संकल्प लें। हम एक नया पश्चिम बंगाल बनाएँगे, जहाँ हर गरीब के सर पर छत होगी, सबकी थाली में अन्न होगा, महिलाएं बिना डर के अपने घर से बाहर निकल सकेंगी, युवाओं को रोजगार के लिए अपना घर छोड़कर दूसरे राज्य में नहीं जाना पड़ेगा। आज मैं आपको भरोसा दिलाता हूँ कि प्रदेश में बीजेपी सरकार बनने के बाद पश्चिम बंगाल पूरे देश के साथ कंधे से कंधा मिलाकर विकास की राह पर आगे बढ़ेगा और अपने इतिहास को पुनः स्थापित करते हुए फिर से विकसित भारत का मार्गदर्शक बनेगा।

साथियों, आने वाला चुनाव मात्र एक चुनाव नहीं है। यह चुनाव पश्चिम बंगाल का भविष्य निर्धारण करने और असली परिवर्तन लाने का एक सुनहरा अवसर है। अब समय आ गया है अपनी सभ्यता, अपनी संस्कृति, अपनी उन्नति, अपने अधिकारों को बचाने के लिए एक सही कदम उठाने का। यह भय और भरोसे के बीच की लड़ाई है। इस चुनाव में हमें केवल अपने लिए नहीं बल्कि अपनी आने वाली पीढ़ी के सुखद भविष्य के लिए सही फैसला लेना पड़ेगा।

आप सभी से मेरी अपील है कि लोकतंत्र के इस महापर्व में बिना भय के बढ़-चढ़ कर भाग लें और विकसित पश्चिम बंगाल के सपने को साकार करने में सहभागी बनें।

मुझे पूर्ण विश्वास है कि पश्चिम बंगाल की जनता इस बार भारतीय जनता पार्टी और मुझ पर भरोसा दिखाते हुए हमें अभूतपूर्व विजय दिलाएगी।

एक बार फिर आप सभी को नववर्ष की हार्दिक शुभकामनाएं।

आपका अपना,

कमल के निशान वाला बटन दबाएं भाजपा को विजयी बनाएं
भाजपा

बिहार को मिला नया 'सम्राट'!

नीतीश कुमार ने दो दशक के बाद ली विदाई

पटना : भाजपा को एक और राज्य में अपना पहला मुख्यमंत्री मिल गया है. भगवा खेमे के नेता सम्राट चौधरी बुधवार को बिहार के मुख्यमंत्री के रूप में शपथ लेंगे. कुछ ही महीने पहले भाजपा ने बिहार के मंत्री नितिन नवीन को अपना अध्यक्ष बनाया था. इस बार भगवा खेमे का एक नेता मुख्यमंत्री की कुर्सी पर विराजमान होगा.
बीस साल के लंबे सफर के बाद नीतीश ने मंगलवार सुबह बिहार के प्रशासनिक प्रमुख पद से इस्तीफा दे दिया. दोपहर में पता चला कि नीतीश की जगह सम्राट बैठेंगे. उन्होंने अपने पीछे पार्टी के सहयोगी नित्यानंद राय और कुछ अन्य लोगों को छोड़ दिया. भाजपा के भीतर लंबे विचार-विमर्श के बाद आखिरकार पाटलिपुत्र को 'सम्राट' मिल ही गए. उन्होंने लालू-तेजस्वी की पार्टी आरजेडी के सदस्य के रूप में अपना राजनीतिक करियर शुरू किया था. बाद में वे नीतीश की पार्टी जेडीयू में शामिल हो गए. 2017 में वे भाजपा में शामिल हुए.
नीतीश ने मार्च में राज्यसभा चुनाव लड़कर सबको चौंका दिया था. तब से ही उनके उत्तराधिकारी को लेकर अटकलें लगाई जा रही थीं. संसद के उच्च सदन के लिए चुने जाने के बाद

नीतीश ने पिछले सप्ताह शपथ ली.
बिहार विधानसभा के 243 सीटों के लिए चुनाव नवंबर में हुए थे. एनडीए ने आरजेडी-कांग्रेस के विपक्षी गठबंधन को भारी अंतर से हराया. अधिकतम 89 सीटें जीतने के बावजूद, भाजपा ने गठबंधन के सम्मान में मुख्यमंत्री पद जेडीयू को सौंप दिया. सम्राट के साथ विजय कुमार सिन्हा उपमुख्यमंत्री बने. ये दोनों पहले भी उपमुख्यमंत्री रह चुके हैं. आखिरकार, भाजपा को इस बार अपना मुख्यमंत्री मिलने जा रहा है. केंद्रीय मंत्री और मध्य प्रदेश के चार बार के पूर्व मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान को पार्टी के विधायक दल के नेता का चयन करने के लिए केंद्रीय पर्यवेक्षक की जिम्मेदारी सौंपी गई थी. उन्होंने बताया कि सम्राट को सर्वसम्मति से नेता चुना गया है.
नए मुख्यमंत्री ने पार्टी के केंद्रीय नेताओं को धन्यवाद दिया. उन्होंने कहा, यह मेरे लिए सिर्फ एक पद नहीं है. यह बिहार की जनता की इच्छाओं को पूरा करने का एक जरिया है. मैं शपथ लेता हूं कि मैं अपना शेष जीवन बिहार के प्रत्येक व्यक्ति की आकांक्षाओं को पूरा करने में व्यतीत करूंगा. मैं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और हमारी पार्टी के अखिल भारतीय अध्यक्ष नितिन नवीन द्वारा दिखाए गए मार्ग का अनुसरण करूंगा और बिहार की जनता के लिए काम करूंगा.

वेदांता पावर प्लांट में 11 की मौत, बॉयलर फटने से 40 झुलसे

रायगढ़: सक्ती जिले के सिंघीतराई स्थित वेदांता पावर प्लांट में मंगलवार दोपहर एक बड़ा हादसा हो गया, जब प्लांट के भीतर बॉयलर फटने से जोरदार विस्फोट हुआ. प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, इस घटना में 30 से 40 मजदूर गंभीर रूप से घायल हो, जबकि 11 लोगों की मौत हो चुकी है. बताया जा रहा है कि हादसा दोपहर करीब 2 बजे हुआ, जब प्लांट में नियमित कार्य चल रहा था. अचानक हुए विस्फोट से पूरे परिसर में अफरा-तफरी मच गई और कर्मचारी जान बचाकर इधर-उधर भागने लगे. घटना के तुरंत बाद राहत और बचाव कार्य शुरू कर दिया गया है. 30-40 घायलों को नजदीकी अस्पतालों में भर्ती कराया गया है, जहां उनका इलाज जारी है. कुछ की हालत नाजुक बताई जा रही है.

युवा शक्ति अखबार मिलने में यदि कोई कठिनाई हो रही हो तो इस नंबर पर संपर्क करें :
9831572125,
6290628072

संपादकीय

कामयाब होने के लिए स्वयं पर भरोसा होना चाहिए

कोलकाता | बुधवार | 15 अप्रैल, 2026

श्रमिक अशांति

कोरोना संकट के बाद पटरी पर लौटती वैश्विक अर्थव्यवस्थाओं को दुनिया के कई भागों में जारी युद्ध व संघर्ष ने फिर पटरी से उतार दिया है. महाशक्तियों की महत्वाकांक्षा मानवता और आम आदमी के जीवन पर भारी पड़ी है. यूक्रेन युद्ध ने दुनिया की अर्थव्यवस्थाओं और यूरोप की ऊर्जा आपूर्ति को बाधित जरूर किया, लेकिन उसका असर उतना व्यापक नहीं था, जितना खाड़ी युद्ध का रहा है. जाहिरा तौर पर वैश्विक आपूर्ति शृंखला बाधित होने से आम आदमी के जीवन पर बहुत नकारात्मक असर पड़ा है. बढ़ती महंगाई ने आम आदमी की जीवन शैली व थाली पर गहरा प्रभाव डाला है. अमेरिका के साम्राज्यवादी मंसूबों और इस्राइल की आक्रामकता से उपजे खाड़ी संकट ने एशिया ही नहीं, बल्कि यूरोप, अफ्रीका व अमेरिका की ऊर्जा आपूर्ति शृंखला को संकट में डाल दिया है. संयुक्त राष्ट्र की विफलता के चलते आज दुनिया में 'जिसकी लाठी, उसकी भैंस' वाली कहावत चरितार्थ हुई है. जिसका सीधा असर महंगाई वृद्धि के रूप में सामने आया है. एक ओर ईंधन संकट और उससे बुरी तरह प्रभावित जनजीवन आक्रोश का कारक बना है. विडंबना यह है कि इस महंगाई के बीच कामगारों के वेतन सिकुड़ने लगे हैं. जीवनयापन कठिन होते और कोई समाधान न निकलते देख श्रमिकों का आक्रोश सड़क तक पहुंचने लगा है. सोमवार को उत्तर प्रदेश के नोएडा में फैक्ट्रियों के श्रमिकों द्वारा किया गया हिंसक प्रदर्शन इस संकट की परिणति ही है. वहीं दूसरी ओर हरियाणा की औद्योगिक नगरी मानेसर में भी पुलिस व श्रमिकों के बीच हिंसक झड़पों की खबरें आई हैं. ये टकराव भारतीय औद्योगिक तंत्र की विसंगतियों की ही याद दिलाते हैं. इस तरह के हिंसक संघर्ष हमारी कानून–व्यवस्था की विफलता को भी उजागर करते हैं. वहीं बताते हैं कि श्रमिक वर्ग, उद्योग और राज्य सरकार के बीच कहीं न कहीं संवाद की कमी है. यही वजह है कि वेतन बढ़ाने की मांग के समर्थन में शुरू हुआ मार्च कालांतर आगजनी, तोड़फोड़ व यातायात बाधित करने में तब्दील हो गया. निश्चित तौर पर समय रहते इस श्रमिक असंतोष को भांपते हुए बेहतर ढंग से संवाद किया जाता तो शायद टकराव की स्थिति पैदा न होती. दरअसल, सरकारों की तरफ से तो कहा जा रहा है कि देश में ईंधन व गैस आपूर्ति में कोई व्यवधान नहीं है, लेकिन जमाखोरी व प्रशासन की उदासीनता से इसकी कालाबाजारी जारी है. श्रमिक वर्ग जो छोटे गैस सिलेंडरों से जीवन–यापन करता था, उसमें व्यवधान पैदा हो गया. नियंत्रित गैस आपूर्ति से छोटे गैस सिलेंडर भरने का धंधा ठप हो गया. शायद सरकारों को भी इस बात का अहसास नहीं था कि कितना बड़ा श्रमिक वर्ग छोटे गैस सिलेंडरों को भरने के काले धंधे पर निर्भर है. यही वजह है कि हिमाचल समेत कई राज्यों में खाना पकाने के संकट के चलते श्रमिकों के घर लौटने के मामले प्रकाश में आए हैं. लेकिन इस संकट को शासन–प्रशासन के स्तर पर गंभीरता से नहीं लिया गया. निर्विवाद रूप से बढ़ती महंगाई और स्थिर वेतन के बीच बढ़ती खाई से अशांति की जड़ें गहरी होती जा रही हैं. औद्योगिक केंद्रों में कामगार पश्चिम एशिया युद्ध के चलते बढ़ी महंगाई के कारण दबाव में अपना गुजारा करने के लिये संघर्ष कर रहे हैं. निस्संदेह, हरियाणा द्वारा न्यूनतम मजदूरी बढ़ाने का निर्णय इस गंभीर वास्तविकता की स्वीकृति को ही दर्शाता है. लेकिन यह भी हकीकत है कि तात्कालिक उपाय के रूप में बातचीत और शिकायतों का फौरी निवारण कारगर विकल्प नहीं हो सकते. हालांकि, अधिकारी अशांति फैलाने में निहित स्वार्थी तत्वों की भूमिका की जांच कर रहे हैं, लेकिन ये घटनाएं व्यवस्थागत अविश्वास को भी दर्शाती हैं. दरअसल, श्रमिकों का उपेक्षित महसूस करना वातावरण को अस्थिर बनाता है. लेकिन यह एक हकीकत है कि दीर्घकालिक आर्थिक परिवर्तन के लिये विनिर्माण की महत्वाकांक्षाएं स्थिर–प्रेरित कार्यबल के बिना संभव नहीं हैं. औद्योगिक अशांति केवल उत्पादन–निवेश तक ही सीमित नहीं रहती. इससे आपूर्ति शृंखला बाधित होने और निवेशकों का भरोसा कम होने की आशंका भी पैदा होती है. निस्संदेह, आर्थिक प्रगति समावेशी हो. शासन को श्रमिक हितैषी होना चाहिए. विश्वास निर्माण से ही हमारे कारखाने विकास का इंजन बन सकते हैं.

रील, व्लॉग और बकवास

– डॉ. प्रियंका सौरभ

आज के समय में अगर कोई सबसे तेजी से फैलने वाली चीज है तो वह है- 'बकवास'. फर्क बस इतना है कि अब यह बकवास चाय की दुकानों या चौपालों तक सीमित नहीं रही, बल्कि स्मार्टफोन की स्क्रीन पर सजकर 'रील' और 'व्लॉग' के नाम से पूरे समाज में ब्रॉडकास्ट हो रही है. एक समय था जब युवा अपने सपनों के लिए जागते थे. आज वे नोटिफिकेशन के लिए जागते हैं. पहले लक्ष्य तय होते थे, अब ट्रेंड तय होते हैं. पहले मेहनत पर ताली बजती थी, अब बकवास पर लाइक और शेयर मिलते हैं. यही वह बदलाव है, जिसने युवा पीढ़ी को धीरे-धीरे एक ऐसी दिशा में धकेल दिया है, जहां शोर तो बहुत है, लेकिन सार बिल्कुल नहीं. रील और व्लॉग जो मूल रूप से रचनात्मकता और अभिव्यक्ति के माध्यम हो सकते थे, आज एक ऐसी दौड़ का हिस्सा बन चुके हैं, जहां गुणवत्ता नहीं, बल्कि 'वायरल' होना सबसे बड़ा लक्ष्य है. इस दौड़ में कंटेंट नहीं, कंटेंट का शोर मायने रखता है. जितना ज्यादा विचित्र, जितना ज्यादा सनसनीखेज, उतनी ही ज्यादा लोकप्रियता. ऐसे में गंभीरता, संवेदनशीलता और ज्ञान जैसे शब्द धीरे-धीरे हाशिये पर चले जाते हैं. युवा पीढ़ी का एक बड़ा हिस्सा आज 'कंटेंट क्रिएटर' बनने की होड़ में है, लेकिन यह कोई नहीं सोच रहा कि वे क्या बना रहे हैं और क्यों बना रहे हैं. कैमरा ऑन होते ही अभिनय शुरू हो जाता है और कैमरा ऑफ होते ही वास्तविकता का खालीपन सामने आ जाता है. यह एक ऐसी दुनिया है, जहां दिखावा ही असली पहचान बन चुका है. सबसे चिंताजनक पहलू यह है कि इस बकवास को अब सामान्य और स्वीकार्य मान लिया गया है. जो जितना अधिक समय स्क्रीन पर बिताता है, उसे उतना ही 'अपडेटेड' माना जाता है. जबकि सचाई यह है कि यह अपडेट नहीं, बल्कि एक प्रकार की मानसिक थकान और दिशाहीनता है. आज का युवा घंटों यह सोचने में लगा रहता है कि अगली रील में क्या दिखाना है, लेकिन यह सोचने का समय नहीं निकालता कि जीवन में क्या करना है. यह विडंबना ही है कि जिस पीढ़ी के पास सबसे अधिक संसाधन हैं, वही सबसे अधिक भ्रमित और बिखरी हुई दिखाई देती है. यह समस्या केवल समय की बरबादी तक सीमित नहीं है, बल्कि यह सोचने की क्षमता को भी प्रभावित कर रही है. लगातार छोटे-छोटे वीडियो देखने की आदत ने ध्यान केंद्रित करने की क्षमता को कमजोर कर दिया है. गहराई से सोचने, पढ़ने और समझने की प्रवृत्ति कम होती जा रही है. व्लॉग और रील्स के इस दौर में एक और खतरनाक प्रवृत्ति उभरकर सामने आई है-दूसरों की नकल. मौलिकता की जगह कॉपी-पेस्ट ने ले ली है. कोई ट्रेंड चल पड़ा, तो हर कोई उसी को दोहराने लगता है. इस प्रक्रिया में न तो कुछ नया पैदा होता है और न ही कोई सार्थक संदेश जाता है. बस एक जैसी बकवास का अंबार लग जाता है. समाज पर इसका प्रभाव भी स्पष्ट रूप से दिखाई दे रहा है. संवाद की जगह प्रदर्शन ने ले ली है. लोग अब जीने से ज्यादा दिखाने में विश्वास करने लगे हैं. हर छोटी-बड़ी घटना को कैमरे में कैद करना जरूरी हो गया है. चाहे वह निजी हो या संवेदनशील. यह प्रवृत्ति न केवल निजता को खत्म कर रही है, बल्कि संवेदनाओं को भी कमजोर बना रही है. यह कहना गलत नहीं होगा कि हम एक ऐसे दौर में प्रवेश कर चुके हैं, जहां 'बकवास' एक उद्योग बन चुका है. इसमें समय भी लग रहा है, पैसा भी लग रहा है और सबसे बड़ी बात युवा पीढ़ी की ऊर्जा भी लग रही है. लेकिन इसके बदले में क्या मिल रहा है? कुछ लाइक्स, कुछ फॉलोअर्स और एक झूठी संतुष्टि, जो कुछ ही पलों में खत्म हो जाती है. इस स्थिति से बाहर निकलने के लिए सबसे पहले हमें यह स्वीकार करना होगा कि समस्या है. जब तक हम इसे केवल मनोरंजन कहकर नजरअंदाज करते रहेंगे, तब तक इसका समाधान संभव नहीं है. युवा पीढ़ी को यह समझना होगा कि हर ट्रेंड का हिस्सा बनना जरूरी नहीं है. हर रील बनाना जरूरी नहीं है. और सबसे महत्वपूर्ण-हर बकवास को देखना और शेयर करना जरूरी नहीं है. जरूरत है एक संतुलन की. तकनीक का उपयोग करें, लेकिन उसके गुलाम न बनें. रील बनाएं, लेकिन उसमें सार हो. व्लॉग करें, लेकिन उसमें सचाई हो. अगर हम इस माध्यम को सही दिशा में उपयोग करें, तो यह एक शक्तिशाली साधन बन सकता है. लेकिन अगर इसे यूं ही बकवास का माध्यम बनने दिया गया तो यह पीढ़ी को केवल शोर और खालीपन ही देगी. अंत में, यह याद रखना जरूरी है कि भविष्य लाइक्स और व्यूज से नहीं बनता, बल्कि मेहनत, अनुशासन और सही दिशा से बनता है. अगर युवा पीढ़ी ने समय रहते इस अंतर को नहीं समझा, तो रील, व्लॉग और बकवास केवल एक प्रवृत्ति नहीं, बल्कि एक गंभीर सामाजिक संकट बन जाएगा. आज सवाल यह नहीं है कि कौन सा वीडियो वायरल हो रहा है, बल्कि यह है कि कौन सा विचार जिंदा रह रहा है, क्योंकि यही विचार समाज को दिशा देते हैं. *(लेखिका, स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं)*

जंगलों की कम होती ग्लोबल वार्मिंग से लड़ने की क्षमता

– मुकुल व्यास

जंगल कार्बन सिंक का काम करते हैं, वे जितना कार्बन छोड़ते हैं उससे कहीं ज्यादा मात्रा में उसे हटाते हैं. धीरे-धीरे बढ़ने वाले घने पेड़ों ने दशकों तक तनों में कार्बन को बंद रखा, क्योंकि ठोस लकड़ी के हर इंच में ज्यादा पदार्थ समा सकता है. तेजी से बढ़ने वाले पेड़ अक्सर कम उम्र में मर जाते हैं. उनके तने हल्के होते हैं, इसलिए उनमें जमा कार्बन तूफान और क्षय से जल्दी हवा में वापस चला जाता है.

दुनिया के जंगल हमारे पारिस्थितिक तंत्र का आधार हैं और ग्लोबल वार्मिंग से लड़कर पर्यावरण का संतुलन बनाए रखने में अहम भूमिका निभाते हैं. लेकिन अब उनकी विशिष्ट भूमिका कमजोर हो रही है क्योंकि जंगलों में तेजी से बढ़ने वाले पेड़ों की भरमार हो रही है और लंबे समय तक जीने वाली प्रजातियां तेजी से गायब हो रही हैं. स्थिर और लंबे जीवनकाल वाले पेड़ों की जगह तेजी से बढ़ने वाले पेड़ों को रखना टिम्बर इंडस्ट्री और जंगल की आग के बाद जल्दी संभलने के लिए फायदेमंद है लेकिन बदलते मौसम का सामना करते समय यह जंगलों को बहुत ज्यादा खतरे में डालता है. डेनमार्क की ओरहुस यूनिवर्सिटी के वैज्ञानिकों ने 31,001 पेड़ों की प्रजातियों का वैश्विक विश्लेषण करके बताया है कि तेजी से बढ़ने वाले पेड़ किन जंगलों में हावी हो रहे हैं. डेनिश वैज्ञानिक जेन्स-क्रिश्चियन स्वेनिंग ने नक्शों का इस्तेमाल करके दिखाया कि धीरे-धीरे बढ़ने वाले, खास किस्म के पेड़ तेजी से बढ़ने वाली प्रजातियों के आगे हार रहे हैं. स्वेनिंग ने उष्णकटिबंधीय और उपोष्ण-कटिबंधीय इलाकों में ऐसे कई छोटे पेड़ों का उल्लेख किया है जिनके गायब होने की संभावना सबसे ज्यादा है. एक बार जब तेजी से बढ़ने वाले पेड़ किसी जगह पर हावी हो जाते हैं, तो तूफान, सूखा और कीड़े उस जंगल के बड़े हिस्से को एक साथ गिरा सकते हैं. दरअसल, लकड़ी काटने, सड़क बनाने और आग लगने से खुली धूप वाली जगहें बन जाती हैं, जहां तेजी से बढ़ने वाले पेड़ बहुत जल्दी फैल जाते हैं. हल्की पत्तियों और मुलायम लकड़ी की वजह से ये पेड़ तेजी से बढ़ते हैं. सूखे या गर्मी की वजह से पानी की कमी होने पर भी ऐसे पेड़ों का बढ़ना जारी रहता है. इन पेड़ों में लकड़ी का घनत्व कम होता है, जिसकी वजह से इनके तने आसानी से टूट जाते हैं और जल्दी सूख जाते हैं. विषम परिस्थितियों में हल्की लकड़ी वाले पेड़ों के मरने की संभावना अधिक होती है. लंबे समय तक चलने वाले पेड़ धीरे-धीरे बढ़ते थे. मौसम खराब होने पर उनकी गहरी जड़ें और मजबूत तने जंगल को एक साथ बनाए रखते थे. घनी लकड़ी और मजबूत पत्तियों ने उन्हें सूखे और कीड़ों से बचने में मदद की. हाल ही में आई एक रिपोर्ट ने ऐसे पेड़ों के टिकाऊपन को जलवायु सुरक्षा से जोड़ा है. इस तरह के पेड़ जंगल के पारिस्थितिकी तंत्र की रीढ़ हैं और स्थिरता और कार्बन भंडारण में योगदान देते हैं. जैसे-जैसे तूफान, कटाई और गर्मी से जंगलों पर दबाव बढ़ता है, पेड़ों की बाहरी प्रजातियां रोशनी, पानी और पोषक तत्वों के लिए मूल पौधों को घेर लेती हैं. यह दबाव दुर्लभ स्थानीय पेड़ों को खत्म होने के करीब ला सकता है. उष्णकटिबंधीय जंगलों में कई पेड़ों की प्रजातियां छोटे-छोटे इलाकों में मिलती हैं, इसलिए कुछ पेड़ों के खत्म होने से पूरा खाद्य चक्र तेजी से कम हो सकता है. जंगल कार्बन सिंक का काम करते हैं, वे जितना कार्बन छोड़ते हैं उससे कहीं ज्यादा मात्रा में उसे हटाते हैं. धीरे-धीरे बढ़ने वाले घने पेड़ों ने दशकों तक तनों में कार्बन को बंद रखा, क्योंकि ठोस लकड़ी के हर इंच में ज्यादा पदार्थ समा सकता है. तेजी से बढ़ने वाले पेड़ अक्सर कम उम्र में मर जाते हैं. उनके तने हल्के होते हैं, इसलिए उनमें जमा कार्बन तूफान और क्षय से जल्दी हवा में वापस चला जाता है. इससे जंगल लंबे समय तक कार्बन जमा करने में कम असरदार हो जाते हैं. सही पेड़ों के बिना जंगल उन पक्षियों और स्तनपायी जीवों को खो सकते हैं जो बीज फैलाते हैं, जिससे तूफान या आग के बाद जंगल में रिकवरी धीमी हो जाती है. जंगल के प्रबंधक अक्सर जल्दी फसल के लिए तेजी से बढ़ने वाले पेड़ों को पसंद करते हैं, लेकिन जब पौधों में धीमी गति से बढ़ने वाली प्रजातियां भी शामिल होती हैं, तो जंगल लंबे समय तक अपनी मजबूती बनाए रख सकते हैं. ज्यादा पेड़ चुनने से दुर्लभ आनुवांशिकी सुरक्षित रहती है और जब मौसम का तनाव बढ़ता है, यह जंगल में पुराने विकास वाले गुणों को बनाए रखती है. एक अन्य अध्ययन में वैज्ञानिकों ने जंगलों की एक और भूमिका को उजागर किया है. अध्ययन में पाया गया कि वन की मिट्टी जलवायु परिवर्तन में जितना योगदान दे रही है, उसका हमें अंदाजा नहीं है. यह साल दर साल चुपचाप हवा से मीथेन को अवशोषित करती रहती है. दक्षिण-पश्चिम जर्मनी में लिए गए नए दीर्घकालिक मापों से पता चलता है कि कुछ वनों में यह भूमिगत मीथेन अवशोषण क्षमता कम होने के बजाय लगातार मजबूत होती जा रही है. जर्मनी के गोटिंगेन विश्वविद्यालय के शोधकर्ताओं ने लगभग 25 वर्षों तक 13 वन भूखंडों में मीथेन के मूवमेंट का अध्ययन किया और पाया कि मिट्टी की मीथेन अवशोषण क्षमता में प्रति वर्ष लगभग 3 प्रतिशत की वृद्धि हुई है. यह निरंतर वृद्धि नम और शुष्क दोनों मौसमों और धीरे-धीरे बढ़ते तापमान के दौरान देखी गई. यह वृद्धि इस धारणा को चुनौती देती है कि जलवायु परिवर्तन से मिट्टी की मीथेन अवशोषण क्षमता में एक समान कमी आएगी. नया अध्ययन इस बारे में भी नए सवाल खड़े करता है कि कुछ वन दूसरों की तुलना में तेजी से क्यों बेहतर हो रहे हैं. वनों के सूक्ष्मजीव मीथेन को अवशोषित करते हैं. कम वर्षा के कारण मिट्टी में वायु के लिए अधिक स्थान बचता है, जिससे मीथेन सतह के पास रहने के बजाय तेजी से नीचे की ओर जा सकती है. शुष्क मिट्टी में हवा से भरे छिद्र अधिक होते हैं जिससे मीथेन और ऑक्सीजन दोनों मिट्टी में आसानी से प्रवाहित हो जाते हैं. यह एक महत्वपूर्ण कारक है क्योंकि मीथेन का उपभोग करने वाले सूक्ष्मजीवों को कार्य करने के लिए ऑक्सीजन की आवश्यकता होती है. जांचे गए भूखंडों में शोधकर्ताओं ने मीथेन के अधिक अवशोषण को मिट्टी की कम नमी और धीरे-धीरे बढ़ने वाले मिट्टी के तापमान से जोड़ा. मीथेनोट्रॉफ्स नामक सूक्ष्मजीव मीथेन का ईंधन के रूप में उपयोग करते हैं. एक बार जब मीथेन ऊपरी मिट्टी तक पहुंच जाती है तो ये जीव विभिन्न प्रतिक्रियाओं के जरिए उसे कार्बन डाइऑक्साइड और पानी के रूप में विखंडित कर देते हैं. शोधकर्ताओं ने पाया कि अत्यधिक शुष्क परिस्थितियां सूक्ष्मजीवों की गतिविधि को दबा सकती हैं, जबकि लंबे समय तक गीली मिट्टी ऑक्सीजन के स्तर को कम कर देती है

और मीथेन उत्पादक सूक्ष्मजीवों को हावी होने का अवसर देती है. नासा के अनुसार मीथेन कार्बन डाइऑक्साइड की तुलना में अधिक ऊष्मा अवशोषित करती है, लेकिन यह केवल 7 से 12 वर्षों तक ही बनी रहती है. जब मिट्टी मीथेन को अवशोषित करती है, तो यह वायुमंडल में पहुंचने वाली मीथेन की मात्रा को कम कर देती है, जिससे आने वाले वर्षों में ग्लोबल वार्मिंग का दबाव कम हो जाता है. वन की मिट्टी को इस सेवा के लिए अक्सर श्रेय नहीं दिया जाता. अधिक मीथेन अवशोषण से समस्या का समाधान अपने आप नहीं हो जाएगा, लेकिन इससे उत्सर्जन में कटौती होने तक कुछ समय मिल सकता है. ***(लेखक विज्ञान मामलों के जानकार हैं)***

आपका जन्मदिन मंगलमय हो — 15 अप्रैल

आपको जन्मदिन की हार्दिक शुभकामनाएँ. आपका जन्मतिथि 15 अप्रैल है. अंक ज्योतिष के अनुसार आपकी जन्मतिथि का स्वामी ग्रह शुक्र है. इस माह का अधिपति ग्रह मंगल है. आप मंगल और शुक्र ग्रह के प्रभाव में आजीवन रहेंगे. आपका स्वभाव स्नेहशील व संवेदनशील होगा. आप स्वयं के प्रयत्नों से ही सफलता प्राप्त कर सकेंगे. आप किसी भी विषय पर विचार करें लेकिन आप अपना विचार कब बदल देंगे यह कोई निश्चित नहीं रहेगा. आप किसी की झूठी प्रशंसा या चापलूसी करना पसन्द नहीं करेंगे. आप स्पष्टवादी भी होंगे लेकिन यही स्पष्टवादिता आपके लिए कभी घातक सिद्ध होगी. आप शृंगार एवं सौन्दर्य प्रिय व्यक्ति होंगे. इन सभी चीजों पर आप क्रय अधिक करेंगे. जनकल्याण की भावना आप में विशेष रूप से पाई जाती है. नेतृत्व गुण की आप में विशेष प्रधानता रहेगी. आप व्यवस्थित और सुरुचिपूर्ण जीवन व्यतीत करना चाहेंगे. आप ईर्ष्यालु प्रवृत्ति के होंगे. जीवन में सुख-समृद्धि हेतु आप नियमित रूप से देव अर्चना करें. तन-मन-कर्म-वचन से शुचिता का धर्म अपनावें. अपने दैनिक जीवन में सफेद एवं हल्के नीले रंग की वस्तुओं का प्रयोग अधिकतम करें. इन्हीं रंगों से सम्बन्धित वस्तुओं का दान भी करें. लाभार्जन का मार्ग प्रशस्त होगा. याचक को निराश न करें. मुफ्त में किसी वस्तु की चाह न करें. परोपकारी बनें. सफलता के लिए रत्न या उपरत्न तथा यन्त्र विधि-विधानपूर्वक धारण करें.

आपके लिए अनुकूल :-

मन्त्र	:	ॐ शुं शुक्राय नम:	मास	:	फरवरी, अप्रैल एवं नवम्बर
व्रत	:	शुक्रवार	वर्ष	:	6, 15, 24, 33, 42, 51, 60, 69
दिन	:	सोमवार, मंगलवार एवं शुक्रवार	रंग	:	हल्का नीला एवं सफेद
दिनांक	:	6, 15, 24	जन्मरत्न	:	हीरा
अंक	:	4, 5, 8	उपरत्न	:	सफेद पुखराज

यंत्र

11	6	13
12	10	8
7	14	9

वर्ष का महत्वपूर्ण समय – 20 अप्रैल से 21 मई, 23 सितम्बर से 20 अक्टूबर

हस्तरेखा विशेषज्ञ, रत्न-परामर्शदाता, फलित व अंक ज्योतिषी एवं वास्तुविद

विमल जैन एस. 2/1-76 ए, द्वितीय तल, वरदान भवन, पंचक्रोशी मार्ग, भोजूबीर, वाराणसी-221002 मो0 : 09335414722

आपका आज का दिन 2026

मेष : आज दिन 9/38 बजे तक भाग्योन्नति के नवीन आयाम, परिवार में मंगल आयोजन सम्पादित, शेष समय विपरीत, कष्ट, हानि, विवाद एवं अन्य उलझनें.

वृषभ : निराशा का समापन, कर्ज की निवृत्ति का प्रयास सार्थक, मनोरथ पूर्ण, अधिकारियों से अपेक्षित सहयोग, विवाद समापन की ओर, वैवाहिक अड़चनें समाप्त, यात्रा.

मिथुन: ग्रहस्थिति अनुकूल, प्रियजनों-मित्रों के माध्यम से कुछेक कार्यों में महत्वपूर्ण उपलब्धि, नवयोजना दृष्टिगत, शत्रु हानि पहुँचाने में असफल, धन की प्राप्ति.

कर्क : आज दिन 9/38 बजे तक कठिनाइयां प्रभावी, नव-योजना अधूरी, दुर्जनों से कष्ट, अध्ययन में व्यतिक्रम, शेष समय बेहतर, बकाए धन की प्राप्ति, यश में वृद्धि.

सिंह : आज दिन 9/38 बजे तक दिनचर्या व्यवस्थित, आत्मशक्ति का विकास, सुख के साधन सुलभ, शेष समय अशुभ, योजना अधूरी, प्रगति में अवरोध, मानसिक कष्ट.

कन्या: कार्य-व्यवसाय में विस्तार, स्वजनों के माध्यम से बकाए धन की प्राप्ति, पठन-पाठन में रुचि, परिवार में हर्षोल्लास का वातावरण, यात्रा का सुपरिणाम प्राप्त.

तुला: मनोभिलाषित योजनाओं में अनुकूलता, साहसिक प्रयास प्रगति पर, पुराने विवाद के समापन में मित्र सहायक, कुछेक मसला हल, नौकरी में प्रोन्नति.

वृश्चिक : आज दिन 9/38 बजे तक प्रतिकूलता, लाभ में कमी, धोखे की आशंका, हानि भी, शेष समय बेहतर, बुद्धि-विवेक से संकल्प सिद्धि, उलझनों में कमी का एहसास.

धनु : आज दिन 9/38 बजे तक समय अनुकूल, परिश्रम के अनुरूप सफलता, व्यक्तिगत कार्य क्षमता में वृद्धि, शेष समय व्यवधानकारक, व्यवसाय में विफलता.

मकर : अभीष्ट कार्यों में सफलता, शुभ भावनाओं का उदय, शिक्षा एवं प्रतियोगिता में महत्वपूर्ण उपलब्धि, मनोविनोद के सुअवसर प्राप्त, जनकल्याण की भावना जागृत.

कुम्भ: पराक्रम से व्यवसाय के क्षेत्र में अनुकूलता, बौद्धिक क्षमता का विकास, कुछेक समस्याएं सुलझने की ओर, प्रियजनों-मित्रों से सहयोग, मेल-मिलाप में रुचि.

मीन: आज दिन 9/38 बजे तक समय शुभ, स्वास्थ्य में अड़चनें, मानसिक अशांति, पठन-पाठन में अरुचि, शेष समय संतोषजनक, इच्छा शक्ति जागृत, दाम्पत्य सुख.

- ज्योतिषाचार्य विमल जैन, वाराणसी, मो. नं. 09335414722

मानव धर्म-शास्त्र

लेखक : लक्ष्मी नारायण मीणा

मानव धर्मशास्त्र के प्रणेता
अवधूत देवी दास जी महाराज

अष्टम स्कन्ध

जन्मत सुत रां उचारी । पीड़ा प्रसव विगत महतारी ।।
चहुँदिसि भयउ प्रकृति उछाहु । मंगल सुगन अनुकूल सबाहु ।।

व्याख्या - जन्म लेते ही पुत्र ने रां नाम का उच्चारण किया, जिससे माता की प्रसव पीड़ा तुरन्त दूर हो गई । चारों तरफ प्रकृति में उत्साह छा गया तथा समस्त मंगलकारी सगुन होने लग गए ।

समाचार सुनि ऋषि सब आए । देखि मुख छवि आशीष बरसाए ।।
बालक इहँ होइब ब्रम्ह ग्यानी । सकल ऋषि मुनि कहा बखानी ।।

व्याख्या - समाचार सुनकर सब ऋषि आए और बालक की छवि देखकर आर्शीवाद देने लगे । सब ऋषि - मुनियों ने कहा कि यह बालक ब्रम्हज्ञानी होगा ।

दो - हुआ न होइब योगी ऐहि सम बाल कपाल असि परी रेख ।
नाम कपिल भल होइब ईंह कहहिं ऋषि जन नक्षत्र देख ।।5।।

व्याख्या - ऋषि लोग नक्षत्रों का विचार कर कहने लगे कि इस बालक के समान योगी न तो कोई हुआ है और न होगा । क्योंकि बालक के कपाल पर ऐसी रेखा है । अत: इस बालक का नाम ' कपिल ' अच्छा होगा ।

ब्रम्ह चिन्तन करहि दिनु राति । भयउ बड़ कपिल ऐहि भांति ।।
मुनि आश्रम भा आनन्द धामा । सुत क्रीड़ा मुदित कर्दम बामा ।।

व्याख्या - ब्रम्ह का रात - दिन चिन्तन करते हुए कपिल बड़ा होमे लगा । मुनि कर्दन का आश्रम आनन्द का घर बन गया तथा पुत्र की क्रीड़ा देखकर कर्दम की पत्नी प्रसन्न रहने लगी ।

होर्मुज से कांडला तक संकट के बीच भारत की ऊर्जा आपूर्ति

– डॉ. मयंक चतुर्वेदी

यह हम सभी देख रहे हैं कि आज अमेरिका, ईरान और इजराइल के बीच बढ़ते तनाव ने वैश्विक समुद्री व्यापार और ऊर्जा आपूर्ति पर गहरा प्रभाव डाला है. ऐसे संवेदनशील समय में भारतीय ध्वज वाला एलपीजी जहाज 'जग विक्रम' एवं अन्य जहाजों का सुरक्षित रूप से होर्मुज जलडमरूमध्य पार करते हुए उनके तय स्थान (बंदरगाह) तक पहुंचना निश्चित ही भारत की संतुलित और प्रभावी कूटनीति का प्रतीक बनकर दुनिया के सामने आया है. इससे पहले हमने एमटी नंदा देवी, शिवालिक को एलपीजी टैंकर लेकर होर्मुज जलडमरूमध्य को पार करते हुए देखा, दोनों जहाजों को ईरान ने सुरक्षित मार्ग दिया. ये एक साथ भारत की ओर बढ़े और देश की ऊर्जा आपूर्ति शृंखला को बनाए रखने में अहम भूमिका निभाई. कहना होगा कि युद्ध जैसे हालात में इस मार्ग से किसी भी जहाज का सुरक्षित निकलना चुनौतीपूर्ण है. ऐसे में आज 'जग विक्रम' का सुरक्षित पारगमन यह संकेत देता है कि भारत ने समुद्री सुरक्षा, अंतरराष्ट्रीय संवाद और सामरिक संतुलन का प्रभावी उपयोग किया है. अत: भारत ने जोखिमपूर्ण परिस्थितियों में भी अपने समुद्री हितों की रक्षा की है. इसके साथ ही यह भी ध्यान में आया है कि भारत अब तक अपने 2,177 नाविकों को सुरक्षित स्वदेश लेकर आ चुका है. यह आंकड़ा आज हर उस परिवार को राहत दे रहा है, जोकि अपने प्रियजनों की वापसी का इंतजार कर रहा था. साथ ही विदेश मंत्रालय और भारतीय मिशनों ने चौबीसों घंटे हेल्पलाइन और जमीनी प्रयासों के जरिए यह सुनिश्चित किया गया है कि कोई भी भारतीय नागरिक संकट में अकेला नहीं रहेगा. वस्तुत: डीजी शिपिंग कंट्रोल रूम द्वारा 6,073 कॉल्स और 12,867 ईमेल्स को संभालना इस बात का प्रमाण भी है कि कैसे संकट के समय प्रभावी संचार कितना महत्वपूर्ण होता है. इस दिशा में भारत सरकार के प्रयास अत्यधिक सराहनीय कहे जा सकते हैं. यह दर्शाता है कि भारत ने सक्रिय रूप से स्थिति को नियंत्रित किया हुआ है, इसलिए आज यह तंत्र संकट प्रबंधन में एक मजबूत मॉडल के रूप में उभर सका. वहीं, देश के सभी बंदरगाहों पर कामकाज सामान्य रूप से जारी रहना भारत की आर्थिक और प्रशासनिक स्थिरता को दर्शाता है. पश्चिमी तट पर वेस्ट एशिया से जुड़े 3,383 कंटेनरों में

से 3,228 की वापसी सुनिश्चित कर दी गई है. शेष 155 कंटेनर तकनीकी कारणों से लंबित हैं, किंतु कहीं भी जाम या देरी नहीं है. इसका मतलब साफ है कि वर्तमान वैश्विक संकट के समय में भी भारत ने अपने लॉजिस्टिक्स नेटवर्क को मजबूत बनाए रखा है. पत्तन, पोत परिवहन और जलमार्ग मंत्रालय का विदेश मंत्रालय और खाड़ी क्षेत्र में भारतीय मिशनों के साथ में मिलकर काम करना आज इस बात का उदाहरण है कि कैसे समन्वित प्रयास बड़े संकटों को नियंत्रित कर सकते हैं. देखने में आया कि यह सहयोग- प्रशासनिक, योजना निर्माण, क्रिया के स्तर पर एक साथ पूरे समन्वित रूप में कार्य कर रहा है. इस युद्ध के बीच एक अच्छी बात यह भी दिखाई दे रही है कि भारत घटनाओं पर प्रतिक्रिया नहीं दे रहा, वह सक्रिय रूप से कूटनीतिक समाधान तलाश रहा है. दुनिया देख रही है कि भारत ने इस पूरे संकट में किसी एक पक्ष का समर्थन करने के बजाय संतुलित और तटस्थ रुख अपनाया हुआ है. यही उसकी सबसे बड़ी कूटनीतिक ताकत बनकर आज उभरा है. अमेरिका, ईरान और इजराइल तीनों के साथ संवाद बनाए रखना और अपने हितों की रक्षा करना भारत की मल्टी-अलाइनमेंट नीति का एक सफलतम उदाहरण है. साथ में भारतीय नागरिकों की सुरक्षा, मदद और भलाई सुनिश्चित करने के लिए 24 घंटे हेल्पलाइन और नियमित सलाह जारी करना यह दर्शाता है कि भारत की कूटनीति मानवीय भी है. होर्मुज जलडमरूमध्य के तनावपूर्ण माहौल में 'जग विक्रम' की सुरक्षित यात्रा, हजारों भारतीय नाविकों की वापसी और बंदरगाहों का सुचारू संचालन, हम कह सकते हैं कि ये सभी घटनाएं मिलकर एक बड़ी स्वरूप हमारे सामने खड़ा कर रहे हैं और वो यह है कि भारत की कूटनीतिक परिपक्वता, रणनीतिक संतुलन और मानवीय दृष्टिकोण यह बताता है कि केंद्र सरकार की नीति एवं योजनाएं सही दिशा में आगे बढ़ रही हैं. कुल सार रूप में कहना यही है कि जब दुनिया संघर्ष और अस्थिरता के दौर से गुजर रही है, तब भी भारत अपने एक-एक नागरिक की बराबर चिंता कर रहा है, उनकी एवं उसके परिवार की निरंतर ऊर्जा जरूरत पूरी होती रहे, इसके लिए जहां जैसे संभव हो रहा है, वहां, वह नए रास्ते बना रहा है. सबक यह है कि शांतिपूर्ण संवाद, संतुलित नीति और मजबूत प्रशासनिक ढांचा किसी भी संकट को अवसर में बदल सकता है. फिलहाल इस दिशा में मोदी सरकार की नीति सही दिशा में सफलता के साथ आगे बढ़ती हुई दिखाई दे रही है. ***(लेखक, हिन्दुस्थान समाचार से संबद्ध हैं)***

कोई वोट देने से रोके तो झाड़ू उठा लें: ममता बनर्जी

कोलकाता : बंगाल विधानसभा चुनाव 2026 के प्रचार के लिए जगतबल्लभपुर के बड़गछिया मैदान पहुंचीं मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने मंगलवार को केंद्र सरकार और निर्वाचन आयोग को जमकर कोसा. ममता बनर्जी ने आरोप लगाया कि चुनाव आयोग ने एक गहरी साजिश के तहत आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का इस्तेमाल कर बंगाल के 90 लाख वैध मतदाताओं के नाम सूची से हटा दिये. उन्होंने इसे वोट चोरी का बड़ा खेल बताया. उन्होंने जनता से अपील की कि यदि कोई उन्हें मतदान करने से रोके, तो वे 'झाड़ू' उठाकर जवाब दें. ममता बनर्जी ने वोटिंग लिस्ट के शुद्धिकरण के नाम पर स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन (एसआईआर) की प्रक्रिया पर सवाल उठाते हुए चौंकाने वाले आंकड़े पेश किये. सीएम ने दावा किया कि जान-बूझकर एआई का उपयोग कर बंगाल के 90 लाख लोगों के नाम गलत किये गये या हटा दिये गये. इनमें 60 लाख हिंदू और 30 लाख अल्पसंख्यक मतदाता शामिल हैं. ममता ने आरोप लगाया कि बंगाल के लोगों का हक छीनकर बिहार और उत्तर प्रदेश के लोगों से वोट दिलवाने की तैयारी चल रही है. हजारों की भीड़ को संबोधित करते हुए बंगाल की चीफ मिनिस्टर ने कहा कि अगर कोई आपका मताधिकार छीन ले, तो चुपचाप मत बैठिए. एक झाड़ खरीद लें और जैसे ही कोई आपको बूथ पर जाने से रोके, तो झाड़ उठाने में संकोच न करें. उन्होंने भाजपा को 'झूठा, भ्रष्टाचारी और दंगाई' बताते हुए कहा कि ऐसी ओछी राजनीति उन्होंने कभी नहीं देखी. हावड़ा के औद्योगिक गौरव को याद करते हुए ममता बनर्जी ने वाममोर्चा और भाजपा दोनों को घेरा. उन्होंने कहा कि वाममोर्चा ने हावड़ा को तबाह कर दिया, लेकिन टीएमसी सरकार ने पांचला और डोमजूर जैसे इलाकों में छोटे-बड़े कारखाने लगाये हैं. उन्होंने दावा किया कि बंगाल में 40 प्रतिशत बेरोजगारी कम हुई है. 1.75 करोड़ लोग गरीबी रेखा से बाहर आये हैं. उन्होंने कहा- हम नौकरियां दे रहे हैं और भाजपा अदालत में मामला दायर करके युवाओं से रोजगार छीन रही है.

आईपैक के सह संस्थापक विनेश चंदेल को तुरंत रिहा किया जाए : तृणमूल कांग्रेस

कोलकाता: पश्चिम बंगाल में सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस ने उसे परामर्श सेवा देने वाली कंपनी 'इंडियन पॉलिटिकल एक्शन कमेटी' (आईपैक) के सह-संस्थापक विनेश चंदेल को तत्काल और बिना शर्त रिहा किए जाने की मंगलवार को मांग की. पार्टी ने पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनावों से पहले की गई चंदेल की गिरफ्तारी को चुनावी साजिश करार दिया. प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने आईपैक के निदेशक और सह-संस्थापक चंदेल को पश्चिम बंगाल में कथित कोयला घोटाले से जुड़े धन शोधन मामले में सोमवार को गिरफ्तार किया. एक अधिकारी ने मंगलवार को बताया कि चंदेल को सोमवार शाम को दिल्ली में धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) के प्रावधानों के तहत हिरासत में लिया गया. तृणमूल के राज्यसभा सदस्य और राष्ट्रीय प्रवक्ता डेरेक ओ' ब्रायन ने संवाददाताओं से कहा कि चुनाव के पहले चरण में 10 दिन से भी कम समय बचा है और ऐसे में ईडी की कार्रवाई उसकी चुनावी तैयारी को नुकसान पहुंचाने से कम नहीं है. उन्होंने कहा, ईडी ने अपनी कार्रवाइयों से साबित किया है कि उसका नाम 'एक्सट्रीमली डेस्परेट' (अत्यंत हताश) है, लेकिन इन सब कदमों के बावजूद, उनके राजनीतिक आका यानी भाजपा पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनावों में हार जाएगी. तृणमूल के नेता ने आरोप लगाया कि ईडी की कार्रवाई संविधान का दुरुपयोग करने से कम नहीं है. उन्होंने कहा कि पीएमएलए के तहत 5,900 मामलों में से केवल 0.1 प्रतिशत मामलों में ही दोषसिद्धि हुई है, जो दर्शाता है कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) नीत सरकार द्वारा चुनावों से पहले विपक्ष के खिलाफ राजनीतिक कारणों से ईडी का इस्तेमाल किया जा रहा है ताकि उन्हें परेशान किया जा सके. ओ'ब्रायन ने चुनाव नजदीक होने का हवाला देते हुए केंद्रीय एजेंसियों को राजनीतिक कारणों से इस तरह की अलोकतांत्रिक, अनुचित कार्रवाई करने से रोके जाने की मांग की. तृणमूल कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव अभिषेक बनर्जी ने सोमवार रात कहा था कि इस गिरफ्तारी से चुनावी प्रक्रिया की निष्पक्षता को लेकर गंभीर चिंताएं पैदा होती हैं. बनर्जी ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, बंगाल चुनावों से ठीक 10 दिन पहले आईपैक के सह-संस्थापक विनेश चंदेल की गिरफ्तारी न केवल चिंताजनक है, बल्कि यह निष्पक्ष प्रतिस्पर्धा की अवधारणा को ही हिला देती है. उन्होंने कहा, ऐसे समय में जब पश्चिम बंगाल को स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनावों की ओर बढ़ना चाहिए, इस तरह की कार्रवाई एक भयावह संदेश देती है. यदि आप विपक्ष के साथ काम करते हैं, तो अगला नंबर आपका हो सकता है. यह लोकतंत्र नहीं, बल्कि धमकी है. पश्चिम बंगाल की 294 सदस्यीय विधानसभा के लिए दो चरण में 23 और 29 अप्रैल को मतदान होगा जबकि मतगणना के लिए चार मई की तारीख तय की गई है.

ईडी ने आई-पैक के निदेशक प्रतीक जैन की पत्नी, भाई को पूछताछ के लिए तलब किया

नई दिल्ली/कोलकाता: प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने राजनीतिक परामर्शदाता फर्म 'आई-पैक' के सह-संस्थापक एवं निदेशक प्रतीक जैन की पत्नी और भाई को कथित हवाला लेन-देन से जुड़े धन शोधन मामले में पूछताछ के लिए तलब किया है. अधिकारियों ने मंगलवार को जानकारी दी. अधिकारियों ने बताया कि बार्बी जैन और पुलकित जैन से बुधवार को यहां केंद्रीय जांच एजेंसी के मुख्यालय में उसके अधिकारियों के समक्ष पेश होने के लिए कहा गया है. उन्होंने बताया कि बार्बी और पुलकित से धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) के प्रावधानों के तहत पूछताछ की जाएगी. अधिकारियों के मुताबिक, दोनों (बार्बी और पुलकित) के व्यापारिक संबंध ईडी की जांच के दायरे में हैं. हालांकि, उन्होंने कोई अन्य जानकारी साझा नहीं की. 'आई-पैक' पश्चिम बंगाल में सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस को भी राजनीतिक परामर्श सेवाएं उपलब्ध कराती है. हवाला लेनदेन से जुड़े धन शोधन मामले में ईडी ने प्रतीक जैन को भी तलब किया था. दिल्ली पुलिस की ओर से दर्ज प्राथमिकी के आधार पर केंद्रीय एजेंसी ने 28 मार्च को आपराधिक मामला दर्ज किया था. प्रतीक ने उन्हें जारी समन के खिलाफ दिल्ली उच्च न्यायालय का रुख किया है. ईडी ने जनवरी में प्रतीक के आवास और कोलकाता स्थित 'आई-पैक' कार्यालय पर छापा मारा था.

शौकत मोल्ला ने की भाजपा उम्मीदवार से मुलाकात, सियासत तेज

कोलकाता: भांगड़ में भाजपा प्रत्याशी जयंत गाएन के घर मंगलवार सुबह अचानक तृणमूल उम्मीदवार शौकत मोल्ला पहुंच गए. भाजपा प्रत्याशी की मां ने शौकत के सिर पर हाथ रखकर उन्हें आशीर्वाद भी दिया. इस घटना की तस्वीरें और वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होते ही आईएसएफ और माकपा ने भाजपा-तृणमूल के बीच सेटिंग होने का आरोप लगाया. हालांकि शौकत मोल्ला ने इन सभी आरोपों को सिरे से खारिज कर दिया है. विधानसभा चुनाव के माहौल में पूरे राज्य में तृणमूल और भाजपा नेतृत्व एक-दूसरे पर लगातार हमला बोल रहे हैं. प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह लगातार तृणमूल सुप्रीमो ममता बनर्जी और पार्टी के नेता अभिषेक बनर्जी पर निशाना साध रहे हैं, वहीं ममता और अभिषेक भी पलटवार कर रहे हैं. इस बीच भांगड़ में शौकत मोल्ला मंगलवार सुबह अचानक भाजपा प्रत्याशी जयंत गाएन के घर पहुंच गए, जहां दोनों के बीच काफी देर तक बातचीत हुई. इस मामले को लेकर माकपा और आईएसएफ का आरोप है कि भाजपा उम्मीदवार जयंत गाएन और शौकत मोल्ला के बीच लंबे समय से परिचय है. बताया जा रहा है कि जयंत के भाई तृणमूल के बूथ अध्यक्ष हैं और उनकी बहन पंचायत प्रमुख हैं. यह भी आरोप है कि जयंत ने अब तक भाजपा के पक्ष में जोरदार प्रचार नहीं किया है और मीडिया के सामने भी तृणमूल के खिलाफ कोई तीखी

टिप्पणी नहीं की. इस वजह से विपक्षी दल पहले भी सवाल उठाते रहे हैं. मंगलवार की इस घटना के बाद एक बार फिर भाजपा-तृणमूल के बीच गंठजोड़ के आरोप सामने आए हैं. हालांकि शौकत मोल्ला ने इन आरोपों को पूरी तरह खारिज करते हुए कहा कि भाजपा प्रत्याशी की मां तृणमूल की महिला नेता हैं. उन्होंने कहा कि क्या मैं अपनी महिला नेता के घर नहीं जाऊंगा? हम मर जाएंगे, लेकिन भाजपा के साथ किसी तरह की गंठजोड़ नहीं करेंगे. हमारी राजनीति में ऐसी संस्कृति नहीं है. दरअसल नौशाद सिद्दीकी, अब्बास सिद्दीकी और हुमायूं कबीर जैसे नेताओं की भाजपा के साथ सम्बन्ध है. तृणमूल कभी भी भाजपा के साथ समझौता नहीं करेगी.

बायोमेट्रिक से रुकेगी फर्जी वोटिंग : मनोज तिवारी

कोलकाता : पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव 2026 की सरगर्मियों के बीच भोजपुरी सिंगर, दिल्ली के सांसद और भाजपा नेता मनोज तिवारी ने चुनाव आयोग की कार्यप्रणाली का जोरदार समर्थन किया. हावड़ा में एक कार्यक्रम के दौरान उन्होंने कहा कि भारत निर्वाचन आयोग दुनिया के सबसे सुव्यवस्थित संस्थानों में एक है. इसके कामकाज को विश्व के कई देश अपना रहे हैं. वोटर लिस्ट से नाम कटने के मुद्दे पर चल रहे विवाद पर उन्होंने कहा कि लोकतंत्र में भागीदारी के लिए नागरिकों को भी थोड़ा सजग रहने की जरूरत है. मनोज तिवारी ने मतदान प्रक्रिया में पारदर्शिता लाने के लिए बायोमेट्रिक प्रणाली की वकालत की. उन्होंने कहा कि जिस तरह दफ्तरों में उपस्थिति के लिए बायोमेट्रिक का इस्तेमाल होता है, उसी तरह चुनाव में भी इसके उपयोग से फर्जी मतदान पर रोक लगायी जा सकती है. उन्होंने आरोप लगाया कि तृणमूल कांग्रेस फर्जी वोटिंग पर राजनीति कर रही है. विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) प्रक्रिया के कारण नाम कटने की शिकायतों पर मनोज तिवारी ने सख्त, लेकिन व्यवहारिक बातें कहीं. उन्होंने कहा कि यदि किसी का नाम सूची से हटता है, तो

उसे दस्तावेज जमा करने के लिए दो से तीन महीने का पर्याप्त समय दिया जाता है. उन्होंने तर्क दिया कि जिस तरह हथियार का लाइसेंस पाने के लिए प्रक्रिया पूरी करनी पड़ती है, उसी तरह सरकार चुनने का अधिकार पाने के लिए वोटर आईडी बनवाना और लिस्ट में नाम चेक करना आवश्यक है. वोटर लिस्ट से नाम कटने के कारण राष्ट्रपति से इच्छा मृत्यु मांगने वाली खबरों पर प्रतिक्रिया देते हुए मनोज तिवारी ने लोगों से चुनाव आयोग पर भरोसा रखने को कहा. उन्होंने विश्वास दिलाया कि आयोग किसी का हक नहीं छीनता, बल्कि व्यवस्था को पारदर्शी बनाता है. तिवारी ने जोर देकर कहा कि 140 करोड़ की आबादी वाले देश में जहां पुनर्मतदान (री-पोलिंग) की नौबत बहुत कम आती हो, वहां की चुनाव प्रणाली पर सवाल उठाना गलत है.

तृणमूल कांग्रेस ने चुनाव आयोग पर लगाए गंभीर आरोप

अभिषेक बनर्जी की पत्नी पर निगरानी का दावा

व्हाट्सएप चैट से बंगाल में चुनावी विवाद

कोलकाता: बंगाल में चुनावी सरगर्मी के बीच सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस ने निर्वाचन आयोग पर गंभीर आरोप लगाते हुए नया विवाद खड़ा कर दिया है. पार्टी ने कुछ कथित व्हाट्सएप चैट के स्क्रीनशॉट सार्वजनिक किए हैं, जिनमें दावा किया गया है कि आयोग ने अभिषेक बनर्जी की पत्नी तक को निगरानी के दायरे में रखने के निर्देश दिए हैं. तृणमूल का दावा है कि इन निर्देशों में मुख्यमंत्री ममता बनर्जी को छोड़कर पार्टी के सभी बड़े नेताओं, मंत्रियों और यहां तक कि अभिषेक बनर्जी की पत्नी को भी जांच के दायरे में रखने को कहा गया है. पार्टी का आरोप है कि आयोग ने संदेशों में आशंका जताई है कि अभिषेक की पत्नी के जरिए धन का लेनदेन हो सकता है, इसलिए उनकी भी सघन जांच की जाए. तृणमूल का आरोप है कि इन चैट्स में पुलिस और व्यय पर्यवेक्षकों को निर्देश दिया गया है कि पार्टी नेताओं और मंत्रियों की गाड़ियों की व्यापक तलाशी ली जाए. इतना ही नहीं, कथित तौर पर अभिषेक और उनकी पत्नी का विशेष रूप से उल्लेख करते हुए धन के संभावित लेनदेन पर नजर रखने को कहा गया है. पार्टी ने इसे राजनीतिक रूप से प्रेरित कार्रवाई बताते हुए चुनाव आयोग की निष्पक्षता पर सवाल उठाए हैं. हालांकि, स्क्रीनशॉट में अभिषेक के नाम की स्पेलिंग में भिन्नता है और पदनाम का स्पष्ट उल्लेख नहीं है, जिस पर सवाल भी उठ रहे हैं. व्हाट्सएप चैट में कथित तौर पर यह भी कहा गया है कि मेडिकल कैंप और रक्तदान शिविरों की आड़ में पैसे बांटे जा रहे हैं. नदिया, दक्षिण 24 परगना और उत्तर 24 परगना के कई ब्लॉक में होने वाले कार्यक्रमों पर कड़ी नजर रखने को कहा गया है. साथ ही, बिहार, झारखंड और नेपाल सीमा से आने वाले संदिग्ध फंड को लेकर भी सतर्कता बरतने का निर्देश दिया गया है. यह पहला मौका नहीं है जब तृणमूल ने आयोग के व्हाट्सएप संवाद पर सवाल उठाए हैं. इससे पहले भी ममता बनर्जी और अभिषेक बनर्जी इस मुद्दे पर मुखर रहे हैं. दूसरी ओर, चुनाव आयोग का पुराना रुख रहा है कि प्रशासनिक सुगमता के लिए व्हाट्सएप का उपयोग किया जाता है और इसमें कुछ भी अवैध नहीं है. लेकिन चुनाव के ऐन पहले 'सरप्राइज चेकिंग' और परिवार के सदस्यों को शामिल करने के इस नए दावे ने बंगाल की राजनीति में निष्पक्षता की बहस को फिर से जिंदा कर दिया है.

चुनाव 26: बंगाल में दो हजार 926 उम्मीदवार मैदान में, नामांकन प्रक्रिया पूरी

कोलकाता: भारत निर्वाचन आयोग ने पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव 2026 को लेकर अहम जानकारी जारी करते हुए बताया कि राज्य में कुल दो हजार 926 उम्मीदवार चुनावी मैदान में हैं. यह आंकड़ा नामांकन वापसी की अंतिम तिथि के बाद सामने आया है. आयोग के अनुसार, 15 मार्च 2026 को असम, केरल, पुडुचेरी, तमिलनाडु और पश्चिम बंगाल की विधानसभाओं के आम चुनाव तथा छह राज्यों में उपचुनाव का कार्यक्रम घोषित किया गया था. पश्चिम बंगाल में दूसरे चरण के लिए नामांकन दाखिल करने की अंतिम तिथि नौ अप्रैल 2026 तय की गई थी, जबकि 10 अप्रैल को नामांकन पत्रों की जांच हुई. उम्मीदवारों को नाम वापस लेने के लिए 13 अप्रैल 2026 को अपराह्न तीन बजे तक का समय दिया गया था. नामांकन वापसी की प्रक्रिया पूरी होने के बाद जारी आंकड़ों के मुताबिक, पश्चिम बंगाल के पहले चरण में 152 विधानसभा सीटों पर एक हजार 478 उम्मीदवार मैदान में हैं. वहीं, दूसरे चरण में 142 सीटों के लिए एक हजार 448 उम्मीदवार चुनाव लड़ रहे हैं. इस तरह दोनों चरणों को मिलाकर कुल दो हजार 926 उम्मीदवार चुनावी दौड़ में शामिल हैं. आयोग ने बताया कि रिटर्निंग अधिकारी चुनाव संचालन नियम, 1961 के तहत सभी उम्मीदवारों की अंतिम सूची सरकारी राजपत्र में प्रकाशित करेंगे. साथ ही प्रत्येक निर्वाचन क्षेत्र में नामांकन, जांच और नाम वापसी से जुड़े सभी दस्तावेजों को सुरक्षित रूप से सीलबंद रखा जाएगा. मतदाताओं की सुविधा के लिए आयोग ने नागरिकों से ईसीआईनेट अनुप्रयोग के अपने उम्मीदवार को जानें खंड का उपयोग करने की अपील की है. इसके जरिए मतदाता उम्मीदवारों की शैक्षणिक योग्यता, आपराधिक पृष्ठभूमि, संपत्ति और देनदारियों जैसी महत्वपूर्ण जानकारियां देख सकते हैं और उनके शपथ पत्र भी डाउनलोड कर सकते हैं. इसके अलावा, आयोग ने स्पष्ट किया कि ईवीएम पर बैलेट यूनिट में उम्मीदवारों की रंगीन तस्वीर, क्रम संख्या, नाम और चुनाव चिह्न बड़े अक्षरों में प्रदर्शित किए जाएंगे, ताकि मतदाताओं को मतदान के दौरान किसी प्रकार की असुविधा न हो.

प्रियंका टिबड़ेवाल ने तृणमूल के खिलाफ दर्ज कराई शिकायत

कोलकाता: एंटाली से भाजपा उम्मीदवार प्रियंका टिबड़ेवाल ने पश्चिम बंगाल के मुख्य निर्वाचन अधिकारी के कार्यालय में तृणमूल कांग्रेस के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई है. उन्होंने मंगलवार को कोलकाता स्थित मुख्य निर्वाचन अधिकारी के कार्यालय जाकर शिकायत दर्ज कराई. उन्होंने आरोप लगाया कि तृणमूल कांग्रेस एंटाली क्षेत्र में आतंक फैलाने और चुनाव प्रचार के दौरान उन पर हमला करने की साजिश रच रही है. प्रियंका ने सवाल किया कि अगर आयोग उम्मीदवारों को सुरक्षा प्रदान नहीं कर सकता, तो वह आम मतदाताओं को सुरक्षा कैसे प्रदान करेगा? मुख्य निर्वाचन अधिकारी के कार्यालय से निकलने के बाद एंटाली से भाजपा उम्मीदवार ने पत्रकारों से बातचीत की. वहां उन्होंने कहा, परसों (रविवार) तृणमूल के बदमाशों ने टेंगरा पुलिस स्टेशन के शरणार्थी क्षेत्र में हम पर हमला किया. हमने टेंगरा पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराई, लेकिन कोई फायदा नहीं हुआ. बाद में केंद्रीय बल आए और हमें बचाया. उन्होंने आगे कहा, कल (सोमवार) रात तापसिया थाना क्षेत्र में भी ऐसी ही घटना घटी. वहां स्थानीय पार्षद ने धरपारा से इलाके को घेर लिया और हंगामा किया. वहां मौजूद कुछ लोगों के पास हथियार थे. उन्होंने आगे बताया, आज (मंगलवार) सुबह प्रगति मैदान थाना क्षेत्र के ढापा इलाके में उपद्रव की आशंका थी. थाने को तीन बार सूचना दी गई, लेकिन पुलिस ने कोई कार्रवाई नहीं की. केंद्रीय बलों को भी तैनात नहीं किया गया. जब हमें घेर लिया गया और महिलाओं पर हमला किया गया, तो केंद्रीय बल फिर से आए. पुलिसकर्मियों पर भी हमला किया गया. उन्होंने पुलिस पर निष्क्रियता का आरोप लगाया. प्रियंका ने कहा, मैंने तृणमूल के गुंडों के बारे में पुलिस को बताया है. इसके बावजूद पुलिस कोई कार्रवाई नहीं कर रही है. वे घर-घर जाकर धमका रहे हैं. अगर ऐसे लोग खुलेआम घूमते रहेंगे, तो क्या लोगों में वोट देने का साहस होगा? एंटाली से भाजपा उम्मीदवार ने न केवल पुलिस बल्कि चुनाव आयोग के खिलाफ भी अपना गुस्सा जाहिर किया.

चुनाव 26 : जादवपुर विधानसभा सीट : बौद्धिक परंपरा, बदलते राजनीतिक समीकरण के बीच रोचक मुकाबला

कोलकाता: पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव 2026 में कोलकाता के दक्षिणी हिस्से की जादवपुर विधानसभा सीट राज्य की अहम और हाई-प्रोफाइल सीटों में शामिल है. अपनी बौद्धिक पहचान, उच्च साक्षरता और राजनीतिक रूप से जागरूक मतदाताओं के कारण यह सीट हमेशा से अलग महत्व रखती रही है. इस बार यहां चुनावी मुकाबला और भी दिलचस्प हो गया है, क्योंकि तृणमूल कांग्रेस, भारतीय जनता पार्टी और वाम मोर्चा के बीच सीधी त्रिकोणीय टक्कर देखने को मिल रही है. जादवपुर विधानसभा क्षेत्र सामान्य श्रेणी की सीट है, जो मुख्य रूप से कोलकाता नगर क्षेत्र में स्थित है, जबकि इसका एक छोटा हिस्सा दक्षिण 24 परगना जिले में भी आता है. यह क्षेत्र कोलकाता नगर निगम के 10 वार्डों से मिलकर बना है और जादवपुर लोकसभा क्षेत्र के सात विधानसभा खंडों में से एक महत्वपूर्ण हिस्सा है. पूरी तरह शहरी स्वरूप वाले इस इलाके में ग्रामीण आबादी नहीं है. राजनीतिक महत्व के साथ-साथ जादवपुर शिक्षा और संस्कृति का भी बड़ा केंद्र है. यहां 1955 में स्थापित जादवपुर विश्वविद्यालय देश के प्रमुख शिक्षण और शोध संस्थानों में गिना जाता है. इसके अलावा इंडियन एसोसिएशन फॉर द कल्टिवेशन ऑफ साइंस, सेंट्रल ग्लास एंड सिरेमिक रिसर्च इंस्टीट्यूट, एस.एन. बोस नेशनल सेंटर फॉर बेसिक साइंसेज और इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ केमिकल बायोलॉजी जैसे राष्ट्रीय स्तर के संस्थान इस क्षेत्र को बौद्धिक और वैज्ञानिक पहचान देते हैं. यही कारण है कि जादवपुर लंबे समय से वैचारिक बहस, छात्र राजनीति और बौद्धिक आंदोलनों का केंद्र रहा है. इस सीट का राजनीतिक इतिहास भी बेहद दिलचस्प रहा है. 1967 में अस्तित्व में आई यह सीट लंबे समय तक माकपा का गढ़ रही है. अब तक 1983 के उपचुनाव समेत कुल 15 चुनाव यहां हो चुके हैं, जिनमें से 13 बार माकपा ने जीत दर्ज की. यह सीट पूर्व मुख्यमंत्री बुद्धदेव भट्टाचार्य से खास तौर पर जुड़ी रही है, जिन्होंने 1987 से 2006 तक लगातार पांच बार यहां से जीत हासिल की. हालांकि 2011 में तृणमूल कांग्रेस के मनीष गुप्ता ने उन्हें 16 हजार 684 वोटों से हराकर बड़ा राजनीतिक उलटफेर किया. यह जीत केवल जादवपुर तक सीमित नहीं रही, बल्कि इसी के साथ पश्चिम बंगाल में 34 वर्षों से चली आ रही वाम मोर्चा सरकार का अंत हो गया और राज्य की राजनीति में नए दौर की शुरुआत हुई. इसके बाद से जादवपुर में तृणमूल कांग्रेस की पकड़ मजबूत होती गई. 2021 के विधानसभा चुनाव में तृणमूल कांग्रेस के देबब्रत मजूमदार ने माकपा के सुजन चक्रवर्ती को 38 हजार 869 वोटों से हराया. इस चुनाव में भाजपा तीसरे स्थान पर रही, लेकिन उसका वोट शेयर माकपा के काफी करीब था, जिससे संकेत मिला कि भाजपा इस क्षेत्र में तेजी से अपनी पकड़ बना रही है. 2024 के लोकसभा चुनाव में भी तृणमूल कांग्रेस ने इस विधानसभा क्षेत्र में अपनी बढ़त बरकरार रखी. दिलचस्प रूप से उसकी बढ़त 2019 के 12 हजार 155 वोट से बढ़कर 17 हजार 849 वोट तक पहुंच गई, जबकि भाजपा माकपा को पीछे छोड़ते हुए

दूसरे स्थान पर आ गई, जो यहां उसके बढ़ते प्रभाव को दर्शाता है. मतदाताओं के आंकड़ों पर नजर डालें तो 2021 के विधानसभा चुनाव में यहां दो लाख 79 हजार 828 पंजीकृत मतदाता थे, जो 2024 के लोकसभा चुनाव तक बढ़कर दो लाख 94 हजार 186 हो गए. इस बार 2026 में एसआईआर के बाद ये संख्या और कम हुई है. इस पूरी तरह शहरी सीट पर लगभग 11.68 प्रतिशत अनुसूचित जाति मतदाता हैं, जबकि मुस्लिम मतदाताओं की हिस्सेदारी करीब आठ प्रतिशत है. उच्च साक्षरता और राजनीतिक जागरूकता के कारण यहां मतदान प्रतिशत हमेशा 80 प्रतिशत से अधिक रहा है, जो इस क्षेत्र की सक्रिय लोकतांत्रिक भागीदारी को दर्शाता है. आर्थिक रूप से जादवपुर कभी छोटे और मझोले उद्योगों का केंद्र रहा है, लेकिन वाम मोर्चा के शासनकाल में कई उद्योग बंद हो गए, जिससे रोजगार पर असर पड़ा. वर्तमान समय में यहां की अर्थव्यवस्था मुख्य रूप से शिक्षा, स्वास्थ्य सेवाओं, खुदरा व्यापार और सेवा क्षेत्र पर आधारित है. 2026 के चुनाव में यहां मुकाबला पूरी तरह त्रिकोणीय हो गया है. तृणमूल कांग्रेस ने एक बार फिर देबब्रत मजूमदार पर भरोसा जताया है. देबब्रत के अनुसार, वाम मोर्चा के समय यह इलाका हिंसा का गढ़ था, जबकि अब यहां शांति और विकास का माहौल है. उन्होंने भाजपा पर निशाना साधते हुए कहा कि बंगाल प्रबुद्ध लोगों की भूमि है और यहां के मतदाता विभाजनकारी राजनीति को स्वीकार नहीं करेंगे. दूसरी ओर भारतीय जनता पार्टी ने सर्बरी मुखर्जी को उम्मीदवार बनाया है, जो अपेक्षाकृत नया चेहरा हैं. उन्होंने तृणमूल सरकार पर तीखा हमला करते हुए कहा कि राज्य की जनता ममता बनर्जी के कुशासन से त्रस्त है. उनके अनुसार, जादवपुर में विकास की अपार संभावनाएं हैं, लेकिन तृणमूल ने केवल भ्रष्टाचार को बढ़ावा दिया है. उन्होंने विश्वास जताया कि इस बार राज्य में डबल इंजन की सरकार बनेगी और जादवपुर सहित पूरे पश्चिम बंगाल में विकास को नई गति मिलेगी. वहीं वाम मोर्चा ने अनुभवी अधिवक्ता और कोलकाता के पूर्व मेयर विकास रंजन भट्टाचार्य को मैदान में उतारा है. उन्होंने भाजपा और तृणमूल दोनों पर हमला बोलते हुए कहा कि ये दल मजहबी कट्टरता की राजनीति कर रहे हैं और विकास उनके एजेंडे में नहीं है. उनका कहना है कि दोनों दल जनता को गुमराह कर सत्ता में बने रहना चाहते हैं. उन्होंने जादवपुर की बौद्धिक परंपरा का हवाला देते हुए कहा कि इस बार यहां के मतदाता एक मजबूत वैकल्पिक शक्ति के रूप में वाम मोर्चा को चुन सकते हैं. कुल मिलाकर जादवपुर विधानसभा सीट पर 2026 का चुनाव बेहद दिलचस्प और कांटे का मुकाबला बनता नजर आ रहा है. यहां केवल राजनीतिक दलों के बीच ही नहीं, बल्कि विचारधाराओं, विकास मॉडल और शासन के दृष्टिकोण के बीच भी सीधी टक्कर है. तृणमूल कांग्रेस अपनी स्थापित पकड़ को बनाए रखने की कोशिश में है, भाजपा तेजी से उभरती चुनौती पेश कर रही है, जबकि वाम मोर्चा अपनी पारंपरिक बौद्धिक जमीन को फिर से हासिल करने की कोशिश कर रहा है. ऐसे में मामूली वोटों का अंतर भी परिणाम को निर्णायक रूप से प्रभावित कर सकता है और यही कारण है कि जादवपुर इस बार राज्य की सबसे महत्वपूर्ण और रोमांचक सीटों में शामिल हो गई है.

आपकी वेदना, हमारी संवेदना
युवा शक्ति समाचार पत्र उठावना का विज्ञापन मात्र 1500 रूपये में प्रकाशित करता है
(साइज 12x8)
सम्पर्क :
मो. : 9831572125, 9831494084
www.yuvashakti.news.com
email: yuvashakti@hotmail.com

न्यूज कॉर्नर

पीएसएल ने जिम्बाब्वे के तेज गेंदबाज ब्लेसिंग मुजरबानी पर लगाया 2 साल का प्रतिबंध

लाहौर: पाकिस्तान सुपर लीग (पीएसएल) ने जिम्बाब्वे के तेज गेंदबाज ब्लेसिंग मुजरबानी पर दो साल का प्रतिबंध लगा दिया है. उनके खिलाफ यह कार्रवाई पीएसएल छोड़कर इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में खेलने के फैसले के कारण की गई है. 29 वर्षीय मुजरबानी पहले आईपीएल और पीएसएल दोनों की नीलामी में नहीं बिके थे. इसके बाद उन्हें इस्लामाबाद यूनाइटेड ने रिप्लेसमेंट खिलाड़ी के तौर पर टीम में शामिल किया था. हालांकि, बाद में उन्होंने यह कॉन्ट्रैक्ट छोड़ दिया, जब कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) ने उन्हें अपनी टीम में शामिल होने का ऑफर दिया. कोलकाता ने उन्हें उस समय साइन किया, जब टीम को बांग्लादेश के तेज गेंदबाज मुस्तफिजुर रहमान के साथ अपना करार खत्म करना पड़ा. मुजरबानी आईपीएल 2026 में अब तक दो मैच खेल चुके हैं और अपने दूसरे मुकाबले में सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ 4 विकेट लेकर शानदार प्रदर्शन किया. इससे पहले भी इसी तरह के मामले में दक्षिण अफ्रीका के खिलाड़ी कॉर्बिन बॉश पर एक साल का बैन लगाया गया था. इस सीजन में स्पेंसर जॉनसन और दासुन शनाका ने भी पीएसएल छोड़कर आईपीएल खेलने का फैसला किया है. हालांकि, अभी आधिकारिक घोषणा नहीं हुई है, लेकिन इन पर भी कार्रवाई की संभावना है. लीग ने कहा कि फ्रेंचाइजी क्रिकेट में पारदर्शिता और अनुशासन बेहद जरूरी है. किसी मौजूदा अनुबंध के रहते दूसरी लीग से जुड़ना नियमों का उल्लंघन है और इससे सिस्टम पर भरोसा कमजोर होता है. पीएसएल ने साफ किया कि दो साल का बैन इस उल्लंघन की गंभीरता को दर्शाता है.

चोटिल कार्स की जगह मदुशंका सनराइजर्स टीम में

नयी दिल्ली: श्रीलंका के तेज गेंदबाज दिलशान मदुशंका को चोटिल ब्रायडन कार्स की जगह इंडियन प्रीमियर लीग के बाकी मैचों के लिये सनराइजर्स हैदराबाद टीम में शामिल किया गया है. कार्स को रॉयल चैलेंजर्स बेंगलूरू के खिलाफ पहले मैच से पूर्व नेट्स पर अभ्यास के दौरान हाथ में चोट लगी थी. बायें हाथ के मध्यम तेज गेंदबाज मदुशंका ने श्रीलंका के लिये एक टेस्ट, 28 वनडे और 19 टी20 खेलकर कुल 70 विकेट लिये हैं. आईपीएल के एक बयान के अनुसार वह 75 लाख रूपये में सनराइजर्स से जुड़ेंगे. इससे पहले वह मुंबई इंडियंस टीम का हिस्सा रह चुके हैं.

अंडर 17 दोस्ताना महिला फुटबॉल मैच में रूस से 0.3 से हारी भारतीय टीम

सोची (रूस): भारत की अंडर 17 महिला फुटबॉल टीम मंगलवार को तीन मैत्री मैचों के दूसरे मैच में रूस से 0 . 3 से हार गई. रूस के लिये मालेरिया मेनियेलोवा ने 49वें और 52वें मिनट में गोल किये जबकि सोफिया स्वियात्नाया ने 18वें मिनट में पहला गोल दागा. इटली की पामेला कोंटी की कोचिंग में भारतीय टीम इन तीन मैचों के जरिये अगले महीने चीन में होने वाले एएफसी अंडर 17 महिला एशियाई कप की तैयारी कर रही है. पहले मैच में रूस ने 4.0 से जीत दर्ज की थी. तीसरा मैच 17 अप्रैल को खेला जायेगा.

एशेज के दौरान मैकुलम से मतभेद की खबरों को स्टोक्स ने खारिज किया

लंदन: इंग्लैंड के कप्तान बेन स्टोक्स ने एशेज श्रृंखला के दौरान कोच ब्रेंडन मैकुलम से मतभेद की खबरों को खारिज करते हुए कहा कि यह कहना बेहद अतिशयोक्तिपूर्ण है. स्टोक्स और मैकुलम 2022 से एक-दूसरे का अच्छा साथ निभा रहे हैं, लेकिन पिछली सर्दियों में ऑस्ट्रेलिया से 4-1 से हारने पर उन्हें गहरा झटका लगा. हार के बाद दोनों ने एक-दूसरे का समर्थन किया, लेकिन एशेज की समीक्षा से तनाव के संकेत मिले. स्टोक्स संभलकर खेलना चाहते थे जबकि मैकुलम आक्रामक रवैया बरकरार रखना चाहते थे. स्टोक्स ने एक साक्षात्कार में कहा, ''यह कहना कि हम एकमत नहीं थे, मुझे लगता है कि यह एक बहुत बड़ी अतिशयोक्ति है. जब आप किसी और के साथ नेतृत्व की स्थिति में होते हैं और तब अगर कोई यह सोचता है कि आप हमेशा हर बात पर सहमत होंगे तो यह बिल्कुल असंभव है.'' उन्होंने कहा, ''भले ही मेरे और ब्रेंडन के विचार मिलते हैं लेकिन कुछ मामलों में हम अलग भी हैं. हम 95 प्रतिशत बातों पर सहमत होते हैं, लेकिन जिन पांच प्रतिशत बातों पर हमारे विचार अलग होते हैं, हम उन पर चर्चा करते हैं और आखिर में उस मुकाम पर पहुंच जाते हैं जहां हमें होना चाहिए.''

ईरान के क्लब ट्रैक्टर की टीम एशियाई चैंपियंस लीग में खेलने के लिए जेद्दा पहुंची

जेद्दा: मध्य पूर्व में चल रहे युद्ध के बीच ईरान के क्लब ट्रैक्टर की टीम सऊदी अरब पहुंच गई है और उसने पुष्टि की है कि वह एएफसी चैंपियंस लीग (एसीएल) एलीट के राउंड ऑफ 16 में खेलेगी. अमेरिका और इज़राइल के ईरान पर हमले के बाद मार्च में पश्चिम एशिया के प्लेऑफ मैच स्थगित कर दिए गए थे. इसके बाद अंतिम 16 के मैचों का कार्यक्रम फिर से तैयार किया गया. ईरान के क्लब ट्रैक्टर और संयुक्त अरब अमीरात के शबाब अल-अहली के बीच मैच को सऊदी अरब के जेद्दा शहर में स्थानांतरित किए जाने के बाद यह सवाल बना रहा कि क्या ईरान का क्लब इसमें भाग लेगा. ईरान ने अमेरिका के सहयोगी देश सऊदी अरब पर मिसाइलें दागी हैं. ट्रैक्टर की टीम एक लंबी यात्रा के बाद रविवार को जेद्दा पहुंची. वह उत्तर पश्चिमी ईरान में स्थित अपने गृहनगर तबरीज़ से सड़क मार्ग से तुर्की पहुंची और फिर इस्तांबुल से हवाई मार्ग से यहां पहुंची. युद्ध के कारण ईरान की लीग स्थगित कर दी गई थी और ट्रैक्टर की टीम ने 28 फरवरी के बाद से कोई भी प्रतिस्पर्धी मैच नहीं खेला है.

संघर्षरत एलएसजी के खिलाफ आरसीबी को बल्लेबाजों से शानदार प्रदर्शन की उम्मीद

मैच शाम 7:30 बजे शुरू होगा.

बेंगलुरु: मौजूदा चैंपियन रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) अब तक अपने प्रदर्शन में निरंतरता बनाए रखने में नाकाम रही लखनऊ सुपर जायंट्स (एलएसजी) की टीम के खिलाफ बुधवार को यहां होने वाले इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के मैच में अपने बल्लेबाजों से फिर से धमाकेदार प्रदर्शन की उम्मीद करेगा. आरसीबी अभी छह अंकों के साथ तालिका में तीसरे स्थान पर हैं और चार अन्य टीमें चार-चार अंकों के साथ उसका पीछा कर रही हैं. बेंगलुरु की टीम शीर्ष पर काबिज राजस्थान रॉयल्स से दो अंक और पंजाब किंग्स से एक अंक पीछे है. लेकिन सच्चाई यह है कि आईपीएल के इस सत्र में आरसीबी के बल्लेबाजों ने गेंदबाजों के मन में जितना खौफ पैदा किया है, उतना कोई अन्य टीम नहीं कर पाई है. आरसीबी के बल्लेबाजों ने अभी तक एकजुट होकर प्रदर्शन किया है और सभी ने महत्वपूर्ण योगदान दिया है. यह उसके शीर्ष पांच बल्लेबाजों के स्ट्राइक रेट में साफ झलकता है. विराट कोहली (स्ट्राइक रेट 162), फिल साल्ट (178), रजत पाटीदार (214), टिम डेविड (221) और देवदत्त पडिक्कल (201) ने आईपीएल 2026 में सभी टीमों के गेंदबाजों के सामने कड़ी चुनौती पेश की है. इन पांचों बल्लेबाजों ने मिलकर चार मैचों में कुल 52 छक्के जड़े हैं. आईपीएल के इस सत्र में अभी तक आरसीबी ने सर्वाधिक छक्के जड़े हैं और उन्होंने 'रेंज-हिटिंग' को एक नए स्तर पर पहुंचा दिया है. इसी का नतीजा है कि आरसीबी में वर्तमान सत्र में अभी तक किसी भी मैच में 200 से कम रन नहीं बनाए हैं जिससे उनकी आक्रामक बल्लेबाजी का अंदाजा लगाया जा सकता है. आरसीबी अपने घरेलू मैदान पर अगले तीन मैच में भी परिस्थितियों का पूरा फायदा उठाना चाहेगा. वह एलएसजी के बाद दिल्ली कैपिटल्स (18 अप्रैल) और गुजरात टाइटन्स (24 अप्रैल) के खिलाफ यहां मैच खेलेगा. इसके बाद वह अपने अंतिम दो घरेलू मैच रायपुर में खेलेगा. लेकिन क्या चिन्नास्वामी स्टेडियम में सुपर जायंट्स के गेंदबाजी आक्रमण से उन्हें किसी तरह की चुनौती का सामना करना पड़ेगा. एलएसजी की तरफ से अनुभवी भारतीय तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी, प्रिंस यादव और दिग्वेश राठी ने अब तक प्रभावशाली प्रदर्शन किया है. शमी की 6.2 की इकॉनमी अब तक नियमित गेंदबाजों में सर्वश्रेष्ठ है, लेकिन इस तिकड़ी को बेंगलुरु की सपाट पिच पर आरसीबी के बल्लेबाजों के खिलाफ सटीक गेंदबाजी करनी होगी. गेंदबाजों के अच्छे प्रदर्शन के बावजूद एलएसजी तालिका में सातवें स्थान पर है और इसका मुख्य कारण उसके बल्लेबाजों का निराशाजनक प्रदर्शन है. ऋषभ पंत की अगुवाई वाला बल्लेबाजी क्रम अभी तक लय में नहीं आया है. स्वयं कप्तान पंत चार मैचों में 130 के स्ट्राइक रेट से 103 रन ही बना पाए हैं. मिचेल मार्श, एडन मार्क्रम, निकोलस पूरन जैसे अन्य शीर्ष बल्लेबाज तथा आयुष बडोनी और अब्दुल समद जैसे युवा भी अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पाए हैं. मुकुल चौधरी ने उम्मीद जगाई है लेकिन उन्हें अपने प्रदर्शन में निरंतरता बनाए रखनी होगी. आरसीबी के गेंदबाजों का प्रदर्शन अभी तक उतार चढ़ाव वाला रहा है और एलएसजी के बल्लेबाज उसकी कमजोरी का फायदा उठाने की कोशिश करेंगे.

टीम इस प्रकार हैं : (रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु) : रजत पाटीदार (कप्तान), विराट कोहली, टिम डेविड, जैकब बेथेल, रोमारियो शेफर्ड, जोश हेज़लवुड, नुवान तुषारा, देवदत्त पडिक्कल, जितेश शर्मा, क्रुणाल पंड्या, रसिख डार, भुवनेश्वर कुमार, जॉर्डन कॉक्स, सुयश शर्मा, वेंकटेश अय्यर, स्वप्निल सिंह, जैकब डफी, कनिष्क चौहान, अभिनंदन सिंह, मंगेश यादव, फिल साल्ट, सात्विक देसवाल. विक्की ओस्तवाल, विहान मल्होत्रा. **(लखनऊ सुपर जायंट्स) :** ऋषभ पंत (कप्तान), एडेन मार्क्रम, हिम्मत सिंह, मैथ्यू ब्रीट्ज़के, मुकुल चौधरी, अक्षत रघुवंशी, जोश इंग्लिस, मिचेल मार्श, अब्दुल समद, शाहबाज़ अहमद, अर्शिन कुलकर्णी, वानिंदु हसरंगा, आयुष बडोनी, मोहम्मद शमी, अवेश खान, एम. सिद्धार्थ, दिग्वेश सिंह, आकाश सिंह, प्रिंस यादव, अर्जुन तेंदुलकर, एनरिक नोर्किया, नमन तिवारी, मयंक यादव, मोहसिन खान.

संजू सैमसन और अमेलिया केर बने मार्च के आईसीसी प्लेयर ऑफ द मंथ

दुबई : भारतीय क्रिकेट टीम के सलामी बल्लेबाज संजू सैमसन और न्यूजीलैंड की ऑलराउंडर अमेलिया केर को मंगलवार को अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) का मार्च महीने का सर्वश्रेष्ठ पुरुष खिलाड़ी चुना गया. दोनों खिलाड़ियों को यह सम्मान उनके शानदार प्रदर्शन के लिए दिया गया. संजू सैमसन ने आईसीसी पुरुष टी-20 विश्व कप में बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए यह अवॉर्ड अपने नाम किया. उन्होंने इस दौड़ में अपने ही साथी जसप्रीत बुमराह और दक्षिण अफ्रीका के बल्लेबाज कॉनर एस्टरहुइज़न को पीछे छोड़ा. वहीं अमेलिया केर ने ऑस्ट्रेलिया की बेथ मूनी और दक्षिण अफ्रीका की अयाबोंगा खाका को पछाड़ते हुए महिला वर्ग का खिताब जीता. संजू सैमसन को टी-20 विश्व कप में उनके शानदार प्रदर्शन के लिए प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट भी चुना गया था. उन्होंने वेस्टइंडीज के खिलाफ कोलकाता में खेले गए अहम मुकाबले में नाबाद 97 रन बनाए. इसके बाद सेमीफाइनल में इंग्लैंड के खिलाफ मुंबई में 89 रन और फाइनल में न्यूजीलैंड के खिलाफ अहमदाबाद में भी 89 रन की पारी खेली. सैमसन की शानदार बल्लेबाजी की बदौलत भारत ने न सिर्फ खिताब अपने नाम किया, बल्कि टी20 विश्व कप को बरकरार रखने वाली पहली टीम भी बनी और पहली बार अपने घर में ट्रॉफी जीती. संजू सैमसन ने कहा,आईसीसी प्लेयर ऑफ द मंथ अवॉर्ड जीतना बेहद खास एहसास है. यह मेरे क्रिकेट करियर के सबसे यादगार दौर में मिला है. विश्व कप में भारत की जीत में योगदान देना मेरे लिए सपना पूरा होने जैसा है. न्यूजीलैंड की ऑलराउंडर अमेलिया केर ने मार्च में बल्ले और गेंद दोनों से शानदार प्रदर्शन किया. उन्होंने चार वनडे मैचों में 176 रन बनाए और साथ ही लेग स्पिन से 18 विकेट भी हासिल किए. जिम्बाब्वे के खिलाफ वनडे सीरीज में न्यूजीलैंड ने 3-0 से जीत दर्ज की, जिसमें केर को प्लेयर ऑफ द सीरीज चुना गया. इस दौरान उनका सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 7 विकेट पर 34 रन रहा. टी-20 अंतरराष्ट्रीय में भी केर ने 276 रन बनाए और 6 विकेट लिए. उनकी शानदार खेल की बदौलत न्यूजीलैंड ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ 4-1 से सीरीज जीती और उन्हें प्लेयर ऑफ द सीरीज का अवॉर्ड मिला. अमेलिया केर ने कहा, यह महीना व्हाइट फर्न्स के लिए बेहद खास रहा. देश के लिए योगदान देना हमेशा अच्छा लगता है, लेकिन टीम का सामूहिक प्रदर्शन मेरे लिए सबसे बड़ी बात है. दोनों खिलाड़ियों का चयन आईसीसी की आधिकारिक वेबसाइट पर पंजीकृत वैश्विक प्रशंसकों और पूर्व अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ियों व मीडिया प्रतिनिधियों की विशेषज्ञ समिति के वोट के आधार पर किया गया.

वार्न के बेटे ने कहा, कोविड के टीके के कारण हुई दिग्गज क्रिकेटर की मौत

सिडनी: शेन वार्न के निधन के चार साल बाद उनके बेटे जैक्सन ने दावा किया है कि इस दिग्गज स्पिनर की मौत संभवतः कोविड के उन 'तीन या चार' टीकों के कारण हुई थी जो उन्हें 'काम करने के लिए मजबूरन लेने पड़े थे.' जैक्सन ने '2 वर्ल्ड्स कोलाइड पॉडकास्ट' पर बात करते हुए अपने पिता की स्वास्थ्य से जुड़ी समस्याओं को भी स्वीकार किया. वार्न का 2022 में थाईलैंड में दिल का दौरा पड़ने से निधन हो गया था. उस समय उनकी उम्र 52 वर्ष थी. जैक्सन ने कहा ''मुझे पक्का लगता है कि इसमें (कोविड टीके का) हाथ था. मुझे नहीं लगता कि अब यह कहने से किसी तरह का विवाद पैदा होगा. भले ही डैड (पिताजी) को पहले से ही कुछ स्वास्थ्य समस्याएं थीं, लेकिन मुझे लगता है कि टीका लगाने के कारण उनकी बीमारी खुलकर सामने आ गई. यह एक ऐसी बात है जिससे मैं हमेशा सोचता रहता हूं.'' उन्होंने कहा, ''जैसे ही मैंने (वॉर्न की मौत की खबर मिलने के बाद) फोन रखा तो मेरी पहली प्रतिक्रिया यही थी कि मैंने तुरंत सरकार को दोषी ठहराया. मैंने तुरंत कोविड और टीके को दोषी ठहराया.'' जैक्सन ने कहा कि उन्होंने शोक सभा में अपने विचारों को स्पष्ट रूप से व्यक्त करने से खुद को बड़ी मुश्किल से रोका था. उन्होंने कहा, ''शायद यह समझदारी भरा कदम था कि मैंने ऐसा नहीं किया, अगर मैंने ऐसा किया होता तो मेरी स्थिति बिल्कुल अलग होती. लेकिन मुझे यही महसूस हुआ.'' जैक्सन ने कहा, ''पहले भी दिल का दौरा पड़ने से बहुत से लोग मर रहे थे. लेकिन डैड ठीक थे. मुझे लगता है उन्होंने तीन या चार (टीके) लगवाए होंगे. वह टीका नहीं लगवाना चाहते थे लेकिन अन्य लोगों की तरह काम करने के लिए उन्हें मजबूरन इन्हें देना पड़ा.'' उन्होंने कहा, ''मैं इसके बारे में ज्यादा नहीं सोचना चाहता हूं क्योंकि इससे केवल गुस्सा ही बढ़ता है. गुस्सा किसी के लिए भी अच्छा नहीं होता है.'' वार्न की जीवनशैली के बारे में जैक्सन ने कहा कि धूम्रपान और शराब पीने के बावजूद यह अपेक्षाकृत स्वस्थ थे. उन्होंने कहा, ''उस समय डैड स्वस्थ थे, खुश थे. वे काफी समय बाद इतने अच्छे दिख रहे थे. वह जरूर धूम्रपान करते थे और शराब पीते थे, लेकिन 80 और 90 वर्ष की उम्र के कई लोग डैड की तुलना में कहीं अधिक धूम्रपान करते हैं और शराब पीते हैं.'' वार्न निधन से कुछ महीने पहले कोविड-19 से संक्रमित हो गए थे. जब उनकी अचानक मौत हुई तो तब वह किसी तरह की गंभीर बीमारी से नहीं जूझ रहे थे.

ब्रिटेन में टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों के बाद सूर्यकुमार के भविष्य पर हो सकती है चर्चा

नयी दिल्ली: सूर्यकुमार यादव की अगुवाई में भारत ने भले ही टी20 विश्व कप के खिताब का सफल बचाव किया हो लेकिन उनकी बल्लेबाजी फॉर्म को देखते हुए सवाल उठने लग गए हैं कि क्या उन्हें 2028 में होने वाले ओलंपिक खेलों के लिए टीम में शामिल किया जाएगा या नहीं. इस संदर्भ में जून-जुलाई में भारत का इंग्लैंड और आयरलैंड का दौरा कप्तान के लिए महत्वपूर्ण होगा क्योंकि उनकी कप्तानी से कहीं अधिक उनकी बल्लेबाजी पर नजर रखी जाएगी. इस दौरे से यह तय हो सकता है कि क्या उन्हें 2028 में होने वाली बड़ी प्रतियोगिताओं तक टीम में बनाए रखा जाएगा या नहीं. वर्ष 2028 में अमेरिका में ओलंपिक और ऑस्ट्रेलिया में होने वाला टी20 विश्व कप शामिल हैं. सूर्यकुमार अब भी मुख्य कोच गौतम गंभीर की पहली पसंद बने हुए हैं, जिनका कार्यकाल ऑस्ट्रेलिया में होने वाले 2028 टी20 विश्व कप तक बढ़ाए जाने की संभावना है. हालांकि यह देखना दिलचस्प होगा कि अजीत अगरकर की अगुवाई वाली चयन समिति गंभीर से सहमत होती है या नहीं, क्योंकि ओलंपिक के समय सूर्यकुमार की उम्र लगभग 38 साल हो जाएगी. भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) के एक सूत्र ने

गोपनीयता की शर्त पर पीटीआई से कहा, ''सूर्या अभी टीम की कप्तानी कर रहे हैं. लेकिन उन्हें यह भी सुनिश्चित करना होगा कि एक बल्लेबाज के रूप में वह अपने प्रदर्शन में निरंतरता बनाए रखें. ब्रिटेन दौरे में वह कप्तानी करेंगे, लेकिन उसके बाद 2028 तक की चर्चा पूरी तरह से प्रदर्शन पर आधारित हो सकती है.'' सूर्यकुमार के लिए 2025 का साल बेहद खराब रहा, जिसमें उनका स्ट्राइक रेट 120 से भी कम हो गया और वे एक भी अर्धशतक नहीं बना सके थे. उन्होंने 2026 में हालांकि अच्छा प्रदर्शन किया और 160 से अधिक के स्ट्राइक रेट से रन बनाए जिसमें चार अर्धशतक भी शामिल है. टी20 विश्व कप में हालांकि अमेरिका के खिलाफ पहले मैच को छोड़कर सूर्यकुमार का प्रदर्शन उल्लेखनीय नहीं रहा. उन्हें टीम में अपना स्थान बरकरार रखने के लिए अपने प्रदर्शन में हर हाल में निरंतरता लानी होगी. वैभव सूर्यवंशी का नाम टी20 टीम के लिए उन विशेषज्ञ खिलाड़ियों की सूची में शामिल किया गया है जिन्हें राष्ट्रीय चयनकर्ताओं ने जून-जुलाई में आयरलैंड दौरे के टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों के लिए संभावित खिलाड़ियों के रूप में चुना है. सूत्र ने कहा, ''चयन समिति को पूरा विश्वास है कि वैभव तैयार है, लेकिन फिर आप संजू सैमसन, अभिषेक शर्मा और ईशान किशन की बात कर रहे हैं. ये तीनों ही टी20 विश्व कप में अर्धशतक लगा चुके हैं. अगर आप चौथा ओपनर रखते हैं, तो यशस्वी जायसवाल भी मौजूद हैं.'' सूर्यवंशी सीनियर राष्ट्रीय टीम की तरफ से कब पदार्पण कर सकते हैं, इसके बारे में सूत्र ने कहा, ''यह ब्रिटेन का दौरा हो सकता है या जिम्बाब्वे का. लेकिन सबसे अच्छा मंच एशियाई खेल या वेस्टइंडीज के खिलाफ घरेलू श्रृंखला हो सकती है क्योंकि ये दोनों प्रतियोगिताएं एक ही समय पर होंगी, इसलिए दो टी20 टीम का चयन करना होगा. वैभव इन दोनों में से एक भूमिका निभाएंगे, हो सकता है कि उन्हें इससे पहले ही चुन लिया जाए.''

घरेलू निवेशकों के दम पर पेटीएम बनी बहुलांश भारतीय स्वामित्व वाली कंपनी

नयी दिल्ली: डिजिटल भुगतान मंच पेटीएम का परिचालन करने वाली कंपनी वन97 कम्युनिकेशंस लिमिटेड मार्च, 2026 के अंत तक घरेलू निवेशकों की हिस्सेदारी बढ़कर 50.3 प्रतिशत होने के साथ बहुलांश भारतीय स्वामित्व एवं नियंत्रण वाली कंपनी बन गई है. यह वित्तीय-प्रौद्योगिकी क्षेत्र की कंपनी के स्वामित्व ढांचे में एक अहम बदलाव को दर्शाता है. नियामकीय सूचना के मुताबिक, कंपनी में घरेलू संस्थागत निवेशकों की हिस्सेदारी मार्च तिमाही में बढ़कर रिकॉर्ड 23.1 प्रतिशत हो गई, जो तिमाही आधार पर 2.8 प्रतिशत अंक और सालाना आधार पर 9.1 प्रतिशत अंक अधिक है. घरेलू संस्थागत निवेशकों की हिस्सेदारी बढ़ाने में म्यूचुअल फंड कंपनियों की अग्रणी भूमिका रही. म्यूचुअल फंड की कुल हिस्सेदारी 14.3 प्रतिशत से बढ़कर 16.6 प्रतिशत हो गई, जबकि निवेश करने वाले कोषों की संख्या 36 से बढ़कर 41 हो गई. बीमा कंपनियों की भी हिस्सेदारी करीब 4.8 प्रतिशत से बढ़कर 5.1 प्रतिशत हो गई. टाटा एआईए लाइफ इंश्योरेंस और एसबीआई लाइफ इंश्योरेंस उन प्रमुख निवेशकों में शामिल हैं जिन्होंने निवेश बढ़ाया. कंपनी के परिचालन प्रदर्शन में भी सुधार देखने को मिला है. दिसंबर तिमाही में कंपनी ने लगातार तीसरी बार लाभ दर्ज करते हुए 225 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ कमाया, जबकि उसका राजस्व 20 प्रतिशत बढ़कर 2,194 करोड़ रुपये रहा. पेटीएम के मंच से जुड़े ग्राहक-आधारित व्यापारियों की संख्या 24 प्रतिशत बढ़कर 1.44 करोड़ से अधिक हो गई. ब्रोकरेज हाउस बैंक ऑफ अमेरिका और बर्नस्टीन ने कंपनी के मजबूत होते बुनियादी कारकों को रेखांकित किया है. बैंक ऑफ अमेरिका ने कहा कि कंपनी मर्चेंट पेमेंट एवं उधारी जैसे उच्च राजस्व वाले क्षेत्रों में मजबूत स्थिति में है और विविध कारोबार संरचना के चलते मार्जिन भी सुधरा है. वहीं, बर्नस्टीन ने कहा कि कंपनी की मर्चेंट आय अपने निकटतम प्रतिस्पर्धी से लगभग दोगुनी है और इसकी लाभप्रदता में सुधार जारी है.

गेल उत्तर प्रदेश, महाराष्ट्र में सौर परियोजनाओं में 3,800 करोड़ रुपये का करेगी निवेश

नयी दिल्ली: सार्वजनिक क्षेत्र की गैस कंपनी गेल (इंडिया) लि. उत्तर प्रदेश और महाराष्ट्र में 700 मेगावाट सौर ऊर्जा क्षमता स्थापित करने के लिए 3,800 करोड़ रुपये का निवेश करेगी. कंपनी स्वच्छ ऊर्जा और शुद्ध रूप से शून्य कार्बन उत्सर्जन लक्ष्यों की दिशा में किए जा रहे प्रयासों के तहत यह कदम उठा रही है. कंपनी ने मंगलवार को बयान में कहा कि वह झांसी के टीयूएससीओ सोलर पार्क में 550 मेगावाट-घंटे की बैटरी ऊर्जा भंडारण प्रणाली के साथ 600 मेगावाट की सौर परियोजना विकसित करेगी. इसका मुख्य उद्देश्य उत्तर प्रदेश में औरैया जिले में पाता स्थित अपने पेट्रोरसायन संयंत्र की बिजली आवश्यकताओं को पूरा करना है. इसके अलावा, कंपनी महाराष्ट्र के छत्रपति संभाजी नगर में 22 मेगावाट-घंटे की भंडारण प्रणाली के साथ 100 मेगावाट की सौर परियोजना स्थापित करेगी. कंपनी इसका उपयोग रायगढ़ स्थित अपने पीडीएच-पीपी संयंत्र की जरूरतों को पूरा करने के लिए करेगी. इन परियोजनाओं का उद्देश्य नवीकरणीय ऊर्जा क्षमता को बढ़ावा देना और एकीकृत भंडारण समाधान के माध्यम से चौबीसों घंटे बिजली आपूर्ति सुनिश्चित करना है. परियोजनाओं के चालू होने पर, गेल की स्थापित नवीकरणीय ऊर्जा क्षमता बढ़कर 1,000 मेगावाट से अधिक होने की उम्मीद है जो वर्तमान में 147 मेगावाट है.

कारोबार

मार्च में रूस से भारत का कच्चा तेल आयात तीन गुना होकर 5.3 अरब यूरो पर

नयी दिल्ली: भारत की मार्च, 2026 में रूस से कच्चे तेल की खरीद तीन गुना से अधिक होकर 5.3 अरब यूरो रही है. यह वृद्धि आयात मात्रा दोगुनी होने और वैश्विक तेल कीमतों में उछाल के कारण हुई. यूरोपीय शोध संस्था सेंटर फॉर रिसर्च ऑन एनर्जी एंड क्लीन एयर (सीआरईए) की रिपोर्ट के अनुसार, फरवरी में खरीद में गिरावट के बाद मार्च में भारत ने रूस से तेल की खरीद फिर तेज कर दी. रिपोर्ट में कहा गया कि मार्च, 2026 में भारत रूस से जीवाश्म ईंधन खरीदने वाला दूसरा सबसे बड़ा देश रहा. इस दौरान भारत ने कुल 5.8 अरब यूरो के रूसी ईंधन उत्पादों का आयात किया, जिनमें कच्चे तेल की हिस्सेदारी 91 प्रतिशत (5.3 अरब यूरो) रही. शेष आयात में कोयला (33.7 करोड़ यूरो) और पेट्रोलियम उत्पाद (17.85 करोड़ यूरो) शामिल रहे. फरवरी में भारत, रूस से ऊर्जा आयात करने वाला तीसरा सबसे बड़ा देश था और कुल आयात 1.8 अरब यूरो रहा था. उस समय कच्चे तेल की हिस्सेदारी 81 प्रतिशत (1.4 अरब यूरो) थी. कोयले की हिस्सेदारी 22.3 करोड़ यूरो और पेट्रोलियम उत्पादों की 12.1 करोड़ यूरो थी. रिपोर्ट के अनुसार, मार्च में भारत के कुल कच्चे तेल आयात में चार प्रतिशत की कमी दर्ज की गई, लेकिन रूस से आयात दोगुना हो गया. यह वृद्धि अमेरिका

द्वारा रूसी तेल पर एक महीने की प्रतिबंध छूट दिए जाने के बाद हुई. यह छूट पहले से समुद्र में मौजूद खेपों और पहले प्रतिबंधित जहाजों से हो रही आपूर्ति पर लागू थी. इसका उद्देश्य ईरान के साथ तनाव के बाद बढ़ी कीमतों को नियंत्रित करना था. इस छूट के बाद सरकारी रिफाइनरियों, जिन्होंने पहले रूस से तेल खरीद रोक दी थी, ने फिर से आयात शुरू कर दिया. रिपोर्ट में कहा गया कि मार्च में सबसे बड़ा बदलाव सरकारी रिफाइनरियों के आयात में देखा गया, जिसमें मासिक आधार पर 148 प्रतिशत की वृद्धि हुई. यह आयात मार्च, 2025 की तुलना में 72 प्रतिशत अधिक रहा, जिसका कारण वायदा बाजार में रूसी तेल की अधिक उपलब्धता बताया गया है. मैंगलुरु और विशाखापत्तनम स्थित सरकारी रिफाइनरियों ने नवंबर, 2025 के अंत में रूस से आयात रोक दिया था, लेकिन मार्च, 2026 में फिर से खरीद शुरू कर दी. फरवरी में भारत, चीन और तुर्किये के बाद तीसरा सबसे बड़ा आयातक था. रिपोर्ट के अनुसार, फरवरी में रूस से भारत के कच्चे तेल आयात में 19 प्रतिशत की कमी आई थी, जबकि कुल आयात में नौ प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई थी. इसके बावजूद रूस फरवरी में भी भारत का सबसे बड़ा कच्चा तेल आपूर्तिकर्ता बना रहा और कुल आयात में उसकी हिस्सेदारी 20 प्रतिशत थी. सीआरईए ने कहा कि रूस अपने तेल निर्यात के लिए एशियाई बाजारों, खासकर भारत और चीन, पर अत्यधिक निर्भर है. 2026 की पहली तिमाही में रूस के कुल कच्चे तेल निर्यात का 90 प्रतिशत हिस्सा इन दोनों देशों को गया. यूरोपीय संघ द्वारा 21 जनवरी, 2026 से रूसी कच्चे तेल से बने उत्पादों के आयात पर प्रतिबंध के बावजूद, मार्च में ऐसे 14 जहाजों ने यूरोपीय बंदरगाहों पर तेल उत्पाद उतारे, जो रूसी कच्चे तेल का उपयोग करने वाली रिफाइनरियों से जुड़े थे. यूरोपीय संघ द्वारा 21 जनवरी, 2026 से रूसी कच्चे तेल से बने उत्पादों के आयात पर प्रतिबंध के बावजूद, मार्च में ऐसे 14 जहाजों ने यूरोपीय बंदरगाहों पर तेल उत्पाद उतारे, जो रूसी कच्चे तेल का उपयोग करने वाली रिफाइनरियों से जुड़े थे. इनमें से नौ खेप तुर्किये की रिफाइनरियों से, चार भारत से और एक जॉर्जिया से भेजी गई थीं. कुछ जहाजों ने कई यूरोपीय बंदरगाहों पर तेल उत्पाद उतारे. फ्रांस मार्च में इन खेप का सबसे बड़ा प्राप्तकर्ता रहा, जहां चार खेप उतारी गईं, इसके बाद साइप्रस (तीन खेप) का स्थान रहा. इसके अलावा बेल्जियम, बुल्गारिया, इटली और नीदरलैंड ने भी दो-दो खेप प्राप्त कीं. रिपोर्ट में कहा गया कि सदस्य देशों की प्रवर्तन एजेंसियों को ऐसे आयात की जांच करनी चाहिए, ताकि रूसी कच्चे तेल से बने उत्पाद यूरोपीय संघ में प्रवेश न कर सकें और प्रतिबंध का उल्लंघन न हो.

वाहनों की थोक बिक्री बीते वित्त वर्ष में रिकॉर्ड 2.82 करोड़ इकाई के पार : सियाम

नयी दिल्ली: देश में मोटर वाहनों की थोक बिक्री बीते वित्त वर्ष 2025-26 में सालाना आधार पर 10.4 प्रतिशत बढ़कर रिकॉर्ड 2,82,65,519 इकाई रही. यात्री व वाणिज्यिक वाहन, दोपहिया एवं तिपहिया वाहन सहित सभी खंडों ने गत वित्त वर्ष में अब तक की सबसे अधिक बिक्री दर्ज की. माल एवं सेवा कर (जीएसटी) की दरों में कटौती इसकी मुख्य वजह रही. वाहन विनिर्माताओं के संगठन सियाम ने मंगलवार को यह जानकारी दी. सोसायटी ऑफ इंडियन ऑटोमोबाइल मैन्युफैक्चरर्स (सियाम) की ओर से जारी बयान के अनुसार, वित्त वर्ष 2024-25 में घरेलू वाहनों की कुल बिक्री 2,56,09,399 इकाई रही थी. इसमें कहा गया कि यद्यपि अर्थव्यवस्था की मजबूत बुनियाद को देखते हुए चालू वित्त वर्ष के लिए दृष्टिकोण सकारात्मक है, लेकिन अगर पश्चिम एशिया युद्ध लंबा चलता है तो इसका मांग, आपूर्ति श्रृंखला और वाहन उत्पादन पर असर पड़ सकता है. सियाम के अध्यक्ष शैलेश चंद्रा ने यहां पत्रकारों से कहा, ''हालांकि, वित्त वर्ष 2025-26 की शुरुआत मामूली रही लेकिन भारतीय मोटर वाहन उद्योग ने वर्ष का समापन शानदार तरीके से किया है. इसमें यात्री वाहन, वाणिज्यिक वाहन, तिपहिया वाहन और दोपहिया वाहन सभी श्रेणियों ने सात वर्ष में किसी एक वित्त वर्ष में अपनी अब तक की सबसे अधिक बिक्री दर्ज की है.'' उन्होंने कहा कि आखिरी बार सभी खंडों में 2018-19 में सर्वाधिक बिक्री दर्ज की गई थी. वित्त वर्ष 2025-26 में यात्री वाहनों की थोक बिक्री 46,43,439 इकाई रही जो 2024-25 के 43,01,848 इकाई के मुकाबले 7.9 प्रतिशत अधिक है. वित्त वर्ष 2025-26 में दोपहिया वाहनों की थोक बिक्री 10.7 प्रतिशत बढ़कर 2,17,05,974 इकाई रही जो वित्त वर्ष 2024-25 में 1,96,07,332 इकाई थी. सियाम के अनुसार, मोटरसाइकिल की बिक्री वित्त वर्ष 2025-26 में 6.6 प्रतिशत बढ़कर 1,30,64,789 इकाई हो गई, जो वित्त वर्ष 2024-25 में 1,22,52,305 इकाई थी. वहीं स्कूटर की बिक्री 18.5 प्रतिशत बढ़कर 81,17,945 इकाई रही जबकि वित्त वर्ष 2024-25 में यह 68,53,214 इकाई थी. वाणिज्यिक वाहन खंड में वित्त वर्ष 2025-26 में 10,79,871 इकाई की बिक्री हुई जो गत वित्त वर्ष की 9,58,679 इकाई के मुकाबले 12.6 प्रतिशत अधिक है. सियाम ने बताया कि वित्त वर्ष 2025-26 में तिपहिया वाहनों की थोक बिक्री 12.8 प्रतिशत बढ़कर 8,36,231 इकाई रही जो वित्त वर्ष 2024-25 में 7,41,420 इकाई थी.

जस्ट डायल का चौथी तिमाही में शुद्ध लाभ 37 प्रतिशत घटकर 100 करोड़ रुपये

नयी दिल्ली: सर्च इंजन कंपनी जस्ट डायल लिमिटेड का वित्त वर्ष 2025-26 की जनवरी-मार्च तिमाही में एकीकृत शुद्ध लाभ 36.54 प्रतिशत की गिरावट के साथ 100 करोड़ रुपये रह गया. कंपनी ने वित्त वर्ष 2024-25 की समान तिमाही में 157.6 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ कमाया था. कंपनी ने बताया कि समीक्षाधीन तिमाही में उसकी परिचालन आय 6.23 प्रतिशत बढ़कर 307.24 करोड़ रुपये हो गई, जो वित्त वर्ष 2024-25 की इसी अवधि में 289.2 करोड़ रुपये थी. कंपनी का नियंत्रण उद्योगपति मुकेश अंबानी के नेतृत्व वाली रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड (आरआईएल) की खुदरा इकाई रिलायंस रिटेल वेंचर्स द्वारा किया जाता है. वित्त वर्ष 2025-26 की चौथी तिमाही में कंपनी की वेबसाइट पर कुल उपयोगकर्ताओं की संख्या 18.24 करोड़ रही, जो सालाना आधार पर 4.7 प्रतिशत और तिमाही आधार पर 1.2 प्रतिशत कम है.

न्यूज कॉर्नर

वित्तीय संस्थानों और कई बिल्डर के बीच गठजोड़ मामले में आठ राज्यों में सीबीआई की छापेमारी

नई दिल्ली: केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) ने विभिन्न बिल्डर और वित्तीय संस्थानों के बीच गठजोड़ के मामले में मंगलवार को आठ राज्यों में 77 स्थानों पर छापेमारी की. अधिकारियों ने यह जानकारी दी. अधिकारियों ने बताया कि छापेमारी दिल्ली,चेन्नई, पुडुचेरी, बेंगलुरु और अन्य स्थानों पर की गई. सुप्रीम कोर्ट ने इस मामले को सीबीआई को सौंप दिया था और कोर्ट ने 29 अप्रैल 2025 को एजेंसी को सुपरटेक लिमिटेड सहित राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीआर) में विभिन्न बिल्डर के खिलाफ सात प्राथमिकी दर्ज करने का निर्देश दिया था. वर्ष के अंत में कोर्ट ने सीबीआई को एनसीआर में उन 22 मामलों को दर्ज करने का निर्देश दिया, जिनमें अनुदान योजना का उपयोग करके घर खरीदने वालों से धोखाधड़ी की गई थी. सुप्रीम कोर्ट ने पिछले साल 23 सितंबर को सीबीआई को मुंबई, बेंगलुरु, कोलकाता, मोहाली और प्रयागराज में रियल एस्टेट परियोजनाओं में घर खरीदाने वालों से धोखाधड़ी करने के लिए बैंक और डेवलपर्स के बीच 'नापाक गठजोड़' के संबंध में छह और नियमित मामले दर्ज करने की अनुमति दी थी.

यौन उत्पीड़न के खिलाफ़ प्रदर्शन के दौरान उपद्रव के मामले में आठ गिरफ्तार

श्रीनगर: जम्मू कश्मीर के बारामूला जिले में अध्यापक द्वारा एक छात्रा के कथित यौन उत्पीड़न के खिलाफ हो रहे प्रदर्शन के दौरान कथित तौर पर उपद्रव करने के मामले में पुलिस ने आठ लोगों को गिरफ्तार किया है. अधिकारियों ने मंगलवार को यह जानकारी दी. पुलिस के अनुसार, सोपोर के एक उच्च माध्यमिक विद्यालय की छात्रा के यौन उत्पीड़न के आरोप में एक वरिष्ठ अध्यापक को सोमवार को गिरफ्तार किया गया था. पुलिस ने अपने 'एक्स' हैंडल से ये जानकारी दी कि छात्रों के विरोध प्रदर्शन के दौरान उपद्रव में शामिल 8 उपद्रवी तत्वों को सोपोर पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है; तथा अन्य 25 की पहचान कर ली गयी है. पुलिस ने कहा कि शांति व्यवस्था बिगाड़ने वालों के खिलाफ़ कठोर कार्रवाई की जाएगी. एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने जानकारी दी कि यौन उत्पीड़न की शिकायत के आधार पर अध्यापक गुलाम हुसैन मीर के खिलाफ़ मामला दर्ज कर लिया गया है. सोमवार को मामला सामने आने के बाद छात्रों ने विरोध प्रदर्शन किया, हालांकि कुल मिलाकर स्थिति शान्त रही. शिक्षा विभाग के निदेशक ने मीर को निलंबित कर दिया है तथा जांच के आदेश दिये हैं. विभाग के संयुक्त निदेशक (उत्तर कश्मीर) को मामले के जांच अधिकारी के रूप में नियुक्त किया गया है, तथा 15 दिन में रिपोर्ट जमा करने के लिए कहा गया है.

रेस्तरां में कुर्सी पर बैठने पर दलित पिता-पुत्र और वनवासी छात्र से मारपीट; चार लोगों पर मुकदमा

भदोही (उप्र): भदोही जिले के गोपीगंज इलाके में वनवासी समाज के एक छात्र और दलित पिता-पुत्र से एक रेस्तरां में समोसा खाने के लिए कथित रूप से कुर्सी पर बैठ जाने से नाराज चार लोगों ने मारपीट और अपशब्द कहे. पुलिस के एक अधिकारी ने मंगलवार को यह जानकारी दी. पुलिस क्षेत्राधिकारी प्रभात राय ने बताया कि इस संबंध में 20 वर्षीय छात्र धर्मेंद्र वनवासी की तहरीर पर सोमवार शाम रेस्तरां मालिक जोखू राम प्रजापति और उसके बेटों मुरलीधर व कन्हैया लाल तथा पौत्र मोहित के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया है. राय ने दर्ज रिपोर्ट के हवाले से बताया कि सुंदरपुर इलाके में 10 अप्रैल शाम को संसारापुर गांव का निवासी धर्मेंद्र वनवासी कोचिंग से लौटते वक्त रास्ते में एक दुकान पर कुछ खाने के लिये रुका था. उन्होंने बताया कि वहां पहले से ही अनुसूचित जाति के कन्हैया लाल और उनका बेटा सूर्या बैठकर जलपान कर रहे थे. पुलिस क्षेत्राधिकारी के मुताबिक धर्मेंद्र ने आरोप लगाया है कि वह समोसा लेकर एक कुर्सी पर बैठ गया तभी दुकान मालिक जोखू राम प्रजापति, उसके बेटे मुरलीधर, कन्हैया लाल तथा पौत्र मोहित भड़क गए और जातिसूचक शब्द बोलते हुए मारपीट की. राय ने बताया कि धर्मेंद्र का कहना है कि उसके साथ मारपीट का जब कन्हैया लाल और उनके बेटे सूर्या ने विरोध किया तो दुकान मालिक ने उन्हें भी जातिसूचक शब्द कहे और मारपीट की. उन्होंने बताया कि शिकायत के आधार पर मुकदमा दर्ज कर विधिक कार्रवाई की जा रही है.

निजी चिकित्सकों की एक दिवसीय हड़ताल के कारण राजस्थान में स्वास्थ्य सेवाएं बाधित

जयपुर: जयपुर में एक अस्पताल निदेशक की गिरफ्तारी के विरोध में चिकित्सकों की एक दिवसीय हड़ताल के कारण मंगलवार को राजस्थान के निजी अस्पतालों में चिकित्सा सेवाएं प्रभावित रहीं. भारतीय चिकित्सा संघ (आईएमए) की राजस्थान इकाई के आह्वान पर निजी अस्पताल और नर्सिंग होम मंगलवार सुबह आठ बजे से बुधवार सुबह आठ बजे तक हड़ताल पर हैं. जयपुर में निजी अस्पताल बाह्य रोगी विभाग (ओपीडी) सेवाओं के लिए सुबह से ही बंद थी. हालांकि, पहले से भर्ती मरीजों का इलाज जारी रहा. राज्य के निजी अस्पतालों में हड़ताल का असर साफ दिखाई दिया. कुछ अस्पतालों ने आपातकालीन सेवाएं भी निलंबित कर दीं. हड़ताल को देखते हुए प्राधिकारियों ने सरकारी अस्पतालों में व्यवस्थाएं मजबूत कर दीं.कई अस्पतालों में दिनभर के लिए ओपीडी सेवाएं निलंबित रहने की मरीजों को जानकारी देने वाले नोटिस लगाए गए. अस्पताल पहुंचे कुछ मरीजों को पूछताछ करते और फिर सरकारी अस्पतालों की ओर जाते देखा गया. 'प्राइवेट हॉस्पिटल्स एंड नर्सिंग होम्स एसोसिएशन' के अध्यक्ष डॉ विजय कपूर ने कहा, यह प्रतीकात्मक हड़ताल है, आगे और आंदोलन हो सकता है. आईएमए और 'प्राइवेट हॉस्पिटल्स एंड नर्सिंग होम्स एसोसिएशन' ने आपात बैठक कर 24 घंटे के लिए सेवाएं निलंबित करने का निर्णय लिया था. यह निर्णय जयपुर में एक निजी अस्पताल निदेशक डॉ. सोनदेव बंसल की गिरफ्तारी के विरोध में लिया गया. पुलिस ने उन्हें कथित धोखाधड़ी मामले में जयपुर से गिरफ्तार किया था. निजी अस्पतालों ने राजस्थान सरकार स्वास्थ्य योजना (आरजीएचएस) को भी अनिश्चितकाल के लिए निलंबित कर दिया है. हड़ताल कर रहे चिकित्सकों ने राज्य सरकार से इस योजना के तहत बकाया भुगतान जारी करने की मांग की है. डॉ. कपूर ने बताया कि राज्य में लगभग 3,000 निजी अस्पताल और नर्सिंग होम हैं.

सड़क, रेलवे व अन्य इंफ्रास्ट्रक्चर देश की 'भाग्य रेखाएं' होती हैं: मोदी

देहरादून: प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मंगलवार को बहुप्रतीक्षित दिल्ली-देहरादून आर्थिक गलियारे का उद्घाटन करते हुए कहा कि सड़क, रेलवे और अन्य इंफ्रास्ट्रक्चर देश की भाग्य रेखाएं होती हैं और बीते एक दशक में भारत इनका व्यापक निर्माण कर रहा है. उन्होंने कहा कि यह परियोजना उत्तराखंड के विकास को नई गति देने के साथ-साथ उत्तर प्रदेश के कई शहरों के लिए भी लाभकारी साबित होगी. प्रधानमंत्री ने देहरादून में उद्घाटन समारोह में कहा कि उत्तराखंड अपनी स्थापना के 25 वर्ष पूरे कर 26वें वर्ष में प्रवेश कर चुका है और इस अवसर पर दिल्ली-देहरादून एक्सप्रेस-वे का उद्घाटन राज्य की प्रगति में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है. उन्होंने अपने पूर्व कथन को दोहराते हुए कहा कि यह दशक उत्तराखंड का दशक होगा और 'डबल इंजन' सरकार की नीतियों तथा राज्य के लोगों के परिश्रम से यह संभव होता दिख रहा है. उन्होंने कहा कि यह आर्थिक गलियारा उत्तर प्रदेश के गाजियाबाद, बागपत, बड़ौत, शामली और सहारनपुर जैसे शहरों से होकर गुजरता है, जिससे इन क्षेत्रों को भी व्यापक लाभ मिलेगा. पर्यटन के दृष्टिकोण से इसे अत्यंत महत्वपूर्ण बताते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि इससे देहरादून, हरिद्वार, ऋषिकेश, मसूरी और चारधाम यात्रा को नई गति मिलेगी. प्रधानमंत्री ने इंफ्रास्ट्रक्चर को राष्ट्र के भविष्य से जोड़ते हुए कहा कि जैसे लोग हाथ की रेखाओं से भविष्य देखते हैं, वैसे ही किसी राष्ट्र की भाग्य रेखाएं उसकी सड़कें, हाई-वे, रेलवे, एयरवेज और वाटरवेज होती हैं. उन्होंने कहा कि ये केवल वर्तमान की सुविधाएं नहीं, बल्कि आने वाली पीढ़ियों की

प्रधानमंत्री ने दिल्ली-देहरादून आर्थिक गलियारे का किया उद्घाटन

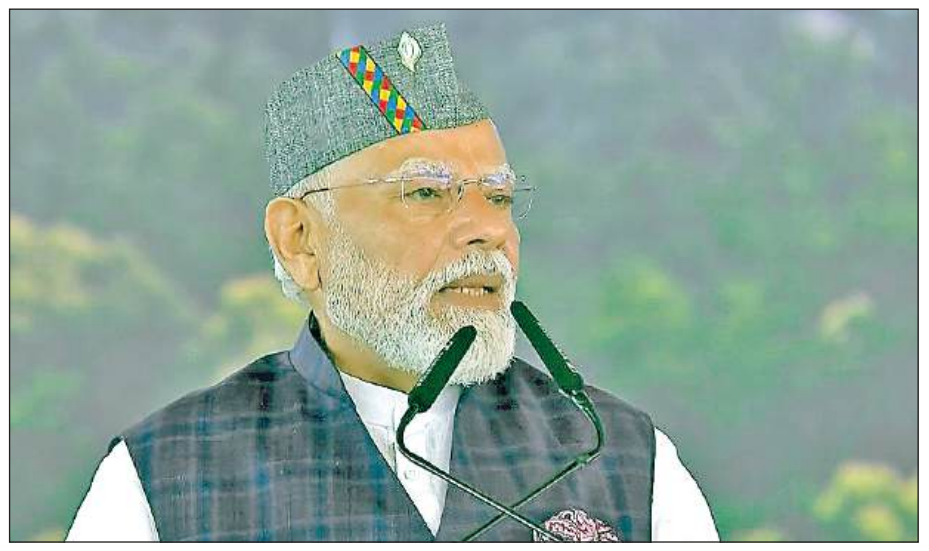

समृद्धि की गारंटी हैं.

प्रधानमंत्री ने पर्यावरण संरक्षण पर भी जोर देते हुए कहा कि देवभूमि की पवित्रता बनाए रखना सभी की जिम्मेदारी है. उन्होंने पर्यटकों और श्रद्धालुओं से अपील की कि वे प्राकृतिक स्थलों को स्वच्छ रखें और प्लास्टिक तथा कचरे से इन क्षेत्रों को प्रदूषित न करें. उन्होंने कहा कि अगले वर्ष हरिद्वार में कुंभ का आयोजन होना है, जिसे दिव्य, भव्य और स्वच्छ बनाने के लिए सभी को मिलकर प्रयास करना होगा. प्रधानमंत्री ने इस अवसर पर डॉ. अंबेडकर की जयंती पर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कहा कि उनकी सरकार संविधान की भावना को सशक्त करने के लिए लगातार कार्य कर रही है. उन्होंने कहा कि अनुच्छेद 370 हटने के बाद पूरे देश में एक संविधान लागू हुआ है और कई नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में भी अब शांति और विकास का मार्ग प्रशस्त हुआ है. प्रधानमंत्री ने अपने संबोधन में नारी शक्ति वंदन अधिनियम का भी विशेष रूप से उल्लेख किया और सभी राजनीतिक दलों से अधिनियम में संशोधन का समर्थन करने की अपील दोहराई. उन्होंने कहा कि चार दशकों के इंतजार के बाद संसद ने नारी शक्ति वंदन अधिनियम पारित किया था. इससे लोकसभा और विधानसभाओं में महिलाओं के लिए 33 प्रतिशत आरक्षण तय हो गया है. सभी दलों ने आगे आकर इस महत्वपूर्ण कानून को समर्थन दिया. महिलाओं को जो यह हक मिला है, इस हक को लागू होने में देरी नहीं होनी चाहिए. अब यह लागू होना चाहिए. 2029 में लोकसभा के चुनाव होंगे और उसके बाद विधानसभा के भी चुनाव आते रहेंगे. 2029 से पहले यह लागू हो जाना चाहिए. यह देश की भावना है. यह नारी शक्ति की इच्छा है. यह न केवल महिलाओं के सशक्तीकरण की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है, बल्कि देश के समग्र विकास के लिए भी आवश्यक है.

उन्होंने समान नागरिक संहिता की दिशा में उत्तराखंड के प्रयासों की सराहना करते हुए इसे संविधान की अपेक्षा बताया. साथ ही उन्होंने नारी शक्ति वंदन अधिनियम का उल्लेख करते हुए सभी राजनीतिक दलों से इसे प्रभावी रूप से लागू करने में सहयोग की अपील की, ताकि महिलाओं को उनका अधिकार मिल सके.

तीन विधेयक लाएगी सरकार, लोकसभा सदस्य संख्या बढ़ेगी, परिसीमन आयोग का होगा गठन

नई दिल्ली: केंद्र सरकार संसद की आगामी तीन दिवसीय विशेष बैठक में तीन विधेयक पारित कराने जा रही है. सरकार की ओर से सांसदों को विधेयकों की प्रतियां भेजी गईं हैं. इसमें संविधान (131वां संशोधन) विधेयक-2026, परिसीमन विधेयक-2026 और केंद्रशासित प्रदेशों से जुड़ा संशोधन विधेयक शामिल है.

विधेयकों का उद्देश्य जनगणना के आधार पर परिसीमन करना (सीटों का पुनर्निधारण), लोकसभा की सीटों को 543 से बढ़ाकर 830 करना और महिलाओं को केंद्र एवं राज्य विधानसभाओं में 33 प्रतिशत सीटें आरक्षित करना है.संविधान (131वां संशोधन) विधेयक-2026 - लोकसभा में राज्यों से अधिकतम 815 सीटें और केंद्रशासित प्रदेशों से अधिकतम 35 सीटों तक बढ़ाने का प्रावधान करता है. इसके अलावा इसमें जनसंख्या की परिभाषा में बदलाव का प्रावधान है. इससे नवीनतम जनगणना के आधार पर निर्वाचन क्षेत्रों का पुनर्निर्धारण सक्षम होगा. परिसीमन

विधेयक-2026 से एक आयोग का गठन होगा. यह आयोग नवीनतम जनगणना के आंकड़ों के आधार पर लोकसभा और राज्य विधानसभाओं की सीटों के आवंटन और निर्वाचन क्षेत्रों के विभाजन का मसौदा तैयार करेगा. आयोग में सुप्रीम कोर्ट के वर्तमान या पूर्व न्यायाधीश अध्यक्ष होंगे. विधेयक के माध्यम से लोकसभा और राज्य विधानसभाओं में महिलाओं के लिए लगभग एक-तिहाई सीटों का आरक्षण सुनिश्चित होगा.

नोएडा में न्यूनतम वेतन वृद्धि की घोषणा के बाद भी श्रमिकों का प्रदर्शन जारी, अब तक 300 लोग गिरफ्तार

नोएडा: न्यूनतम वेतन बढ़ोतरी की घोषणा के बाद भी नोएडा में श्रमिकों का आंदोलन मंगलवार को भी जारी रहा जहां कुछ इलाकों में पथराव और तोड़फोड़ की घटनाएं सामने आईं, जबकि कई औद्योगिक क्षेत्रों में कारखानों के बाहर धरना-प्रदर्शन किया गया. अधिकारियों ने यह जानकारी दी. इससे पहले, गौतमबुद्ध नगर की पुलिस आयुक्त लक्ष्मी सिंह ने संवाददाताओं को बताया कि श्रमिकों के हिंसक प्रदर्शन के सिलसिले में अब तक 300 से अधिक लोगों को गिरफ्तार किया गया है और सात प्राथमिकी दर्ज की गई हैं. तनावपूर्ण माहौल के बीच अधिकांश औद्योगिक इकाइयों में कामकाज ठप रहा और करीब 80 प्रतिशत उद्योगपतियों ने एहतियातन अपनी इकाइयां बंद रखीं. शहर की क्लियो काउंटी सोसाइटी के पास मंगलवार को प्रदर्शनकारियों ने पथराव किया और सार्वजनिक संपत्ति को नुकसान पहुंचाया. इस दौरान पुलिस पर भी हमला किया गया. पुलिस ने मौके पर पहुंचकर स्थिति को नियंत्रित किया. सेक्टर-80 में भी प्रदर्शनकारियों का रुख उग्र रहा, हालांकि पुलिस ने हालात पर काबू पा लिया.

अधिकारियों ने बताया कि सेक्टर-70 में उपद्रव के आरोप में 15 से अधिक लोगों को हिरासत में लिया गया है.

अपर पुलिस आयुक्त (कानून-व्यवस्था) राजीव नारायण मिश्र ने कहा, छिटपुट घटनाओं को छोड़कर स्थिति नियंत्रण में है. सरकार द्वारा वेतन वृद्धि और अन्य मांगों पर निर्णय लिए जाने के बाद श्रमिक शांतिपूर्वक काम पर लौट गए हैं. पुलिस आयुक्त ने कहा कि कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए सुबह से ही लगातार मार्च निकाले जा रहे हैं. उन्होंने कहा, सुबह 5:00 बजे से लगातार मार्च निकाले जा रहे हैं. आज सुबह श्रमिक तीन स्थानों पर इकट्ठा हुए; तत्काल संवाद के बाद उन्हें मात्र 15 मिनट के भीतर शांतिपूर्वक तरीके से हटा दिया गया. पुलिस आयुक्त ने कहा, पिछले दो दिन में कई व्हॉट्सऐप समूह बनाए गए हैं, जिनके माध्यम से क्यूआर कोड स्कैन करके श्रमिकों को जोड़ा जा रहा है. इससे संकेत मिलता है कि इन गतिविधियों के पीछे एक संगठित और सुनियोजित नेटवर्क सक्रिय है. सिंह ने कहा कि अशांति फैलाने में शामिल व्यक्तियों की पहचान कर उन्हें गिरफ्तार कर लिया गया है और कार्रवाई जारी है. उन्होंने कहा, भीड़ में शामिल ऐसे तत्वों की पहचान कर उन्हें गिरफ्तार किया गया है; भविष्य में भी गिरफ्तारियां की जाएंगी. उनके वित्तीय स्रोतों की भी जांच की जाएगी. यदि यह पाया जाता है कि उन्हें राज्य या देश के बाहर से आर्थिक सहायता मिली है, तो इस संबंध में भी उचित कार्रवाई की जाएगी. अधिकारियों ने यह भी बताया कि राज्य सरकार ने सभी श्रेणियों के मजदूरों के लिए न्यूनतम मजदूरी बढ़ा दी है और संशोधित दरें एक अप्रैल से प्रभावी मानी जाएंगी. इस बीच, सरकार ने सोशल मीडिया पर प्रसारित उन खबरों को फर्जी और भ्रामक करार दिया, जिनमें दावा किया गया था कि श्रमिकों के लिए 20,000 रुपये प्रतिमाह की समान न्यूनतम मजदूरी तय कर दी गई है.

पंचायत चुनावों में देरी कर रही राजस्थान सरकार: सचिन पायलट

जयपुर: कांग्रेस के वरिष्ठ नेता सचिन पायलट ने राजस्थान में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेतृत्व वाली सरकार पर राज्य में पंचायत चुनावों के आयोजन में जानबूझकर देरी करने का मंगलवार को आरोप लगाया. पायलट ने संवाददाताओं से बातचीत में स्थानीय निकाय चुनावों में देरी पर चिंता जताते हुए कहा कि सरकार अदालत के निर्देशों के बावजूद चुनाव टालने की कोशिश कर रही है. उन्होंने कहा, सत्तारूढ़ पार्टी को हार का डर है, इसलिए वह जानबूझकर स्थानीय निकाय चुनावों में देरी कर रही है. पायलट ने आरोप लगाया कि सरकार को न तो अदालत के निर्देशों की परवाह है और न ही राज्य की जनता की. उन्होंने कहा, उच्च न्यायालय ने 15 अप्रैल की समयसीमा दी थी,

इसके बावजूद चुनावों को किसी न किसी बहाने टालने की कोशिश की जा रही है.

कांग्रेस नेता ने कहा कि महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम (मनरेगा) के तहत ग्रामीण रोजगार कार्य ठप हो गए हैं, जिससे लोगों को परेशानी हो रही है. उन्होंने कहा कि कांग्रेस हमेशा महिलाओं को आरक्षण दिलाने के लिए प्रतिबद्ध रही है और पार्टी ने केंद्र में तत्कालीन प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह के नेतृत्व वाली संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन (संप्रग) सरकार के दौरान सोनिया गांधी की अगुवाई में एक विधेयक पेश किया था.

पंजाब में सीमा पार से हथियारों की तस्करी करने वाले गिरोह का भंडाफोड़, तीन लोग गिरफ्तार

चंडीगढ़: पंजाब पुलिस ने सीमा पार से हथियारों की तस्करी करने वाले एक गिरोह का भंडाफोड़ करते हुए तीन लोगों को गिरफ्तार किया है और उनके पास से छह पिस्तौल बरामद की हैं. पुलिस के एक अधिकारी ने यह जानकारी दी. पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) गौरव यादव ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा कि प्रारंभिक जांच से पता चला है कि आरोपी सोशल मीडिया मंचों के जरिए पाकिस्तान स्थित तस्करों के संपर्क में थे और अवैध हथियारों की तस्करी में मदद कर रहे थे. उन्होंने कहा कि वे हथियारों की खेप हासिल करने के बाद उसे पंजाब में आपराधिक तत्वों तक पहुंचाते थे. उन्होंने बताया कि अमृतसर पुलिस ने उनके पास से छह पिस्तौल भी बरामद की हैं.

हरिद्वार कुंभ स्नान की तिथियां घोषित

मेष संक्रांति 14 अप्रैल 2027 को होगा प्रमुख अमृत स्नान

हरिद्वार: धर्मनगरी में अगले वर्ष होने वाले कुंभ पर्व के स्नान की तिथियां कुंभ मेला प्रशासन ने घोषित कर दी हैं. कुंभ का प्रमुख अमृत स्नान 14 अप्रैल 2027 को मेष संक्रांति पर होगा. कुंभ में स्नान पर्व की तिथियों की जानकारी देते हुए कुंभ मेला अधिकारी सोनिका ने बताया कि 14 अप्रैल 2027 को मकर संक्रांति के प्रमुख अमृत स्नान के अलावा महाशिवरात्रि का अमृत स्नान 6 मार्च 2027 को जबकि फागुन अमावस्या का अमृत स्नान 8 मार्च 2027 को होगा. उन्होंने बतायाकि इन तीन प्रमुख स्नान के अलावा 14 जनवरी 2027 मकर संक्रांति, 6 फरवरी 2027 मौनी अमावस्या, 11 फरवरी 2027 बसंत पंचमी, 20

फरवरी 2027 माघ पूर्णिमा, 7 अप्रैल 2027 नव संवत्सर, 15 अप्रैल 2027 श्रीरामनवमी तथा 20 अप्रैल 2027 चैत्र पूर्णिमा को भी कुम्भ स्नान की तिथियां में शामिल किया गया है.

लेबनान-इजराइल वार्ता से दूरी बनाएगा हिज्बुल्ला, समझौतों को मानने से इनकार

बेरूत: लेबनान के चरमपंथी समूह हिज्बुल्ला ने अमेरिका में लेबनान और इजराइल के बीच होने वाली प्रत्यक्ष वार्ताओं के परिणामस्वरूप होने वाले किसी भी समझौते को मानने से इनकार कर दिया है. चरमपंथी समूह के एक वरिष्ठ अधिकारी ने सोमवार को यह जानकारी दी. हिज्बुल्ला की राजनीतिक परिषद के उच्चस्तरीय सदस्य वाफिक सफा ने वाशिंगटन में लेबनान और इजराइल के राजदूतों के बीच संभावित वार्ताओं की पूर्व संध्या पर यह बात कही. दशकों में ऐसा पहली बार होगा जब दोनों देशों के राजदूत आमने-सामने बैठकर वार्ता करेंगे. दोनों देशों के बीच राजनयिक संबंध नहीं हैं.

सफा ने समाचार एजेंसी एसोसिएटेड प्रेस से कहा, लेबनान और दुश्मन इजराइल के बीच

इस वार्ता के परिणामों की जहां तक बात है तो हम उनकी कतई परवाह नहीं करते और न ही हम इसे लेकर किसी तरह चिंतित हैं. उन्होंने विदेशी मीडिया से बात करते हुए कहा, उनके बीच जो भी समझौता हो, वह हम पर बाध्यकारी नहीं होगा. लेबनानी अधिकारी इस वार्ता के जरिए इजराइल-हिज्बुल्ला संघर्ष में युद्धविराम कराने की कोशिश कर रहे हैं.

वहीं इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू का कहना है कि उनका लक्ष्य हिज्बुल्ला का निरस्त्रीकरण और लेबनान-इजराइल के बीच संभावित शांति समझौता है. नेतन्याहू की प्रवक्ता शोश बेद्रोसियन ने सोमवार को कहा कि हिज्बुल्ला के साथ कोई युद्धविराम नहीं होगा. इसी बीच, पिछले सप्ताह पाकिस्तान में हुई अमेरिका-ईरान वार्ता में ईरान ने अपने किसी भी संभावित युद्धविराम समझौते में लेबनान को शामिल करने की कोशिश की, लेकिन अमेरिका और इजराइल ने इसे खारिज कर दिया.

भारत के साथ संबंधों को बेहतर बनाने की नीति में कोई बदलाव नहीं हुआ है : चीन

बीजिंग: चीन ने अरुणाचल प्रदेश के विभिन्न क्षेत्रों के लिए नए नाम प्रकाशित करने के अपने कदम का बचाव करते हुए मंगलवार को कहा कि भारत के साथ संबंधों को बेहतर बनाने की उसकी नीति में कोई बदलाव नहीं हुआ है. भारत ने चीन द्वारा भारतीय क्षेत्र को काल्पनिक नाम देने के प्रयासों को रविवार को सिरे से खारिज कर दिया और कहा कि इस तरह के बेबुनियाद विमर्श गढ़ने की कोशिशें वास्तविकता को नहीं बदल सकतीं और द्विपक्षीय संबंधों को सामान्य बनाने के प्रयासों को पटरी से उतार सकती हैं. भारत की तीखी प्रतिक्रिया बीजिंग द्वारा अक्साई चिन में एक तीसरा नया प्रशासनिक क्षेत्र स्थापित करने की पृष्ठभूमि में आई है. इस इलाके को भारत अपना संप्रभु क्षेत्र मानता है. विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा, चीन की ओर से भारत के क्षेत्रों का काल्पनिक नाम देने के किसी भी

प्रयास को भारत सिरे से खारिज करता है.

जायसवाल की टिप्पणियों पर प्रतिक्रिया देते हुए, चीनी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता गुओ जियाकुन ने यहां प्रेस वार्ता में कहा कि जांगनान चीन का क्षेत्र है, और चीन ने कभी भी तथाकथित अरुणाचल प्रदेश को मान्यता नहीं दी है. जांगनान अरुणाचल प्रदेश का चीनी नाम है. चीन अरुणाचल प्रदेश को दक्षिणी तिब्बत का हिस्सा होने का दावा करता है. गुओ ने अरुणाचल प्रदेश के लिए नाम प्रकाशित करने के बीजिंग के कदम का बचाव करते हुए कहा कि जांगनान क्षेत्र में कुछ स्थानों के नामों को मानकीकृत करना पूरी तरह से चीन की संप्रभुता के अंतर्गत आता है. उन्होंने कहा कि वर्तमान में चीन-भारत संबंध सामान्यतः स्थिर हैं. गुओ ने कहा कि चीन-भारत संबंधों को बेहतर बनाने और विकसित करने के लिए चीन की नीति में कोई बदलाव नहीं हुआ है.

गुओ ने कहा, हम आशा करते हैं कि दोनों पक्ष एक ही दिशा में काम करेंगे और द्विपक्षीय संबंधों के लिए अधिक अनुकूल कदम उठाएंगे. चीन के शिनजियांग उइगुर स्वायत्त क्षेत्र ने 26 मार्च को सेनलिंग काउंटी के गठन की घोषणा की, जो पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) और अफगानिस्तान के निकट स्थित एक रणनीतिक क्षेत्र है. यह भारत से लगी वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) के पश्चिमी क्षेत्र के भी करीब है.

रूबी पार्क पब्लिक स्कूल ने भव्य प्रदर्शन के साथ बंगाली नव वर्ष का किया स्वागत

युवा शक्ति न्यूज़

कोलकाता : रूबी पार्क पब्लिक स्कूल ने सांस्कृतिक वैभव और कलात्मक प्रतिभा के भव्य प्रदर्शन के साथ बंगाली नव वर्ष का स्वागत किया. प्रधानाचार्या श्रीमती मौसमी महापात्र जी की गरिमामय उपस्थिति में, उत्सव का शुभारंभ पवित्र दीपक प्रज्ज्वलन के साथ हुआ, जिसके बाद भावपूर्ण गायन, प्रेरक भाषण और मनमोहक नृत्य प्रस्तुतियाँ हुईं. प्रत्येक प्रस्तुति बंगाल की समृद्ध विरासत को श्रद्धांजलि थी, साथ ही राष्ट्र की विविध सांस्कृतिक विविधता को भी दर्शाती थी. उत्साह, एकजुटता और नई आकांक्षाओं का माहौल पूरे समारोह में छा गया. प्रत्येक प्रतिभागी के प्रति हार्दिक आभार व्यक्त करते हुए, राष्ट्रगान के साथ कार्यक्रम का भव्य समापन हुआ. शुभ नववर्षो की गूँज हवा में गूँजती रही, जो आने वाले वर्ष में समृद्धि, शांति और सामूहिक कल्याण के लिए एक शुभ आह्वान थी. सभा को संबोधित करते हुए प्रधानाचार्या श्रीमती मौसमी महापात्र जी ने कहा, यह अवसर केवल एक पंचांग चक्र की शुरुआत से कहीं अधिक महत्वपूर्ण है; यह हमारी जड़ों, हमारी साझा भावना और हमारी आकांक्षाओं का प्रतीक है.

द्रमुक के शासन में सांस्कृतिक राजधानी 'अपराध की राजधानी' में तब्दील हो रही : जेपी नड्डा

चेन्नई: केंद्रीय स्वास्थ्य, परिवार कल्याण, रसायन एवं उर्वरक मंत्री जगत प्रकाश नड्डा ने मंगलवार को यहां कहा कि द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक) एक परिवारवादी पार्टी है जिसके शासन में चेन्नई एक सांस्कृतिक राजधानी से 'अपराध की राजधानी' में तब्दील हो रही है जो पूरे देश के लिए चिंता का विषय है. श्री नड्डा ने तमिलनाडु की राजधानी में पुथांडु (तमिल नववर्ष) और डॉ. भीमराव अंबेडकर की 135वीं जयंती के शुभ अवसर पर तमिलनाडु विधानसभा चुनाव 2026 के लिए अपना दृष्टिपत्र 'कमल के वादे 2026' को जारी करने के बाद समारोह को संबोधित करते हुए यह बात कही. उन्होंने राज्य की वर्तमान स्थिति पर चिंता व्यक्त करते हुए सत्तारूढ़ द्रमुक सरकार पर कड़ा प्रहार किया. उन्होंने कहा, हम भारतीयों को तमिलनाडु पर बहुत गर्व है क्योंकि यह दुनिया की सबसे प्राचीन सभ्यताओं में से एक का उद्गम स्थल है लेकिन मौजूदा द्रमुक सरकार के शासन में यह सांस्कृतिक राजधानी 'अपराध की राजधानी' में तब्दील हो रही है, जो गंभीर चिंता का विषय है. श्री नड्डा ने कहा कि जब वह वंशवादी परिवार की बात करते हैं तो यह एक परिवार की ओर से संचालित पार्टी है जहां स्टालिन शीर्ष पर हैं, उदयनिधि उत्तराधिकारी हैं, कनिमोझी सहयोगी हैं. उन्होंने सवाल किया कि पार्टी इसी तरह चलती है? यह पारिवारिक शासन है. द्रमुक ने महिलाओं, युवाओं और समाज के हाशिए पर रहने वाले वर्गों के विश्वास को धोखा दिया है. घोषणापत्र के शुभारंभ के दौरान पुथांडु के अवसर पर बधाई देते हुए केन्द्रीय मंत्री ने कहा कि इस शुभ अवसर पर तमिलनाडु में अपने भाई-बहनों के साथ रहना उनके लिए अत्यंत प्रसन्नता का विषय है. यह नववर्ष आप सभी के लिए खुशियां, समृद्धि और अच्छे स्वास्थ्य लेकर आए. भारत रत्न डॉ भीमराव अंबेडकर को श्रद्धांजलि देते हुए श्री नड्डा ने कहा कि विधि क्षेत्र और सामाजिक न्याय में उनके अद्वितीय योगदान से हमें निरंतर प्रेरणा मिलती रहेगी.

इस बार बंगाल चुनाव में लापरवाही या हिंसा पर जीरो टॉलरेंस अपनाएगा आयोग, अधिकारियों को दिए गए हैं सख्त निर्देश

कोलकाताः पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव के मद्देनजर निर्वाचन अधिकारियों ने राज्य में स्वतंत्र और निष्पक्ष मतदान सुनिश्चित करने के लिए सख्त रुख अपनाया है. अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि मतदान प्रक्रिया को प्रभावित करने वाली किसी भी गतिविधि के प्रति शून्य सहनशीलता नीति अपनाई जाएगी. जिला मजिस्ट्रेट, पुलिस अधीक्षक, पुलिस आयुक्त और केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बल के जिला समन्वयकों की बैठक में चुनावी कदाचार और मतदाताओं को प्रभावित करने के प्रयासों पर कड़ी निगरानी रखने का निर्णय लिया गया. एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि सोमवार को उपचुनाव आयुक्त ज्ञानेश भारती के नेतृत्व में चुनाव आयोग की एक टीम बंगाल पहुंची है. वे लगातार बैठकें कर रहे हैं. देर रात तक बैठक हुई है. इसमें सभी अधिकारियों को स्पष्ट कर दिया गया है कि हर मतदाता को बिना किसी भय या दबाव के अपने मताधिकार का उपयोग करने का अधिकार है और प्रशासन इसे सुनिश्चित करने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है. अधिकारियों ने यह भी स्पष्ट किया कि बूथ कब्जा और मतदान में बाधा डालने जैसी गतिविधियों को किसी भी स्थिति में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा. केंद्रीय बल के एक समन्वयक ने कहा कि पर्याप्त सुरक्षा बलों की तैनाती के साथ सघन निगरानी की जाएगी और किसी भी उल्लंघन पर कानून के अनुसार कड़ी कार्रवाई होगी. बैठक में यह भी निर्देश दिया गया कि सरकारी विभागों, सार्वजनिक उपक्रमों, स्वायत्त निकायों और स्थानीय निकायों के कर्मचारी पूरी तरह निष्पक्ष रहें और किसी भी राजनीतिक गतिविधि से दूर रहें. एक पुलिस अधिकारी ने कहा कि सरकारी कर्मचारियों से तटस्थता बनाए रखने की अपेक्षा है और किसी भी तरह की लापरवाही पर अनुशासनात्मक तथा कानूनी कार्रवाई की जाएगी. निर्वाचन अधिकारियों ने बताया कि इस समन्वित पहल का उद्देश्य मतदाताओं के बीच विश्वास मजबूत करना है, ताकि हर मतदाता बिना किसी भय के अपने मताधिकार का प्रयोग कर सके. राज्य की 294 सदस्यीय विधानसभा के लिए मतदान दो चरणों में 23 अप्रैल और 29 अप्रैल को होगा, जबकि मतगणना चार मई को की जाएगी.

महिला आरक्षण: लोकसभा सीटों की निश्चित संख्या नहीं ; दक्षिणी राज्यों को लाभ की संभावना

नयी दिल्ली: महिलाओं के लिए 33 प्रतिशत आरक्षण संबंधी संविधान संशोधन विधेयक में लोकसभा की उन सीटों की सटीक संख्या निर्दिष्ट नहीं की गई है जिन्हें मौजूदा 543 से बढ़ाया जाना है. इसमें कहा गया है कि कुल सदस्य 850 से ''अधिक नहीं'' होने चाहिए, और अंतिम संख्या परिसीमन आयोग द्वारा तय की जाएगी. आधिकारिक सूत्रों ने बताया कि राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के बीच सीटों का आवंटन आनुपातिक प्रतिनिधित्व के आधार पर होगा और इस फार्मूले से दक्षिणी राज्यों को लाभ मिलने की संभावना है. सीटों की अंतिम संख्या परिसीमन आयोग द्वारा निर्धारित की जाएगी, इसलिए विधेयक में सीटों की सटीक संख्या निर्दिष्ट नहीं की गई है, बल्कि केवल यह कहा गया है कि लोकसभा में राज्यों से प्रत्यक्ष चुनावों के माध्यम से निर्वाचित ''815 से अधिक सदस्य'' और केंद्र शासित प्रदेशों से ''35 से अधिक सदस्य'' नहीं होंगे. सूत्रों ने बताया, ''850 का आंकड़ा लोकसभा सीटों की कुल संख्या की केवल ऊपरी सीमा को दर्शाता है.'' वर्ष 2011 की जनगणना को आधार माना जाएगा और दक्षिणी राज्यों में अधिक प्रभावी जनसंख्या नियंत्रण के कारण उन्हें सीटों के आवंटन में उत्तरी राज्यों की तुलना में तुलनात्मक लाभ मिल सकता है, जहां जनसंख्या वृद्धि अधिक रही है. सूत्रों के अनुसार, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी लोकसभा में विधेयक पर बोलेंगे और सरकार द्वारा उठाए गए ''ऐतिहासिक'' कदम के बारे में विस्तृत जानकारी देंगे. केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह भी चर्चा में भाग लेंगे. लोकसभा में 16 और 17 अप्रैल को चर्चा और मतदान होगा. तीन विधेयकों- संविधान (एक सौ इकतीसवां संशोधन) विधेयक, 2026, केंद्र शासित प्रदेश कानून (संशोधन) विधेयक, 2026 और परिसीमन विधेयक, 2026 पर चर्चा के लिए कुल 18 घंटे का समय आवंटित किया गया है. राज्यसभा में 18 अप्रैल को चर्चा और मतदान होगा. कार्यवाही के लिए 10 घंटे की अवधि निर्धारित की गई है. सूत्रों ने यह भी बताया कि राज्यसभा के उपसभापति पद के लिए चुनाव 16 और 17 अप्रैल को होगा.

नीट-पीजी काउंसलिंग: गैर-निवासी अभ्यर्थी आरक्षित सीटों पर दावा नहीं कर सकते, याचिका खारिज

जोधपुर: राजस्थान उच्च न्यायालय ने स्नातकोत्तर चिकित्सा के पाठ्यक्रम में प्रवेश में आरक्षण के दायरे पर एक महत्वपूर्ण फैसले में कहा कि अन्य राज्यों के अभ्यर्थी राजस्थान में आरक्षित श्रेणी की सीटों पर दावा नहीं कर सकते हैं. यह निर्णय राजस्थान के निजी चिकित्सा एवं दंत महाविद्यालयों के संघ द्वारा दायर एक याचिका पर आया है. याचिका में राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा-परास्नातक (नीट-पीजी) काउंसलिंग बोर्ड के 18 फरवरी, 2026 के प्रस्ताव को चुनौती दी गई थी. याचिकाकर्ता ने निर्देश देने का अनुरोध किया था कि गैर-निवासी अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति और अन्य पिछड़ा वर्ग के अभ्यर्थियों को आरक्षण का लाभ (जिनमें कम प्रतिशत भी शामिल है) प्राप्त करने और राजस्थान में आरक्षित सीटों के लिए काउंसलिंग में भाग लेने की अनुमति दी जाए. याचिका को खारिज करते हुए न्यायमूर्ति संजीत पुरोहित ने कहा कि संवैधानिक प्रणाली में स्पष्ट रूप से स्थानीय सामाजिक-आर्थिक परिस्थितियों के आधार पर राज्यवार आरक्षित श्रेणियों की पहचान का प्रावधान है. अदालत ने कहा कि इस तरह के लाभों को राज्य की सीमाओं के पार विस्तारित करना इस ढांचे के विपरीत होगा. अदालत ने फैसला सुनाया कि राज्य की नीति आरक्षण को नियंत्रित करने वाले संवैधानिक ढांचे के अनुरूप है और इससे कोई अवैधता या भेदभाव उत्पन्न नहीं होता है. याचिकाकर्ता ने तर्क दिया कि नीट-पीजी के अर्हता प्रतिशत को कम करने के उद्देश्य (बड़ी संख्या में रिक्त सीटों को भरना) को राज्य के बाहर के आरक्षित श्रेणी के उम्मीदवारों को लाभ उठाने से बाहर करके विफल कर दिया गया है. दूसरी ओर, राज्य ने अपने पक्ष का बचाव करते हुए कहा कि आरक्षण नीतियां स्वाभाविक रूप से राज्य-विशिष्ट होती हैं और केवल राजस्थान की अधिसूचित श्रेणियों के अंतर्गत मान्य अभ्यर्थियों पर ही लागू होती हैं. राज्य सरकार की ओर से दलील दी गई कि गैर-निवासी अभ्यर्थियों को पूर्णतः भाग लेने से नहीं रोका गया है, बल्कि काउंसलिंग दिशानिर्देशों के अनुसार उन्हें अनारक्षित श्रेणी में शामिल किया गया है. उच्च न्यायालय ने 100 प्रतिशत अधिवासी आरक्षण से जुड़े विवाद को खारिज करते हुए कहा कि यह नीति केवल राज्य के पात्र अभ्यर्थियों को ही आरक्षण का लाभ देती है, जबकि अन्य को सामान्य श्रेणी में प्रतिस्पर्धा करने की अनुमति देती है.

मादक पदार्थों की तस्करी की आरोपी को दिल्ली से चेन्नई जेल स्थानांतरित किया जाएगा

नयी दिल्ली: दिल्ली पुलिस ने मादक पदार्थों की तस्करी में कथित तौर पर संलिप्त 25-वर्षीय महिला तस्कर को पीआईटी-एनडीपीएस अधिनियम के तहत हिरासत में लिया है और स्थानीय मादक पदार्थ नेटवर्क से उसके संबंधों को खत्म करने के लिए उसे चेन्नई की एक जेल में स्थानांतरित किया जाएगा. पुलिस ने मंगलवार को यह जानकारी दी. जाकिर नगर की निवासी आरोपी हसीना खातून उर्फ बज्जी 'स्वापक औषधि एवं मन:प्रभावी पदार्थ तस्करी निवारण (पीआईटी-एनडीपीएस) अधिनियम के तहत दिल्ली से बाहर स्थानांतरित की जाने वाली दूसरी ऐसी शख्स है. खातून अपराध शाखा द्वारा दर्ज मादक पदार्थों की तस्करी के एक मामले के संबंध में तिहाड़ जेल में न्यायिक हिरासत में है. पुलिस ने बताया कि उसकी निवारक हिरासत के लिए एक प्रस्ताव हाल में एक टीम द्वारा तैयार किया गया था और वित्त मंत्रालय के सक्षम प्राधिकारी को भेजा गया था. अधिकारी ने कहा, ''सिफारिश पर कार्रवाई करते हुए, हिरासत में लेने वाले अधिकारी ने पीआईटी-एनडीपीएस अधिनियम के तहत एक आदेश जारी किया, जिसमें खातून को हिरासत में लेकर चेन्नई के पुझल स्थित केंद्रीय जेल में रखने का निर्देश दिया गया.' आदेश के बाद, टीम ने सभी कानूनी औपचारिकताएं पूरी करने के बाद 11 अप्रैल को तिहाड़ जेल में वारंट को तामील कराया. अधिकारी ने कहा, ''आरोपी को दिल्ली से चेन्नई की उच्च सुरक्षा वाली जेल में स्थानांतरित करने का उद्देश्य स्थानीय मादक पदार्थ तस्करी नेटवर्क के भीतर उसके सक्रिय संबंधों को खत्म करना और उसे जेल के भीतर से सक्रिय रहने या सहयोगियों को प्रभावित करने से रोकना है.'' अधिकारी ने कहा कि यह दूसरा ऐसा मामला है, जिसमें मादक पदार्थों की आपूर्ति शृंखला को बाधित करने के लिए पीआईटी-एनडीपीएस अधिनियम के प्रावधानों के तहत एक आदतन अपराधी को दिल्ली से बाहर स्थानांतरित किया जा रहा है. पुलिस के अनुसार, खातून 2021 से एनडीपीएस अधिनियम के तहत कई मामलों में शामिल रही है और राजधानी में मादक पदार्थों की तस्करी के सक्रिय नेटवर्क में एक प्रमुख आपूर्तिकर्ता मानी जाती है. उसे पहले गोविंदपुरी थाने में दर्ज एक मामले के सिलसिले में गिरफ्तार किया गया था.

www.thejunctiongroup.com
Junction
— WORKPLACE SOLUTIONS —
Customised Workplace Solutions
1. Jeevan Deep, Middleton St. Crossing | 40,000 sq. ft.
2. Macneill Court, 225 AJC Bose Road | 80,000 sq. ft.
3. Anandalok, 227 AJC Bose Road | 25,000 sq. ft.
4. Paddapukur Rd., Bhawanipore | 1.600 sq. ft.
5. SLS Tower, Sector V, Salt Lake | 60,000 sq. ft.
6. Synthesis Business Park, New Town | 6,000 sq. ft.
7. Mani Casadona, New Town | 35,000 sq. ft.
Flexible Options
• Private Cabins
• Enterprise Solutions
• Meeting Rooms
• Dedicated & Coworking
FOR MORE DETAILS, CONTACT US!
98744 14000/5, 98745 28385
itsupport@thejunctiongroup.com

भाजपा में मुख्यमंत्री के चयन के लिए प्रक्रिया सिर्फ नौटंकी, 'दो व्यक्ति' करते हैं फैसला : कांग्रेस

नयी दिल्ली: कांग्रेस ने बिहार में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के विधायक दल के नेता के तौर पर सम्राट चौधरी को चुने जाने के बाद मंगलवार को दावा किया कि सत्तारूढ़ पार्टी में मंत्री या मुख्यमंत्री के चयन के लिए प्रक्रिया के नाम पर नौटंकी होती है, क्योंकि नाम ''दो व्यक्ति'' पहले ही तय कर लेते हैं. पार्टी नेता और पूर्व सांसद उदित राज ने यह भी कहा कि भाजपा के विपरीत कांग्रेस में किसी भी नेता के चयन में लोकतांत्रिक प्रक्रिया का पालन होता है और विभिन्न स्तरों पर विचार-विमर्श होता है. बिहार में मंगलवार को सम्राट चौधरी को सर्वसम्मति से भाजपा विधायक दल का नेता चुना गया. इसके साथ ही स्पष्ट हो गया है कि बिहार में बनने वाली राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) की नयी सरकार में सम्राट चौधरी मुख्यमंत्री के रूप में कमान संभालेंगे. इस बारे में पूछे जाने पर उदित राज ने कांग्रेस कार्यालय में संवाददाताओं से कहा, ''भाजपा में यह सब (नेता का चयन) नौटंकी होती है. कौन मंत्री बनेगा, कौन मुख्यमंत्री बनेगा, कौन पर्यवेक्षक बनेगा, इसको लेकर कई दिनों तक चर्चा होती है. यह सब नाटक है. भाजपा में लोकतंत्र नहीं है.'' उन्होंने दावा किया, ''जिसको बनाना होता है, उस बारे में दो व्यक्ति फैसला कर लेते हैं और आगे बाकी जो होता है, वो सब नौटंकी है.''

SHYAM METALICS
ORE TO METAL
SEL TIGER
550D TMT RE-BAR
REAL STEEL
REAL STRENGTH
"Shyam Metalics is a leading integrated metal-producing company based in India primarily in the steel industry in West Bengal and Odisha with a focus on long steel products and ferro alloys. Headquartered in Kolkata, West Bengal, the company is amongst the largest producers of ferroalloys in terms of installed capacity in India (Source: CRISIL Report). The company can sell intermediate and final products across the steel value chain. Shyam Metalics is one of the leading players in terms of pellet capacity and the fourth largest player in the sponge iron industry in terms of sponge industry in terms of sponge iron capacity in India."
- Source: CRISIL Report
OUR PRODUCTS
PELLET
SPONGE IRON
BILLET
TMT RE-BAR
STRUCTURAL STEEL
WIRE ROD
FERRO ALLOYS
STAINLESS STEEL TMT BAR
STIRRUP & BINDING WIRE
ALUMINIUM FOIL
sales@shyamgroup.com
contact@shyamgroup.com
www.shyammetalics.com
www.seltigertmt.com
Toll Free No.
1800 202 2233

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक एवं प्रकाशक सुधांशु शेखर द्वारा दी इंडियन एक्सप्रेस लिमिटेड, एक्सप्रेस हाउस, एन एच 6 मौजा-प्रशस्थ व अंकुरहाटी,पोस्ट- सलप, थाना-डोमजूर, जिला-हावड़ा-711409 से मुद्रित एवं 19, सर हरिराम गोयनका स्ट्रीट, कोलकाता-700 007 से प्रकाशित. प्रधान संपादक : सुधांशु शेखर,
प्रबंध कार्यालय : 19, सर हरिराम गोयनका स्ट्रीट, कोलकाता-700 007, RNI No. WBHIN/2007/22434 फोन : 9831494084, टेलीफैक्स : 22743382 ई-मेल : yuvashakti@hotmail.com प्रकाशन संबंधी समस्त विवादों का निपटारा कोलकाता न्यायालय के अधीन

री एडमिशन शुल्क वसूली करने वाले निजी स्कूलों पर लगेगा कठोर दण्ड : डीएम

किताब और स्कूल ड्रेस खरीदने के स्वतंत्रत है अभिभावक , निर्देश का उलंघन करने पर 02 लाख रुपये लगेगा दण्ड

बेगूसराय (युवा शक्ति ब्यूरो) : बेगूसराय जिला प्रशासन ने शैक्षणिक सत्र 2026-27 के दौरान निजी विद्यालयों द्वारा की जा रही अभिभावकों के आर्थिक शोषण से संबंधित प्राप्त शिकायतों को गंभीरता से लेते हुये कड़ा रुख अपनाया है. बेगूसराय के डीएम श्रीकांत शास्त्री ने जिले के सभी निजी प्रारंभिक एवं माध्यमिक विद्यालयों के लिये सख्त दिशा-निर्देश जारी किया है. डीएम श्रीकांत शास्त्री ने मंगलवार को बताया कि बिहार निजी विद्यालय शुल्क विनियमन अधिनियम, 2019 के प्रावधानों के तहत कोई भी निजी विद्यालय किसी शैक्षणिक सत्र में अधिकतम 07 प्रतिशत से अधिक शुल्क वृद्धि नहीं कर सकता है. इसके अतिरिक्त अगली कक्षा में प्रोन्नति के समय पुनः नामांकन शुल्क अथवा किसी भी प्रकार का कैपिटेशन शुल्क लेना पूर्णतः प्रतिबंधित एवं दंडनीय माना जायेगा.डीएम ने स्पष्ट किया है कि अभिभावक अपनी सुविधानुसार किसी भी स्थान से पाठ्य-पुस्तकें, स्कूल ड्रेस तथा अन्य शैक्षणिक सामग्री क्रय करने के लिये स्वतंत्र है.

किसी भी विद्यालय द्वारा किसी विशेष दुकान या संस्थान से सामग्री खरीदने के लिये अभिभावकों को बाध्य करना नियमों का उल्लंघन माना जायेगा. इसके अतिरिक्त सभी निजी विद्यालयों को अपने ड्रेस कोड (यूनिफॉर्म) के स्वरूप में कम से कम तीन वर्षों तक कोई परिवर्तन नहीं करने का निर्देश दिया गया है. साथ ही यह भी निर्देशित किया गया है कि सभी विद्यालय 15 अप्रैल 2026 तक अनिवार्य रूप से अपनी वेबसाइट तथा विद्यालय के सूचना पट्ट पर कक्षावार पुस्तकों की सूची, ड्रेस की विशिष्टता एवं पूर्ण शुल्क विवरणी प्रदर्शित करेंगे. डीएम ने निर्देश दिया है कि उक्त नियमों का उल्लंघन करने वाले विद्यालयों के विरुद्ध कठोर दंडात्मक कार्रवाई की जायेगी. प्रथम उल्लंघन की स्थिति में न्यूनतम 01 लाख रुपये का अर्थ दण्ड लगाया जायेगा, जबकि पुनरावृत्ति होने पर 02 लाख रुपये का जुर्माना लगाया जायेगा.

इसके बावजूद यदि नियमों की निरंतर अवहेलना की जाती है तो संबंधित विद्यालय की प्रस्वीकृति रद्द करने की प्रक्रिया प्रारंभ की जायेगी.आदेश के अनुपालन हेतु सभी प्रखंड शिक्षा पदाधिकारियों को अपने-अपने क्षेत्रों में नियमित अनुश्रवण सुनिश्चित करने तथा दैनिक प्रतिवेदन जिला शिक्षा पदाधिकारी को उपलब्ध कराने का निर्देश दिया गया है. साथ ही आरक्षित सीटों (25 प्रतिशत) पर नामांकन सुनिश्चित नहीं करने अथवा नियमों के विरुद्ध किसी प्रकार की गतिविधि पाये जाने को भी प्रस्वीकृति की शर्तों का उल्लंघन माना जायेगा.

कांग्रेस पार्टी कार्यालय में डॉ. भीमराव अंबेडकर की 135वीं जयंती मनाई गई

युवा शक्ति न्यूज

गयाजी : संविधान निर्माता, सामाजिक न्याय के प्रबल समर्थक, गरीबों, वंचितों एवं पिछड़ों के अधिकारों के सशक्त प्रहरी, महान विचारक, अर्थशास्त्री एवं भारत रत्न बाबा साहेब डॉ. भीमराव अंबेडकर की 135वीं जयंती जिला कांग्रेस कार्यालय राजेंद्र आश्रम मे मंगलवार को मनाई गयी.सबसे पहले उनके तैल चित्र पर पुष्प अर्पित किया गया.जिसकी अध्यक्षता जिलाध्यक्ष रजनीश कुमार ने की.इस मौके पर जिलाध्यक्ष ने कहा कि बाबा साहेब का संपूर्ण जीवन संघर्ष, शिक्षा, समानता और मानवाधिकारों के प्रति समर्पण का अद्वितीय उदाहरण है.उन्होंने न केवल भारतीय संविधान के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई, बल्कि समाज के अंतिम पंक्ति में खड़े व्यक्ति को मुख्यधारा से जोड़ने का मार्ग भी प्रशस्त किया.

न्यूज कॉर्नर

ईसीआरकेयू द्वारा हर्षोल्लास के साथ बाबा साहब की 135वीं जयंती मनाई गई.

युवा शक्ति न्यूज

गयाजी : भारतीय संविधान के निर्माता, सामाजिक न्याय के महान प्रहरी, दूरदर्शी विचारक और भारत रत्न से सम्मानित डॉक्टर बाबासाहेब भीमराव अंबेडकर जी की 135 वीं जयंती समारोह ईस्ट सेंट्रल रेलवे कर्मचारी यूनियन गया शाखा कार्यालय में काफी धूमधाम से मंगलवार को मनाया गया.उपस्थित यूनियन प्रतिनिधियों एवं रेल कर्मचारियों को संबोधित करते हुए केंद्रीय कोषाध्यक्ष हाजीपुर सह केंद्रीय कार्यकारिणी सदस्य ऑल इंडिया रेलवे मेंस फेडरेशन नई दिल्ली कामरेड मिथिलेश कुमार ने कहा कि डॉ बाबासाहेब भीमराव अंबेडकर का जीवन संघर्ष, साहस और परिवर्तन की एक प्रेरणादायक मिसाल है.जिसने भारत को एक ऐसा संविधान दिया जो हर नागरिक को समान अधिकार और सम्मान सुनिश्चित करता है.हम सभी रेल कर्मचारियों को भी उनके बताए हुए मार्ग पर चलना चाहिए तथा आपसी मतभेद को भूलकर एकजुट होकर संघर्ष करते रहना चाहिए.गया शाखा सचिव कामरेड मुकेश सिंह ने कहा कि बाबा साहेब का जीवन हमेशा वंचित, दवे -कुचले और समाज के अंतिम पायदान पर रहने वाले व्यक्ति के लिए समर्पित रहा.उन्होंने नारा दिया था कि शिक्षित बनो, संगठित रहो, संघर्ष करो.गया शाखा अध्यक्ष लक्ष्मण प्रसाद ने सभा का संचालन किया तथा उपस्थित रेल कर्मचारी एवं यूनियन प्रतिनिधियों को बाबा साहब के बताए मार्ग पर चलने का आवाहन किया. उन्होंने बाबा साहब के कथन को याद करते हुए कहा कि शिक्षा वह शेरनी का दूध है जो पियेगा वह दहाड़ेगा.इस अवसर पर कामरेड मिथिलेश कुमार, लक्ष्मण प्रसाद, मुकेश सिंह, राजेश कुमार, विनोद कुमार चौधरी, रविराज, नित्यानंद प्रसाद, कुणाल रंजन, धनंजय कुमार, राजीव कुमार अवस्थी, बबलू कुमार सिंहा, श्रीनिवास सिंह, कृष्णा नंदन श्रीवास्तव के अलावा बहुत सारे रेल कर्मचारी उपस्थित थे.उक्त जानकारी उत्तम कुमार, मीडिया प्रभारी, ईस्ट सेंट्रल रेलवे कर्मचारी यूनियन शाखा गया ने साझा की.

अंबेडकर की जयंती पर भव्य रैली का आयोजन

कुल्टी : संविधान के रचियता डाक्टर भीम राव अम्बेडकर के जन्म शताब्दी वर्ष पर बराकर एस सी, एसटी समाज बराकर शाखा की ओर भव्य रैली का आयोजन किया गया,बाउरी समाज के राज्य अध्यक्ष गणेश बाउरी की अध्यक्षता मे बराकर चेकपोस्ट से बराकर बस स्टैंड तक जुलुस निकाला गया, जुलुस मे बड़ी संख्या मे बराकर, बैगुनिया, कुल्टी, के युवा, ओर महिलाओ ने भाग लिया, इस दौरान बाबा साहेब अमर रहे, जय भीम जय भारत के नारों से गुंजायमान हुआ बराकर, इस दौरान बाउरी समाज के अध्यक्ष गणेश बाउरी ने कहा की देश को सजाने सवारने ओर संविधान की रचना करने वाले बाबा साहेब के जन्म शताब्दी वर्ष है. जो हमारे ओर हमारे समाज की ओर से हर वर्ष मनाया जाता है, बराकर बस स्टैंड पहुंच जुलुश सभा मे तब्दील हुआ, जहा बाबा साहेब को प्रतिमा पर पुष्प अर्पित कर जन्म दिवस केक काटकर मनाया गया. जिसमे बराकर कार्यालय एवं समाज के सभी युवा मुख्य रूप से शामिल रहे.

भाजपा प्रत्याशी डॉ. अजय पोद्दार के समर्थन में चुनावी प्रचार अभियान चलाया

कुल्टी : कुल्टी के वार्ड संख्या 105 मे भाजपा प्रत्याशी डॉ. अजय पोद्दार के समर्थन में जोरदार घर घर चुनावी प्रचार अभियान चलाया गया,इस अभियान का नेतृत्व अभिजीत आचार्य उर्फ बप्पा द ने कहा, जहां कार्यकर्ताओं और स्थानीय लोगों का जबरदस्त उत्साह देखने को मिला, प्रचार के दौरान बैंड-बाजे के साथ भाजपा कार्यकर्ता गली-गली और मोहल्लों में पहुंचे और लोगों से भाजपा के पक्ष में मतदान करने की अपील की. पुर्व पार्षद अभिजीत आचार्य की मौजूदगी से समर्थकों में खास जोश देखने को मिला. कई स्थानों पर लोगों ने उनका गर्मजोशी से स्वागत किया. और भाजपा को समर्थन देने का भरोसा जताया, इस मौके पर स्थानीय निवासियों ने कहा कि वे इस बार भाजपा को पूर्ण बहुमत से जिताने का संकल्प लेकर चल रहे हैं. वहीं, अभिजीत आचार्य (बप्पा दा) ने विश्वास जताते हुए कहा कि इस बार भाजपा पहले से अधिक मतों के अंतर से जीत दर्ज करेगी.डॉ. अजय पोद्दार भी प्रचार के दौरान लोगों से सीधे संवाद करते नजर आए.और अपने विकास कार्यों को लेकर समर्थन मांगा. पूरे अभियान में भाजपा कार्यकर्ता पूरे उत्साह और समर्पण के साथ जुटे रहे, जिससे वार्ड में चुनावी माहौल पूरी तरह गरमा गया है.

शहर में कूड़े का अंबार लग सकता, पानी की सप्लाई में होगी दिक्कत

युवा शक्ति न्यूज

गयाजी : शहर में नगर निगम और बोधगया नगर परिषद के सैकड़ों मजदूरों ने सोमवार को जिलाधिकारी कार्यालय के सामने प्रदर्शन किया.वे अपनी 10 सूत्री मांगों को लेकर एकजुट हुए और प्रशासन के खिलाफ नारेबाजी की. मजदूरों ने चेतावनी दी है कि यदि उनकी मांगों पर शीघ्र कार्रवाई नहीं हुई, तो वे अनिश्चितकालीन हड़ताल पर चले जाएंगे.यह प्रदर्शन बिहार लोकल बॉडीज इम्प्लाइज फेडरेशन के बैनर तले आयोजित किया गया.बता दें कि साल 2018 से ही मजदूर अपनी मांगों पर अड़े हुए है.मजदूर के हड़ताल पर जाने से शहर में कूड़े का अंबार लग जाएगा, पानी का सप्लाई भी बाधित हो जाएगी.डीएम कार्यालय के सामने आज प्रदर्शन किया है और जिलाधिकारी को ज्ञापन पत्र देने के बाद कल से इन्होंने अनिश्चितकालीन हड़ताल पर जाने का ऐलान कर दिया है.आंदोलन का नेतृत्व फेडरेशन के कार्यकारी अध्यक्ष और गया वाटर वर्क्स कर्मचारी संघ के अध्यक्ष संजीत सिंह ने किया.उन्होंने कहा कि जिला प्रशासन और राज्य सरकार मजदूरों की समस्याओं पर ध्यान नहीं दे रही है, जिससे उनकी आर्थिक स्थिति प्रभावित हो रही है.संजीत सिंह ने बताया कि नगर निकायों में कार्यरत मजदूर लंबे समय से अपनी बुनियादी मांगों के लिए संघर्ष कर रहे हैं, लेकिन अब तक कोई स्थायी समाधान नहीं निकला है.उन्होंने समय पर वेतन न मिलने, सेवा की अस्थिरता और सामाजिक सुरक्षा के अभाव जैसी समस्याओं का उल्लेख किया.प्रदर्शन के दौरान मजदूरों ने अपनी प्रमुख मांगों को विस्तार से बताया.इनमें सातवां वेतन आयोग लागू करना, दैनिक कर्मियों की सेवा स्थायी करना, एसीपी में की जा रही कटौती पर रोक लगाना, बकाया अंतर वेतन का जल्द भुगतान करना और न्यूनतम मजदूरी 783 रुपये प्रतिदिन लागू करना शामिल है.अन्य मांगों में समान काम के लिए समान वेतन का सिद्धांत लागू करना और पुरानी पेंशन योजना को बहाल करना शामिल है.इसके अतिरिक्त, मजदूरों ने अनुकंपा के आधार पर बहाली में शैक्षणिक योग्यता की अनिवार्यता समाप्त कर पुनर्बहाली लागू करने,

भारतीय संविधान के निर्माण में बाबा साहेब का अहम योगदान रहा : सीएमडी

युवाशक्ति न्यूज धनबाद: कोल इंडिया एससी-एसटी इंप्लाइज एसोसिएशन (सिस्टा) ने कोयला नगर. के सामुदायिक भवन में बाबासाहेब डॉ. भीमराव अंबेडकर की जयंती हर्षोल्लास के साथ मनाई. इस अवसर पर बाबासाहेब की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उनके विचारों को आत्मसात करने का संकल्प लिया गया और उनके पदचिन्हों पर चलने की बात कही गई. इस अवसर पर मुख्य अतिथि बीसीसीएल के सीएमडी मनोज कुमार अग्रवाल, निदेशक मानव संसाधन मुरली कृष्णा रमैया, निदेशक तकनीकी संजय कुमार सिंह, आरएस राम, राजकुमार कनौजिया, कृष्ण बल्भ पासवान, भोला कुमार सहित अन्य अतिथियों ने दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का उद्घाटन किया.अपने संबोधन में सीएमडी ने बाबा साहेब डॉक्टर भीमराव अंबेडकर को एक वैश्विक प्रेरणा बताया. उन्होंने बाबासाहेब के एजुकेट, ऑर्गनाइज, ट्रांसफॉर्म के संदेश को दोहराते हुए छात्रों से अपील की कि वे शिक्षा और शोध के

माध्यम से खुद को सशक्त बनाएं और आगे चलकर समाज की सेवा करें. सीएमडी ने कहा कि बाबासाहेब का योगदान केवल सामाजिक न्याय तक सीमित नहीं था, बल्कि अर्थव्यवस्था, नीतिनिर्माण और भारतीय संविधान के निर्माण में भी उनका अहम योगदान रहा है. इस मौके पर कृष्णा बल्लभ पासवान ने अंबेडकर के जीवन और उनके कार्यों के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि बाबा साहेब की मेहनत और शिक्षा के प्रति समर्पण हम सभी के लिए प्रेरणास्रोत है. उन्होंने लोगों से किताबों के महत्व को समझने और उनके विचारों को अपनाने की सलाह दी. राजकुमार कनौजिया ने अपने संबोधन में लिंग, जाति और धर्म के आधार पर समानता की बात कही. उन्होंने कहा कि यदि हम अपने सोच में समानता को शामिल करें, तो समाज में वास्तविक बदलाव संभव है और हमें अपने दैनिक जीवन में न्याय और समानता का पालन करना चाहिए. कार्यक्रम के दौरान विभिन्न सांस्कृतिक प्रस्तुतियां भी आयोजित की गईं. इससे पूरा आयोजन और भी जीवंत बना गया. इससे पहले सीएमडी ने बाबा साहेब की आदमकद प्रतिमा पर माल्यार्पण कर श्रद्धा सुमन अर्पित किए.

बरौनी रिफाइनरी में मनाई गई अंबेडकर की 135 वीं जयंती

बेगूसराय (युवा शक्ति ब्यूरो) : भारत रत्न बाबा साहब डा. भीमराव अंबेडकर की 135 वीं जयंती 14 अप्रैल 2026 को बरौनी रिफाइनरी टाउनशिप में मनाई गई. टाउनशिप स्थित अंबेडकर पार्क में डा. अंबेडकर की प्रतिमा पर कार्यकारी निदेशक एवं रिफाइनरी प्रमुख सत्य प्रकाश ने माल्यार्पण कर उनको श्रद्धासुमन अर्पित किया. अपने विचारों में डा. अंबेडकर को एक बहुआयामी व्यक्तित्व बताते हुये वक्ताओं ने कहा कि वे केवल भारतीय संविधान के शिल्पकार ही नहीं थे, बल्कि सामाजिक न्याय, आर्थिक नियोजन, समानता तथा महिला एवं श्रमिक अधिकारों के सशक्त पक्षधर भी थे. महिलाओं की प्रगति को समाज की प्रगति का मानक मानते हुये उनका यह विचार आज भी उतना ही प्रासंगिक है कि मैं किसी समुदाय की प्रगति को इस आधार पर मापता हूं कि उस समुदाय की महिलाओं ने कितनी प्रगति हासिल की है. हमें उनके जीवन से प्रेरणा लेनी चाहिये और एक सुंदर, उन्नत और खुशहाल समाज और देश का निर्माण करने में सहयोग देना चाहिये. बरौनी रिफाइनरी इस उद्देश्य के लिये प्रतिबद्ध है और विभिन्न सीएसआर पहलों के माध्यम से समाज में उन्नति के लिए कार्यरत है. इस अवसर पर कार्यकारी निदेशक(परियोजना एवं कोर ग्रुप) संजय रायजादा, मुख्य महाप्रबंधक (तकनीक) एस.के. सरकार, महाप्रबंधकगण, बीटीएमयू तथा ऑफिसर्स एसोशिएशन के प्रतिनिधि, अन्य कर्मचारी तथा एससी एसटी कर्मचारी कल्याण संघ के सदस्य उपस्थित थे.

जदयू कार्यालय में डॉ0 भीमराव अम्बेडकर की 135 वीं जयंती मनाई गई

युवा शक्ति न्यूज

गयाजी: बिसार तलाब स्थित जदयू जिला कार्यालय में जिलाध्यक्ष अजय कुशवाहा के अध्यक्षता में मंगलवार को भारत के संविधान निर्माता, महान समाज सुधारक, विचारक, सामाजिक न्याय के पुरोधा, भारत रत्न बाबा साहब डॉ0 भीमराव अम्बेडकर की 135 वीं जयंती समारोह मनाया गया.इस अवसर पर उनके तैलीय चित्र पर प्रदेश मुख्यालय प्रभारी चंदन कुमार सिंह, जिला अध्यक्ष अजय कुशवाहा, जिला प्रवक्ता अवध बिहारी पटेल सहित सभी नेताओं ने उनके तैलीय चित्र पर पुष्प अर्पित नमन किया.चंदन कुमार सिंह ने कहा की डॉ अंबेडकर ने भारतीय संविधान के माध्यम से सामाजिक न्याय, समानता एवं लोकतांत्रिक मूल्यों को सशक्त आधार प्रदान किया.उनके आदर्श एवं विचार हमें एक समावेशी और सशक्त राष्ट्र के निर्माण हेतु निरंतर प्रेरित करते रहेंगे.उनका संपूर्ण जीवन समस्त भारतवासियों के लिए प्रेरणास्रोत है.जिलाध्यक्ष अजय कुशवाहा ने कहा की मुख्यमंत्री नीतीश कुमार बाबा साहेब के विचारों

से प्रभावित हैं, उन्हीं के नक्शे कदम पर चलते हुए भेद भाव मिटाकर लगातार दलित, महिला, अतिपिछड़ों के लिए कई योजनाएं बनाई जैसे अंबेडकर विद्यालय, छात्रावास सहित कई योजनाएं लागू किए.

जिला प्रवक्ता अवध बिहारी पटेल ने कहा बाबा साहेब के विचारों से प्रभावित होकर नीतीश कुमार पंचायत एवं नगर निकायों में आरक्षण लागू कर दलित पिछड़ों को सम्मान अधिकार दिया.नीतीश कुमार बाबा साहेब आंबेडकर का सच्चे अनुआई हैं.इस अवसर बलदेव प्रसाद, ज्योति दांगी, मधुसूदन राय, विनोद कुमार, जितेंद्र दास, धनंजय शर्मा, राकेश पांडे , कैलाश पासवान, धर्मेंद्र सिंह, प्रभात राव, शंकर चौधरी, देवरानी देवी, गीता वर्मा, शोभा देवी, सुरेश राव, शहजाद शाह, लालजी प्रसाद, राधेकान्त शर्मा, पप्पू वर्मा, अजीत शर्मा, गौतम राय, मकसूद खान, बॉबी खान, असलम अंसारी, जितेंद्र पंडित, नरेश कुशवाहा, दयानंद विश्वकर्मा, रणविजय प्रसाद, सहित सैकड़ों नेता कार्यकर्ता उपस्थित थे.

किसान मोर्चा के कार्यकर्ताओं ने डॉ भीमराव अंबेडकर की जयंती मनाई

युवा शक्ति न्यूज

गयाजी : भारत रत्न से सम्मानित पूर्व कानून मंत्री बाबा साहब डॉ भीमराव अंबेडकर की जयंती के अवसर पर मंगलवार को किसान मोर्चा के कार्यकर्ताओं द्वारा उनके प्रतिमा स्थल पर श्रद्धांजलि कार्यक्रम आयोजित किया गया.इस अवसर पर भाजपा किसान मोर्चा के पदाधिकारियों औरकार्यकर्ताओं ने बाबा साहेब की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हें नमन किया तथा बाबा साहेब अमर रहें, अमर रहें के नारों के साथ उनके महान योगदान को स्मरण किया.इस अवसर पर भाजपा नेता डॉ मनीष पंकज मिश्रा ने कहा उनके बताए मार्ग पर चलने और सामाजिक समरसता तथा समानता के मूल्यों को आगे बढ़ाने का संकल्प लिया.कार्यक्रम के दौरान वक्ताओं ने कहा कि बाबा साहेब भीमराव अंबेडकर भारतीय इतिहास के ऐसे महान व्यक्तित्व थे, जिन्होंने अपने ज्ञान, संघर्ष और दूरदर्शिता से देश को नई दिशा दी.

पूरे अप्रैल में हर सोमवार-शुक्रवार को विशेष शिविर, बिजली शिकायतों का 72 घंटे में समाधान

युवा शक्ति न्यूज

पटना/गया : ऊर्जा विभाग ने विद्युत उपभोक्ताओं की समस्याओं के त्वरित समाधान के लिए विशेष पहल शुरू की है.इसके तहत पूरे अप्रैल महीने में प्रत्येक सोमवार और शुक्रवार को विशेष शिविर का आयोजन किया जा रहा है.यहां दर्ज की गई शिकायतों का 72 घंटे के भीतर समाधान सुनिश्चित किया जा रहा है.इन शिविरों का उद्देश्य उपभोक्ताओं को उनकी बिजली संबंधी समस्याओं का त्वरित और सरल समाधान उपलब्ध कराना है.शिविरों में बिजली बिल से संबंधित त्रुटियों का सुधार, विद्युत आपूर्ति में आ रही तकनीकी समस्याओं और अन्य शिकायतों का मौके पर निस्तारण किया जाएगा.विशेष शिविर में उपभोक्ताओं की जिन प्रमुख समस्याओं का समाधान किया जाएगा, उनमें बिजली बिल सुधार, झुके हुए पोल या ढीले तार, कम वोल्टेज, खराब ट्रांसफार्मर, नए बिजली कनेक्शन के लिए आवेदन, नाम परिवर्तन, स्मार्ट प्रीपेड मीटर से जुड़ी शिकायतें, कृषि कनेक्शन हेतु आवेदन तथा पीएम सूर्यघर योजना से संबंधित जानकारी शामिल हैं.इसके अतिरिक्त, उपभोक्ता शिविर में अपने बकाया बिजली बिल का भुगतान भी सुविधाजनक तरीके से कर सकेंगे तथा आवश्यक दस्तावेजों के साथ पहुंचकर अपनी शिकायत दर्ज करा सकेंगे.इन शिविरों का आयोजन सभी विद्युत अभियंता कार्यालयों में सोमवार एवं शुक्रवार को है.

जयंती पर लघु संगोष्ठी एवं विभिन्न प्रतियोगिताओं का हुआ आयोजन

युवा शक्ति न्यूज

गयाजी : गौतम बुद्ध महिला कॉलेज के सावित्री महाजन सभागार में राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई द्वारा भारतीय संविधान के जनक बाबा साहब भीम राव अम्बेडकर की 135वीं जयंती समारोह के तहत संविधान तथा महिलाएँ विषय पर लघु संगोष्ठी एवं विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन हुआ.एनएसएस प्रोग्राम ऑफिसर डॉ कुमारी रश्मि प्रियदर्शनी की देखरेख में स्वयंसेवक छात्राओं ने आलेख लेखन प्रतियोगिता एवं पोस्टर निर्माण प्रतियोगिता में बढ़चढ़कर भाग लिया.निधि कुमारी, शैली पाठक, नैना कुमारी, पूर्णिमा शर्मा, दीपशिखा मिश्रा, ज्योति कुमारी ने सारगर्भित आलेख लिखे तथा निर्दिष्ट विषय पर रंग-बिरंगे पोस्टर्स बनाए.आलेख लेखन प्रतियोगिता में एनएसएस वॉलेंटियर नैना कुमारी प्रथम, निधि कुमारी द्वितीय एवं पूर्णिमा शर्मा तृतीय स्थान पर रहीं.तथा पोस्टर निर्माण प्रतियोगिता में ज्योति कुमारी प्रथम, पूर्णिमा शर्मा द्वितीय तथा शैली पाठक तृतीय स्थान पर रहीं.निर्णायक मंडल के सदस्यों में दर्शन शास्त्र विभाग की अध्यक्ष डॉ जया चौधरी, सेहत केंद्र की नोडल ऑफिसर डॉ प्रियंका कुमारी एवं एनसीसी केयर टेकर ऑफिसर डॉ नगमा शादाब ने भूमिका निभाई.

समारोह के दूसरे सत्र में प्रभारी प्रधानाचार्य प्रो सहदेब बाउरी के साथ पूरे महाविद्यालय परिवार ने बाबा साहब डॉ भीमराव अंबेडकर के छायाचित्र पर माल्यार्पण तथा पुष्पांजलि करके अपनी श्रद्धा प्रकट की.लघु संगोष्ठी का संचालन करते हुए डॉ रश्मि ने डॉ अंबेडकर को बहुमुखी प्रतिभा का धनी, अध्ययनशील शिक्षाविद, अत्यंत संवेदनशील, मानवतावादी, विराट व्यक्तित्व एवं उदात्त सोच वाला महामानव बतलाया. डॉ अंबेडकर के संघर्षशील जीवन एवं संविधान निर्माण में उनकी अहम भूमिका पर प्रकाश डाला.भारतीय समाज से लिंग, जाति, धर्म, संप्रदाय आदि के नाम पर वर्षों से चले आ रहे भेदभावों को दूर करने में बौद्ध धर्म से प्रेरित डॉ अंबेडकर के महत्वपूर्ण योगदानों को विभिन्न संदर्भों के माध्यम से समझाया.

डॉ रश्मि ने महिलाओं के सशक्तीकरण में संविधान में वर्णित मौलिक अधिकारों के महत्व पर विचार रखते हुए कहा कि आधुनिक भारत के निर्माण में डॉ अंबेडकर के योगदान को भुलाया नहीं जा सकता.वहीं राजनीति विज्ञान विभाग की अध्यक्ष डॉ शगुफ्ता अंसारी ने डॉ अंबेडकर को दलितों एवं शोषितों का मसीहा बतलाया.संविधान की प्रस्तावना में समाहित समानतावादी दर्शन पर विचार रखे.उनके आह्वान पर छात्राओं से संविधान की प्रस्तावना का पाठ भी किया.डॉ शगुफ्ता ने संविधान की प्रस्तावना में छिपे भारतीय दर्शन को सविस्तार समझाया.संगोष्ठी की अध्यक्षता प्रो. सहदेब बाउरी ने की.उन्होंने बाबा साहब को महान समाज सुधारक एवं शिक्षाविद बतलाया.छात्राओं से भारतीय संविधान के प्रति सम्मान की भावना रखने की बात कही. कहा कि हमें बाबा साहब के जीवन से प्रेरणा लेकर भेदभाव का विरोध करना चाहिए.कार्यक्रम में प्रो अफ्शां सुरैया, आचार्य नवीन कुमार, डॉ अनामिका कुमारी, डॉ कृति सिंह आनंद, डॉ प्यारे माँझी, डॉ अमृता कुमारी घोष, डॉ फरहीन वज़ीरी, डॉ बनीता कुमारी, डॉ आशुतोष कुमार पांडेय, डॉ शबाना परवीन हुसैन, डॉ विजेता लाल, डॉ फातिमा, डॉ नुद्रतुन निसां, डॉ वीणा कुमारी, डॉ गणेश प्रसाद, डॉ सीमा कुमारी, डॉ अमृता कुमारी, अभिषेक कुमार भोलू, रौशन कुमार, अजीत कुमखर, अनीषा, गीतांजलि, रानी, मुस्कान, मानसी, आस्था, कुमकुम, सपना, नेहा सहित सौ से अधिक छात्राओं की उपस्थिति रही.

डॉ भीमराव अंबेडकर की 135 वीं जयंती पर उनके प्रतिमा पर माल्यार्पण कर मनाई गई

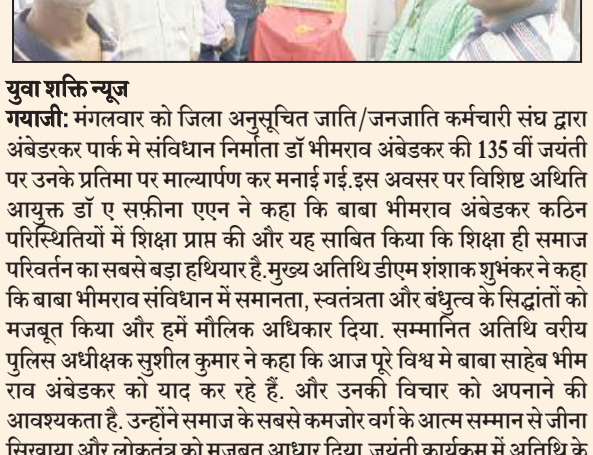

युवा शक्ति न्यूज

गयाजी: मंगलवार को जिला अनुसूचित जाति/जनजाति कर्मचारी संघ द्वारा अंबेडरकर पार्क मे संविधान निर्माता डॉ भीमराव अंबेडकर की 135 वीं जयंती पर उनके प्रतिमा पर माल्यार्पण कर मनाई गई.इस अवसर पर विशिष्ट अथिति आयुक्त डॉ ए सफ़ीना एएन ने कहा कि बाबा भीमराव अंबेडकर कठिन परिस्थितियों में शिक्षा प्राप्त की और यह साबित किया कि शिक्षा ही समाज परिवर्तन का सबसे बड़ा हथियार है.मुख्य अतिथि डीएम शंशाक शुभंकर ने कहा कि बाबा भीमराव संविधान में समानता, स्वतंत्रता और बंधुत्व के सिद्धांतों को मजबूत किया और हमें मौलिक अधिकार दिया. सम्मानित अतिथि वरीय पुलिस अधीक्षक सुशील कुमार ने कहा कि आज पूरे विश्व मे बाबा साहेब भीम राव अंबेडकर को याद कर रहे हैं. और उनकी विचार को अपनाने की आवश्यकता है. उन्होंने समाज के सबसे कमजोर वर्ग के आत्म सम्मान से जीना सिखाया और लोकतंत्र को मजबूत आधार दिया.जयंती कार्यक्रम में अतिथि के तौर पर डीडीसी शैलेश कुमार दास, एडीएम परितोष कुमार, जिला भू अर्जन पदाधिकारी रविंद्र राम, मगध परिवहन सचिव जनार्दन अग्रवाल, एडीएम सफीक अहमद,एडीएम पंकज कुमार सिंह, सिविल सर्जन राजाराम प्रसाद, सदर एसडीओ अनिल कुमार रमन ने अपने अपने विचार रखे.कार्यक्रम की अध्यक्षता संघ के अध्यक्ष सह जिला परिवहन पदाधिकारी राजेश कुमार किया.और कार्यक्रम का संचालन करते हुए डॉ0 जितेंद्र कुमार, सामाजिक कार्यकर्ता सह सदस्य जिला सतर्कता एवं अनुश्रवण समिति एससी/एसटी अत्याचार निवारण ने कहा कि आज अंबेडकर के सपनों का भारत बनाने का संकल्प लेने की जरूरत है.

न्यूज कॉर्नर

वाराणसी सम्मेलन से लौटे अध्यक्ष प्रेम लाल मंडल उर्फ मंटा मंडल का जोरदार स्वागत

साहिबगंज : मंगलबार को अखिल भारतीय कुर्मी क्षत्रिय महासभा के झारखंड प्रदेश अध्यक्ष प्रेम लाल मंडल उर्फ मंटा मंडल का वाराणसी में आयोजित भव्य राष्ट्रीय महाधिवेशन से लौटने पर साहिबगंज के उत्सव बैंक्वेट हॉल (जिला परिषद) में समाज के लोगों द्वारा गर्मजोशी से स्वागत किया गया.इस अवसर पर आयोजित सभा को संबोधित करते हुए श्री मंडल ने वाराणसी सम्मेलन के मुख्य निष्कर्षों और सामाजिक निर्णयों को साझा किया. उन्होंने कहा कि समाज की उन्नति के लिए शिक्षा, राजनीतिक चेतना और आपसी एकता ही एकमात्र मार्ग है.मुख्य बातें,राष्ट्रीय चेतना, वाराणसी सम्मेलन में देश भर से जुटे कुर्मी समाज के प्रतिनिधियों ने समाज के गौरवशाली इतिहास और भविष्य की चुनौतियों पर चर्चा की.एकजुटता का आह्वान: प्रदेश अध्यक्ष ने जिला परिषद स्थित उत्सव बैंक्वेट हॉल में उपस्थित लोगों से अपील की कि वे सामाजिक कुरीतियों को त्यागकर युवाओं के भविष्य निर्माण में अपनी भागीदारी सुनिश्चित करें. उन्होंने बताया कि आने वाले समय में महासभा संगठन को पंचायत स्तर एव प्रखंड स्तर जिला स्तर तक मजबूत करने के लिए विशेष अभियान चलाएगी.इस कार्यक्रम में महासभा के स्थानीय पदाधिकारियों और बड़ी संख्या में स्वजातीय बंधुओं ने हिस्सा लिया और फूल-मालाओं के साथ प्रदेश अध्यक्ष एव प्रदेश मीडिया प्रभारी का अभिनंदन किया.मौके पर मौजूद सत्यनारायण सिन्हा,अजय कुमार चौधरी,जयप्रकाश सिन्हा,संजय पटेल,रमन कुमारसंजय सिंह पटेल,किशोर कुमार सिन्हा,बबलू सिन्हा,मिथिलेश कुमार,शिव चरण प्रसाद सिन्हा,प्रवीर कुमार सिन्हा,कुणाल राय,मनिंद्र नाथ राय,शशि शेखर सिन्हा,चमकलाल मंडल,शत्रुघ्न कुमार,मुकेश कुमार,कुंदन कुमार,अधिवक्ता मुनिलाल मंडल,अशोक सिन्हा,शैलेश कुमार,अनिल सिंह,साथ ही उपस्थित समाज के दर्जनों लोग ने मौजूद थे.

मेला में खिलौना दुकानदार पर बदमाशों ने चलाई गोली , पुलिस जांच में जुटी

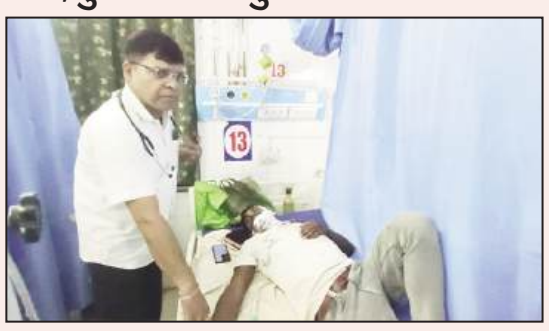

साहिबगंज: जिले में इन दिनों अपराधियों की हौसला काफी बुलंद है. किसी भी घटना को अंजाम देकर अपराधी फरार हो जाते हैं. ताजा मामला जिरवाबाड़ी थाना क्षेत्र के काटरगंज में लगे यग मेला में सोमवार की रात बदमाशों ने गोली चलाई. इस घटना में एक खिलौना दुकानदार को गोली लग गई. इससे पूरा मेला में अफरा तफरी मच गई. वही गोली चलाने वाले बदमाश वहां से फरार हो गया. इधर घायल खिलौना दुकानदार को इलाज के लिए सदर अस्पताल में भर्ती कराया गया है. घायल जिरवाबाड़ी चानन के रहने वाले महेश मंडल का पुत्र शिव कुमार उम्र 23 है. घायल ने बताया कि रोज की तरह वे मेला में अपना खिलौना का दुकान चलाता है. रात करीब एक बजे दुकान बढ़ाकर वही अन्य दुकानदार के साथ खाना खा रहा था. इसीबीच अचानक गोली लग गई. गोली कहा से चली कौन चलाया इस संबंध में कोई जानकारी नहीं है. घायल ने बताया कि उसके साथ किसी को कोई दुश्मनी नहीं है. वही गोली घायल के टुड्डी के एक तरफ लगी और दूसरे तरफ से निकल गई. इधर सदर अस्पताल में ड्यूटी में तैनात डॉ. मुकेश कुमार ने बताया कि गोली एक तरफ से गई और दूसरे तरफ से निकल गई है. लेकिन इसमें टुड्डी पूरी तरह फ्रैक्चर हो गया है. घायल को बेहतर इलाज के लिए हायर सेंटर रेफर किया गया है. इधर जिरवाबाड़ी थाना प्रभारी शशि सिंह ने मौके पर जाकर अगल बगल के सभी सीसीटीवी खंगाल रही हे ओर पुलिस मामले की जांच में जुटी है.

झारखंड प्रदेश अध्यक्ष ने बाबा साहब की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर अपनी श्रद्धांजलि अर्पित की

साहिबगंज : 14 अप्रैल भारत रत्न एवं संविधान निर्माता डॉ. भीमराव अंबेडकर की 135वीं जन्म जयंती अखिल भारतीय कुर्मी क्षत्रिय महासभा के झारखंड प्रदेश अध्यक्ष प्रेम लाल मंडल उर्फ मंटा मंडल ने अत्यंत श्रद्धा एवं हर्षोल्लास के साथ मनाई गई.उन्होंने नगर पार्षद परिसरस्थित में बाबा साहब की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की. इस अवसर पर अखिल भारतीय कुर्मी क्षत्रिय महासभा के झारखंड प्रदेश अध्यक्ष प्रेम लाल मंडल उर्फ मंटा मंडल ने कहा कि डॉ. अंबेडकर का जीवन संघर्ष, समर्पण और सामाजिक न्याय के प्रति अटूट प्रतिबद्धता का प्रतीक है. उन्होंने भारतीय संविधान के निर्माण में अमूल्य योगदान दिया, जो आज भी देश की लोकतांत्रिक व्यवस्था का मजबूत आधार है.

डीसी ने वित्तीय प्रबंधन की समीक्षा बैठक में विभागों को दिए आवश्यक दिशा-निर्देश

जमशेदपुर : जिला दण्डाधिकारी सह उपायुक्त कर्ण सत्यार्थी की अध्यक्षता में समाहरणालय सभागार में एसी, डीसी बिल एवं पीएल खातों से संबंधित समीक्षा बैठक आयोजित की गई. बैठक के दौरान उपायुक्त ने विभिन्न विभागों द्वारा एसी एवं डीसी बिल की अद्यतन स्थिति की विस्तृत समीक्षा की. उन्होंने निर्देश दिया कि जिन विभागों द्वारा एसी बिल के विरुद्ध डीसी बिल लंबित हैं, वे निर्धारित समयसीमा के भीतर आवश्यक कागजी कार्रवाई पूर्ण करते हुए डीसी बिल समर्पित करना सुनिश्चित करें. उपायुक्त ने स्पष्ट कहा कि वित्तीय अनुशासन बनाए रखना सभी विभागों की जिम्मेदारी है. उन्होंने लंबित मामलों पर पदाधिकारियों को शीघ्र कार्रवाई करने का निर्देश दिया. पीएल खातों की समीक्षा के क्रम में उपायुक्त ने कहा कि खातों में अनावश्यक रूप से पड़ी राशि को चिन्हित करते हुए उसे शीघ्र सरेंडर किया जाए, ताकि संसाधनों का प्रभावी उपयोग सुनिश्चित किया जा सके. इसके अतिरिक्त, उपायुक्त ने पूर्ण हो चुकी योजनाओं के संबंध में उपयोगिता प्रमाण पत्र समय पर समर्पित करने का निर्देश दिया. उन्होंने कहा कि उपयोगिता प्रमाण पत्र लंबित रहने से नई योजनाओं के लिए आवंटन प्रभावित होता है, इसलिए सभी विभाग इसे प्राथमिकता के आधार पर पूर्ण करें. उपायुक्त ने सभी विभागों को वित्तीय कार्यों में पारदर्शिता एवं जवाबदेही सुनिश्चित करने पर जोर देते हुए कहा कि निर्धारित प्रक्रियाओं का अनुपालन अनिवार्य रूप से किया जाए. बैठक में उप नगर आयुक्त जेएनएसी, जिला कल्याण पदाधिकारी, कोषागार पदाधिकारी, कार्यपालक अभियंता व अन्य संबंधित पदाधिकारी उपस्थित थे.

निजी अस्पतालों की खामियों एवं शोषण को करें उजागर, हम देंगे अवार्ड: स्वास्थ्य मंत्री

पाकुड़: पश्चिम बंगाल में होने वाले विधानसभा चुनाव में प्रचार प्रसार करने जा रहे झारखंड के स्वास्थ्य मंत्री डॉ. इरफान अंसारी मंगलवार को पाकुड़ पहुंचे. स्वास्थ्य मंत्री ने यहां स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों के साथ बैठक की और विभाग के चल रहे कार्यक्रमों की समीक्षा की. उन्होंने मौजूद अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश देने के साथ-साथ मरीजों को बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं मुहैया कराने के भी निर्देश दिए.केवल सरकारी अस्पतालों की खामियों को मीडिया दिखाता हैः डॉ. इरफान अंसारी
मौके पर स्वास्थ्य मंत्री ने मीडियाकर्मियों से बात करते हुए कहा कि झारखंड के सभी अस्पतालों में बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं देने का काम हमारे कार्यकाल में हो रहा है और सभी अस्पतालों को और भी बेहतर बनाने के प्रयास किया जा रहा है. लेकिन सरकारी अस्पतालों की खामियों को ही मीडिया द्वारा दिखाया जा रहा है, जिससे डॉक्टरों का मनोबल टूट रहा है. निजी अस्पताल में सबसे ज्यादा शोषण होता हैः स्वास्थ्य मंत्री:
स्वास्थ्य मंत्री ने कहा कि राज्य में इतने सारे निजी

अस्पताल हैं और वहां पर सबसे ज्यादा शोषण हो रहा है मगर इस पर कोई आवाज नहीं उठाता है. मंत्री ने कहा कि निजी अस्पतालों में काफी खामियां हैं लेकिन सरकारी अस्पतालों को ही निशाना बनाया जा रहा है. उन्होंने कहा कि निजी अस्पतालों में हो रहे शोषण और खामियों को भी दिखाएं हम उन्हें अवार्ड देंगे.**जल्द ही नई एंबुलेंस की खरीदारी होगीः इरफान अंसारी:** डॉ. इरफान अंसारी ने कहा कि चारपाई पर मरीजों को दिखाया जा रहा है ये सब क्या है, हमें समय दीजिये हम व्यवस्था को दुरुस्त कर रहे हैं. उन्होंने कहा कि राज्य में सैकड़ों एंबुलेंस हैं जो लाखों किलोमीटर चलने के कारण खराब हैं जल्द ही नई एंबुलेंस की खरीदारी होगी जिसकी प्रक्रिया जारी है.**सरकारी अस्पतालों को हाइटेक बनाया जायेगाः स्वास्थ्य मंत्री:**स्वास्थ्य मंत्री ने कहा कि राज्य के सभी सिविल सर्जन को यह निर्देश दिया गया है कि कर्मियों की जो कमी है उसकी सूची उपलब्ध कराएं, जल्द बहाली की प्रक्रिया होगी. मंत्री ने कहा कि आने वाले दिनों में पाकुड़ में ओपीडी लगाएंगे और मरीजों के स्वास्थ्य की जांच करेंगे ताकि लोगों का सरकारी व्यवस्था के प्रति विश्वास जगे. डॉ. इरफान अंसारी ने कहा कि सरकारी अस्पतालों को हाइटेक बनाया जायेगा ताकि मरीज के अस्पताल पहुंचने पर उसे एक अच्छा माहौल मिले और बेड या डॉक्टर्स की कमी महसूस न हो.**डर के कारण मरीजों को रेफर करते हैंः डॉ. इरफान अंसारी:**सदर अस्पताल से गंभीर रोगी या सड़क दुर्घटना में घायल मरीजों को रेफर किये जाने के सवाल पर मंत्री ने कहा कि इसके लिए हमारी जनता और कुछ राजनीतिक दलों के नेता जिम्मेदार हैं, क्योंकि जब भी कोई इस तरह का केस आता है तो दो सौ से तीन सौ लोग साथ में पहुंच जाते हैं. इससे डॉक्टर्स को लगता है कि यदि इलाज के क्रम में मरीज की स्थिति खराब हो गयी तो हमें मारेगा और इसी कारण ज्यादातर मरीज रेफर किया जाता है. ऐसे में यदि मरीज के परिजन साथ दें तो उनका इलाज उसी अस्पताल में हो जायेगा.

बुजुर्ग महिला से दिन दहाड़े बदमाशों ने छीना सोने का चेन मामला हुआ दर्ज

पाकुड़ : नगर थाना क्षेत्र में लगातार अपराधिक घटनाएं बढ़ती जा रही है. महिलाएं दिन में भी असुरक्षित महसूस कर रही हैं. सोने का चेन या फिर अन्य सामान की छिनतई लगातार हो रही है.नगर थाना क्षेत्र के बैंक कॉलोनी निवासी 77 वर्षीय सुरेश कुमार अपनी पत्नी अंजु देवी के साथ स्कूटी से सिंधीपाड़ा स्थित पंचायत गए थे. वहां पहले से घात लगाए बाईक सवार दो अपराधियों ने अचानक झपट्टा मारकर अंजू देवी के गले से करीब ढाई भरी का सोने का चेन छीन लिया. जब तक बुजुर्ग दम्पत्ति का शोरगुल सुनकर लोग बाहर निकलते तब तक अपराधी फरार हो गए.इधर घटना के बाद पीड़ित परिवार ने नगर थाना में लिखित शिकायत दर्ज कराई. पीड़िता ने पुलिस प्रशासन से अपील की कि अपराधियों की पहचान कर उन्हें जल्द गिरफ्तार किया जाए.

अभाविप का एक-एक कार्यकर्ता बाबा साहेब के आदर्शों को करेगा आत्मसात: दीपक दास

पाकुड़: आज अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद नगर इकाई के कार्यकर्ताओं ने भारत रत्न डॉ. भीमराव अंबेडकर जी की जयंती के अवसर पर नगर स्थित उनकी प्रतिमा पर माल्यार्पण एवं पुष्प अर्पित कर उन्हें नमन किया और उनके बताए मार्ग पर चलने का संकल्प लिया.
कार्यक्रम को संबोधित करते हुए नगर सह मंत्री दीपक दास ने कहा, बाबा साहेब का जीवन हम सभी के लिए प्रेरणापुंज है. उन्होंने 'शिक्षित बनो, संगठित रहो और संघर्ष करो' का जो अमर नारा दिया था, विद्यार्थी परिषद उसी को ध्येय मानकर छात्र हित और राष्ट्र हित में कार्य कर रही है. उनका योगदान केवल संविधान निर्माण तक सीमित नहीं था, बल्कि

उन्होंने समाज के हर वंचित वर्ग को मुख्यधारा में लाने का मार्ग दिखाया.
जिला जनजातीय प्रमुख चांदन पहाड़िया ने अपने संबोधन में कहा, डॉ. अंबेडकर ने समाज में व्याप्त कुरीतियों और छुआछूत के विरुद्ध जो अलख जगाई थी, आज उसे और सुदृढ़ करने की आवश्यकता है. विशेषकर जनजातीय और पिछड़े समाज के उत्थान के लिए शिक्षा सबसे अनिवार्य तत्व है. बाबा साहेब के समरसता के विचार ही भारत को परम वैभव पर ले जा सकते हैं.
इस अवसर पर मुख्य रूप से प्रदेश सह मंत्री बमभोला उपाध्याय एवं जिला संयोजक सुमित पांडे , राजेश मंडल,आयुष कुमार, विशाल भगत, राहुल कुमार, प्रदीप मिश्रा सहित दर्जनों कार्यकर्ता उपस्थित रहे.

अंबेडकर के प्रतिमा पर माल्यार्पण कर किया याद

पाकुड़: संविधान निर्माता भारत रत्न बाबा साहेब डॉ भीमराव अम्बेडकर जी के 135वीं जयंती के सुअवसर पर जिले के अम्बेडकर चौक स्थित स्थापित बाबा साहेब डॉ भीमराव अम्बेडकर जी के आदमकद प्रतिमा पर झामुमो कार्यकर्ताओं द्वारा झामुमो जिला उपाध्यक्ष पीटर मरांडी के नेतृत्व में अम्बेडकर जी के प्रतिमा पर माल्यार्पण कर श्रद्धा सुमन अर्पित किया गया. झामुमो जिला उपाध्यक्ष पीटर , समर्पण और सामाजिक न्याय की स्थापना का प्रेरणास्रोत है.

बाबा साहेब के विचारों से समाज में अनेक सकारात्मक परिवर्तन हुए : सरयू राय

जमशेदपुर : जनता दल (यूनाइटेड) अनुसूचित जाति मोर्चा के जिला अध्यक्ष राजेश प्रसाद मुखी के नेतृत्व में मंगलवार को साकची स्थित कोर्ट रोड में भारत रत्न बाबा साहेब डॉ. भीमराव अंबेडकर जी के 135वें जन्मोत्सव के अवसर पर उनकी आदमकद प्रतिमा पर माल्यार्पण एवं पुष्प अर्पण किया गया. विधायक सरयू राय ने प्रतिमा पर माल्यार्पण कर श्रद्धा सुमन अर्पित किया. इस अवसर पर उन्होंने कहा कि बाबा साहेब ने शोषित एवं पीड़ित दलित समाज को शिक्षा के माध्यम से अपने अधिकारों के लिए संघर्ष करने की प्रेरणा दी. संविधान निर्माण में प्रारूप समिति के अध्यक्ष के रूप में उनकी भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण रही. उनके मार्गदर्शन में भारत का ऐसा लचीला संविधान बना, जो समय के अनुरूप जनहित में प्रभावी रूप से लागू हो रहा है. उन्होंने आगे कहा कि बाबा साहेब ने समतामूलक समाज के निर्माण के लिए अपना संपूर्ण जीवन समर्पित कर दिया. सामाजिक न्याय की इस लड़ाई को आगे बढ़ाने के लिए उन्होंने बौद्ध धर्म को अपनाया और मानवीय मूल्यों को आत्मसात करने का संदेश दिया. उनके विचारों से समाज में अनेक सकारात्मक परिवर्तन हुए हैं और आगे भी होते रहेंगे. इस अवसर पर एससी मोर्चा के जिला अध्यक्ष राजेश प्रसाद मुखी ने कहा कि भारत का संविधान दलित एवं शोषित वर्ग को समान अधिकार प्रदान करता है और उनके उत्थान का मार्ग प्रशस्त करता है. कार्यक्रम में जिला अध्यक्ष सुबोध श्रीवास्तव, महानगर अध्यक्ष अजय कुमार, अरविंद, विजय, किशोर कुमार, सूरज यादव सहित बड़ी संख्या में जदयू कार्यकर्ताओं ने बाबा साहेब की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित किए.

बाबा साहेब अंबेडकर की 135वीं जयंती पर सिविल सर्जन ने किया माल्यार्पण कैंडल जलाकर श्रद्धांजलि अर्पित की

साहिबगंज : संविधान निर्माता डा.भीमराव अंबेडकर की 135वीं जयंती के अवसर पर मंगलवार को नगर पर्षद परिसर में जिले के सिविल सर्जन डॉक्टर डॉक्टर रामदेव पासवान,स्पेशल डिविजन के कार्यपालक अभियंता रामा कांत ने बाबा साहब को माल्यार्पण पर कैंडल जलाकर श्रद्धांजलि अर्पित की गई. इस दौरान अनुप लाल हरि, मंच के अध्यक्ष जयकुमार, शिव हरि आदि शामिल थे. कार्यक्रम के दौरान लोगों ने बाबा साहब अमर रहे की जमकर नारे बाजी की. इसके पूर्व जयंती को लेकर बाबा साहब की प्रतिमा को स्वर्ण रंग से आकर्षक तरीके से रंग कर सजाया गया था. सिविल सर्जन डॉक्टर रामदेव पासवान ने बताया कि डॉ. भीमराव अंबेडकर 14 अप्रैल 1891 - 6 दिसंबर 1956 एक भारतीय विधिवेत्ता, अर्थशास्त्री, समाज सुधारक और राजनेता थे, जिन्होंने दलितों के अधिकारों के लिए संघर्ष किया. महार जाति में जन्मे अंबेडकर ने छुआछूत, जातिगत भेदभाव और सामाजिक असमानता का सामना करते हुए, उच्च शिक्षा प्राप्त की और भारत के पहले कानून मंत्री बने. प्रारंभिक जीवन और संघर्षः उनका जन्म मध्य प्रदेश के महू में हुआ था, लेकिन उनका परिवार महाराष्ट्र के रत्नागिरी जिले से था. उनके पिता रामजी सकपाल सेना में सूबेदार थे और परिवार पर कबीर पंथ का प्रभाव था. दलित

समुदाय से होने के कारण बचपन में उन्हें गंभीर छुआछूत का सामना करना पड़ा स्कूल में उन्हें अलग बैठकर पढ़ाई करनी पड़ती थी और पानी पीने के लिए चपरासी पर निर्भर रहना पड़ता था.शिक्षा के प्रति समर्पणः अनेक कठिनाइयों के बावजूद, उन्होंने पढ़ाई जारी रखी. बड़ौदा के महाराज सयाजीराव गायकवाड़ की मदद से वे उच्च शिक्षा के लिए अमेरिका की कोलंबिया यूनिवर्सिटी गए और फिर लंदन में बैरिस्टर की पढ़ाई की.सामाजिक सुधार कार्य: भारत लौटकर, उन्होंने दलितों और शोषित वर्गों को उनके अधिकार दिलाने के लिए शिक्षित बने, संगठित रहो और संघर्ष करो का मंत्र दिया. उन्होंने 1927 में महाड़ सत्याग्रह और मूकनायक जैसे समाचार पत्र के माध्यम से छुआछूत के खिलाफ आवाज उठाई.संविधान निर्माताः स्वतंत्र भारत के पहले कानून मंत्री के रूप में, उन्होंने भारत का संविधान बनाने में मुख्य भूमिका निभाई, जो सभी नागरिकों को समानता, स्वतंत्रता और न्याय की गारंटी देता है.बौद्ध धर्म और अंतिम समयः हिंदू धर्म में व्याप्त,जाति प्रथा से दुखी होकर, उन्होंने 14 अक्टूबर 1956 को अपने लाखों अनुयायियों के साथ बौद्ध धर्म अपना लिया. 6 दिसंबर 1956 को उनका निधन हो गया, और उन्हें मरणोपरांत 1991 में भारत रत्न से सम्मानित किया गया.संविधानः भारत के सबसे लंबे लिखित संविधान के निर्माण की अध्यक्षता की.सामाजिक समानताः दलितों और महिलाओं के अधिकारों के लिए लड़कर छुआछूत को संवैधानिक रूप से समाप्त किया.अर्थव्यवस्थाः भारतीय रिजर्व बैंक की स्थापना में अंबेडकर की किताबों और विचारों का बड़ा योगदान माना जाता है.अंबेडकर का जीवन दृढ़ संकल्प, शिक्षा और सामाजिक न्याय की एक प्रेरणादायक कहानी है. आज जो हम लोग बात कर रहे हैं यह बाबा साहब की देन है हम लोग और जो भी इस वर्ग के हैं उनके दिखाए गए रास्ते का अनुपालन करेंगे पालन करेंगे फिर हम लोग आगे बढ़ते चले जाएंगे और भारत सरकार की मुख्य धारा में हम लोग आ जाएंगे .

टाटा स्टील ने जमशेदपुर में राष्ट्रीय अग्निशमन सेवा दिवस मनाया

जमशेदपुर : टाटा स्टील द्वारा देशभर के सभी स्थानों पर 14 से 20 अप्रैल तक राष्ट्रीय अग्निशमन सेवा सप्ताह मनाया जा रहा है. यह सप्ताह उन वीर अग्निशमन कर्मियों को समर्पित है, जो अपनी जान की परवाह किए बिना लोगों के जीवन की रक्षा और व्यक्तियों व संस्थानों की संपत्तियों को सुरक्षित रखने के लिए अपने प्राणों की आहुति दे देते हैं.यह पहल कर्मचारियों, ठेकेदारों, शैक्षणिक संस्थानों, स्वास्थ्य सेवाओं से जुड़े संस्थानों तथा व्यापक समुदाय के बीच अग्नि सुरक्षा के प्रति जागरूकता बढ़ाने का प्रयास है. इसका उद्देश्य आग से संबंधित घटनाओं और आपात स्थितियों की प्रभावी रोकथाम एवं प्रबंधन सुनिश्चित करना है.टाटा स्टील फायर एंड रेस्क्यू सर्विसेज, जमशेदपुर में आयोजित राष्ट्रीय अग्निशमन सेवा सप्ताह के उद्घाटन समारोह में आज मुख्य अतिथि के रूप में डी. बी. सुंदरा रामम, वाइस प्रेसिडेंट (कॉर्पोरेट सर्विसेज) तथा विशिष्ट अतिथि के रूप में सतीश सिंह, महासचिव, टाटा वर्कर्स यूनियन ने अपनी गरिमामयी उपस्थिति दर्ज कराई.अरविंद कुमार सिन्हा (चीफ, सिक्योरिटी एंड ब्रांड प्रोटेक्शन), दीबा अहमद (चीफ, एचआरबीपी, कॉर्पोरेट फंक्शंस), स्नेहा (हेड, एचआरबीपी, कॉर्पोरेट फंक्शंस-सीएस), राकेश जोशी (सीनियर एरिया मैनेजर, फायर ब्रिगेड), अभय रंजन (सीनियर मैनेजर, फायर ब्रिगेड), संजय सिंह (उपाध्यक्ष, टाटा वर्कर्स यूनियन) एवं

शहनवाज़ खान (जेडीसी चेयरमैन, फायर एंड सिक्योरिटी विभाग) ने वीर अग्निशमन कर्मियों को भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की.भारत में 14 अप्रैल को राष्ट्रीय अग्निशमन सेवा दिवस के रूप में मनाया जाता है. इसकी पृष्ठभूमि 1944 के बॉम्बे डॉक विस्फोट से जुड़ी है, जब एक भीषण आग पर काबू पाने के दौरान 66 वीर अग्निशमन कर्मियों ने अपने प्राणों का सर्वोच्च बलिदान दिया था. उनका यह त्याग हमें न केवल उनके साहस और समर्पण की याद दिलाता है, बल्कि उन जोखिमों का भी एहसास कराता है जिनका वे हर दिन सामना करते हैं. साथ ही, यह हमें सतर्कता, तैयारी और अग्नि सुरक्षा के प्रति अपनी जिम्मेदारी को और अधिक गंभीरता से निभाने के लिए प्रेरित करता है.डी. बी. सुंदरा रामम, वाइस प्रेसिडेंट (कॉर्पोरेट सर्विसेज) ने समुदाय को जानलेवा परिस्थितियों से सुरक्षित रखने में अग्निशमन कर्मियों के साहस और समर्पण की सराहना की. उन्होंने टाटा स्टील फायर सर्विसेज द्वारा आग की घटनाओं के कुशल प्रबंधन की प्रशंसा करते हुए स्काईलिफ्ट फायर टेंडर और क्रैश फायर टेंडर जैसे उन्नत अग्निशमन संसाधनों का भी उल्लेख किया.उन्होंने शॉपफ्लोर पर नियमित फायर ऑडिट किए जाने के महत्व पर जोर दिया और फायर एंड रेस्क्यू टीम से अपील की कि वे अग्निशमन सेवा सप्ताह के दौरान सक्रिय रूप से अग्नि सुरक्षा को बढ़ावा दें.टाटा वर्कर्स यूनियन के महासचिव सतीश सिंह ने अग्निशमन कर्मियों की प्रतिबद्धता की सराहना की और इस क्षेत्र में लैंगिक विविधता को बढ़ावा देने की दिशा में टाटा स्टील द्वारा महिला अग्निशमन कर्मियों को शामिल करने की पहल को एक महत्वपूर्ण कदम बताया.मुख्य अतिथि एवं विशिष्ट अतिथि ने वेस्ट प्लांट फायर स्टेशन में 'फायर एंड रेस्क्यू प्रदर्शनी' का उद्घाटन किया तथा जागरूकता फैलाने के उद्देश्य से एक अग्निशमन वाहन को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया.

मातृशक्ति को 33% आरक्षण के सम्मान में भाजपा महिला मोर्चा ने निकाला पद यात्रा

पाकुड़: भाजपा महिला मोर्चा श्रीमती प्राची चौधरी ने देश के यशस्वी प्रधानमंत्री आदरणीय नरेन्द्र मोदी जी के द्वारा भारत की मातृशक्ति को 33% आरक्षण के सम्मान में सुबह 10 बजे रेलवे मैदान से अटल चौक तक एक पदयात्रा, रैली जिलाध्यक्ष श्रीमती सरिता मुर्मू जी के नेतृत्व में आयोजित हुआ, जिलाध्यक्ष श्रीमती सरिता मुर्मू जी ने महिला कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा की विश्व के सबसे बड़े नेता, विश्व के सबसे बड़े संगठन के नेता देश के यशस्वी प्रधानमंत्री आदरणीय नरेंद्र मोदी जी ने वार्ड से लेकर नगर, पंचायत से लेकर विधायक, सांसद तक महिलाओं को सम्मान देने का कार्य किया ,नारी को सम्मान देना बहुत ही सराहनीय है जिलाध्यक्ष श्रीमती सरिता मुर्मू जी एवं महिला मोर्चा की कार्यकर्ताओं ने संविधान निर्माता बाबा साहेब डॉक्टर भीमराव अम्बेडकर जी की प्रतिमा में मालार्पण कर श्रद्धा सुमन अर्पित किया. इस कार्यक्रम में प्रदेश कार्यसमिति सदस्य मीरा प्रवीण सिंह एवं समेत सैकड़ों कार्यकर्ता उपस्थित हुए.

14 साल की लड़की से गैंगरेप,2 नाबालिग समेत 4 गिरफ्तार

युवा शक्ति न्यूज

गया : जिले के आमस में 14 साल की नाबालिग के साथ गैंगरेप का मामला सामने आया है.मिली जानकारी के मुताबिक, आरोपियों ने वारदात को उस वक्त अंजाम दिया, जब पीड़िता अपनी सहेली के साथ एक पारिवारिक कार्यक्रम से घर लौट रही थी.घटना के समय पीड़िता के साथ मौजूद लड़की ने किसी तरह भागकर अपनी जान बचाई.मामले में पुलिस ने कार्रवाई करते हुए एक घंटे के अंदर वारदात में शामिल सभी 4 आरोपियों को पकड़ लिया.वारदात रविवार देर रात की है.पीड़िता के मुताबिक, जब वो अपनी सहेली के साथ घर लौट रही थी, तभी रास्ते में एक पुलिया के पास चारों आरोपी गांजा पी रहे थे.इसी दौरान चारों ने लड़कियों को अकेला देखकर दौड़ाया.पीड़िता की सहेली अंधेरे का फायदा उठाकर भाग निकली, जबकि पीड़िता को आरोपियों ने दबोच लिया और गैंगरेप की वारदात को अंजाम दिया.पीड़िता ने बताया कि आरोपियों ने गमछा से मेरी मुंह बांध दिया था, ताकि मैं शोर न मचा पाऊं.आरोपियों ने मेरा मोबाइल भी पत्थर से कूंचकर तोड़ दिया.पुलिस को इस मामले की जानकारी सोमवार को मिली, जिसके बाद प्रशासन तुरंत हरकत में आया. पीड़िता के पिता ने बताया कि घर में लड़की जब देर रात नहीं पहुंची तो उसकी मां अन्य परिजनों के साथ ढूंढना शुरू किया तो लड़की खेत मे तड़पती हुई मिली.पीड़िता के पिता ने बताया कि रात को मेरी बेटी और पत्नी ने मुझे वारदात की जानकारी नहीं दी. सुबह जब सोकर उठा तो पत्नी ने पूरे मामले की जानकारी मुझे दी. इसके बाद दोपहर में मैं अपनी बेटी और पत्नी को लेकर थाना पहुंचा और प्राथमिकी दर्ज कराई.आमस के प्रभारी थानाध्यक्ष अखिलेश कुमार ने मामले की गंभीरता को देखते हुए फौरन टीम गठित की.पुलिस ने बिना समय गंवाए पॉक्सो एक्ट के तहत प्राथमिकी दर्ज की और छापेमारी शुरू कर दी.थानाध्यक्ष ने बताया कि पुलिस ने सूचना मिलने के एक घंटे के भीतर ही चारों आरोपियों को पकड़ लिया.गिरफ्तार किए गए आरोपियों की पहचान शिशुपाल कुमार और सजन कुमार के रूप में हुई है.इनके साथ ही पुलिस ने दो अन्य नाबालिगों को भी इस अपराध में शामिल होने के आरोप में पकड़ा है. चारों आरोपियों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की जा रही है.इस मामले में पुलिस ने न केवल आरोपियों को गिरफ्तार किया, बल्कि मामले को कोर्ट में मजबूती से पेश करने के लिए वैज्ञानिक साक्ष्यों पर भी जोर दिया है. घटनास्थल का निरीक्षण शेरघाटी डीएसपी और एफएस एल की विशेष टीम द्वारा किया गया है.जांच के दौरान घटनास्थल पर खून के धब्बे पाए गए हैं, जिन्हें एफएसएल टीम ने सैंपलिंग के लिए सुरक्षित रख लिया है.फिलहाल, पुलिस ने पीड़िता और पकड़े गए चारों आरोपियों को मेडिकल एग्जामिनेशन के लिए गया भेज दिया है.पुलिस का कहना है कि मेडिकल रिपोर्ट और एफएसएल की रिपोर्ट आने के बाद केस की कड़ियां एक दूसरे से जुड़ेगीं. प्रशासन ने आश्वासन दिया है कि स्पीडी ट्रायल के माध्यम से दोषियों को जल्द से जल्द कड़ी सजा दिलाई जाएगी.